जबलपुर

बुधवार 22 जुलाई 2026

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

Hero
हीरो का स्कूटर
स्कूटर का हीरो
Destini
Destini
110cc और 125cc में उपलब्ध
मज़बूत मेटल बॉडी
माइलेज 56.2 KMPL#
बेस्ट इन सेगमेंट
LED प्रोजेक्टर हेडलैम्प
785MM
सबसे बड़ी सीट##
बेस्ट इन सेगमेंट
बड़े और चौड़े [R12] एलॉय व्हील्स
रचनात्मक चित्रण.
स्कैन करें और हीरो डेस्टिनी जीतने* का मौका पाएं
INDIA'S FIRST 5 YEAR WARRANTY*
*Conditions apply
एक्स-शोरूम कीमत ₹75,100~
कम डाउन पेमेंट ₹5,999^
ब्याज दर 6.99%^
कॉर्पोरेट ऑफ़र ₹3,200^
Hero GoodLife
जीतने का मौका चांदी का सिक्का और भी बहुत सुनिश्चित बेनिफिट्स$
pine labs PAY LATER
CASHBACK UPTO ₹10,000^
Additional Offers On amazon.in Flipkart
TOLL FREE 1800 266 0018
Hero MotoCorp Ltd, Regd. Office: The Grand Plaza, Plot No. 2, Nelson Mandela Road, Vasant Kunj Phase - II, New Delhi-110070, India. I CIN: L35911DL1984PLC017354I. For further information, contact your nearest Hero MotoCorp authorised outlet or CALL TOLL-FREE 1800 266 0018 or visit us on www.heromotocorp.com. Accessories and features shown may not be a part of standard fitment. Always wear a helmet while riding a two-wheeler. #As per the internal benchmarking of 110cc scooters in India under standard conditions; may vary as per the riding conditions. ##Basis the data available in public forum for products in 110cc scooter segment. ^Finance offer is at the sole discretion of the Financier, subject to its respective T&Cs. Available at select dealerships. Offer valid for a limited period. Based on the testing report of govt. Certified agency. Actual mileage may vary as per riding conditions. $Offer valid only on purchase of new Hero Two-wheeler. Hero GoodLife Enrollment on the corresponding purchase till 31st July 2026. ~Ex-Showroom Price applicable in Madhya Pradesh only. Ex-Showroom price is for the Destini 110 VX variant. Creative Visualization. *T&C apply.
अधिकृत डीलरः जबलपुर: सुपर हीरो (साउथ सिविल लाईन्स) 9289922350, सुदर्शन हीरो (नेपियर टॉउन 9289922353, मदन महल 9111100352, दमोह नाका 9111100344), बालाघाट: जायसवाल हीरो 9289922572, छतरपुर: आनंद हीरो (झाँसी रोड 9289922374, पन्ना रोड 7389238472), छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, मण्डला: शुभा हीरो 9289922600, नरसिंहपुर: रचना हीरो 9289922377, रीवा: बद्रिका हीरो (टी.पी. नगर 9752263333, इलाहाबाद रोड 9171705391), सतना: स्टार हीरो 9289922356, बद्रिका हीरो 9289923108, शहडोल: विभोर हीरो 9289923109, गुप्ता हीरो 9289922370, कटनी: हर्ष हीरो 9289923166, वैढ़न: कुन्दन हीरो 9289922743, बजरंग मोटर्स 7354559000, सीधी: राजेन्द्र मोटर्स 9289923113, टीकमगढ़: आनंद हीरो 9289923112, सिवनी: सुदर्शन हीरो 9821745435, चौरई: श्रीजी ऑटोमोबाईल्स, 9821749342, एसोशिएट डीलरः पथरिया: एसएस ऑटोमोबाइल्स, 9691147568, सेमरिया: आकाश मोटर्स 9893918358, अमरवाड़ा: अर्पित ऑटोमोबाईल्स 7428595943, ब्यौहारी: श्री राम ऑटोमोबाईल्स 9424683246, बुढ़हार: श्री ऑटोमोबाईल्स 9425181937, डिंडोरी: अवधिया ऑटो 8959777333, नैनपुर: स्वास्तिक मोटर्स 9893746172, गाडरवाड़ा: शेखर व्हीकल्स 9425467409, जुन्नारदेव: लक्ष्मी नारायण मोटर्स 8109164000, कोतमा: सिटी ऑटोमोबाईल्स 7987519546, मैहर: वैशाली ऑटोमोबाईल्स 9424741022, मऊगंज: सेंगर मोटर्स 9425185568, लांझी: श्रीखण्ड ऑटोमोबाईल्स 7428390262, पांढुरना: जय भवानी ऑटोमोबाईल्स 7428390263, परासिया: श्री महावीर ऑटोमोबाईल्स 7354460008, रामपुर बघेलान: सॉई ऑटोमोबाईल्स 9993224296, रांझी: गुरुकृपा ऑटो 9424728007, सिहोरा: बाईक प्वांट 9826802730, उमरिया: गुप्ता ऑटो एजेन्सी 9285505630, वारासिवनी: रुसिया मोटर्स 9425822392 , जतारा: शारदा माँ ऑटोमोबाईल 9111231539, टीकमगढ़: एस.एस. इन्टरप्राइजेज 7000242371, पृथ्वीपुर: महावीर एजेंसीज 7000375943, मुलताई: शारदा श्री मोटर्स 9522870001, चितरंगी: ओम मोटर्स 9685416118, बरगवां: बजरंग मोटर्स 9926183734, बहरी: श्याम एजेंसी 9981238133, बरही: अजीत ऑटोमोबाइल्स 7566217410, 9131739086, अनूपपुर: बाल गोविंद ऑटोव्हील्स 9770531138, 9770744844, नागोद: चौरसिया ऑटोमोबाइल्स 9926365074, देवसर: श्री राम मोटर्स 9425086868 अमरपाटन: रिशु ऑटोमोबाइल्स 9893829195, स्लीमनाबाद: अनिल मोटर्स 9425466101, रामनगर: विजय ऑटोमोबाईल्स 9893252517, धनोरा: भवानी व्हीकल्स 9424950703, सरई: यश मोटर्स, 9981718853, सालीचौका: अभिषेक इंटरप्राइजेज 8989434793, गुन्नौर: मधुबन मोटर्स, 8959050501, मड़वास: ओम मोटर्स, 9009066959, मझौली: न्यू कुन्दन ऑटोमोबाइल्स, 9584628677, बीरसिंहपुर पाली: श्री कृष्ण मोटर्स, 8889131315, रीठी: प्रदीप मोटर्स, 9981303666, बड़वारा: शिवम मोटर्स, 7509839990, खटखरी: खटखरी ऑटोमोबाइल, 9617241112, गुढ़: विंध्य मोटर्स, 9229072020, कोठी: लक्ष्मी ऑटोमोबाइल्स, 7987308294, 8305809514, उंचेहरा: अंकुर ऑटोमोबाइल्स, 9589176355, रामपुर नैकिन (सीधी): लक्ष्मी जी ऑटोमोबाइल्स, 9406782277, दुधमनिया सिंगरोली: राधा कृष्ण मोटर्स, 7000995137, गढ़: अंबे मोटर्स, 9144881695, बीरसिंहपुर: तनु ऑटोमोबाइल्स, 9425886424, देवतालाब: वर्षा मोटर्स, 9424622310, गुन्नौर: मधुबन मोटर्स, 8959050501, Hero Sure (Buy, Sell, Exchange Any Used Two Wheeler) छिन्दवाड़ा: सत्कार हीरो 9289922805, नरसिंहपुर: रचना हीरो 8815396340, दमोह : इंडिया ऑटो सेंटर 8839230079.
RS/Hero/07/26

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

रायसेन में सड़क धंसी

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

राजधानी सहित प्रदेशभर में अभी मौसम में बदलाव जारी है। प्रदेश से गुजर रही ट्रफ और सकुर्लेशन से बारिश का यह दौर अगले चार दिन और रहेगा। सोमवार देर रात से मंगलवार तक भोपाल सहित करीब 40 जिलों में बारिश दर्ज हुई। कुछ जिलों में तेज बारिश से हालात बिगड़ गए। रायसेन में सागर-भोपाल हाईवे पर लड़ईया नाला पुलिया के पास भराव बह गया जिससे सड़क धंस गई। यहां काफी देर तक जाम लगा रहा। भोपाल, जबलपुर, ग्वालियर सहित 25 से ज्यादा जिलों में मध्यम बारिश हुई, जबकि 15 जिलों में तेज बारिश हुई है। इससे दिन के तापमान में औसतन दो डिग्री तक कमी आई है। प्रदेश में औसत दिन का पारा 28 डिग्री तक रहा। भोपाल में 4.2 डिग्री गिरकर 26.5 डिग्री रहा। मौसम विभाग ने बुधवार को भी कई जिलों में अति भारी से भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। भोपाल सहित दो दर्जन जिलों में मध्यम से हल्की बारिश की उम्मीद है।

4 दिन तक अधिकांश जिलों में चलेगा बारिश का दौर

अब मेघ 'मेहरबान'

भोपाल के करोंद क्षेत्र में ब्रिज पर जलजमाव

ये मुसीबत भी...

- रायसेन में हाइवे पर सड़क धंसी
- सागर-भोपाल हाईवे पर लगा जाम
- कुछ जिलों में अति भारी से भारी बारिश का अलर्ट कई जगह हालात बिगड़े
- प्रदेश से गुजर रही ट्रफ और छत्तीसगढ़ के सकुर्लेशन से मप्र में बारिश
- 40 जिलों में बारिश से पारा औसतन दो डिग्री और गिरा
- भोपाल में 22 मिमी बारिश, यहां कुल 421.7 मिमी पानी बरसा

खबर संक्षेप

सीजेपी ने प्रवक्ता विजेता दहिया को पद से हटाया

नई दिल्ली। जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के बीच एक मॉल में बर्गर खाते दिखने पर सीजेपी ने अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को तत्काल प्रभाव से पद से हटा दिया है। सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें लाठीचार्ज के दौरान बर्गर खाने को लेकर सवाल उठाते नजर आ रहे थे। सीजेपी ने इस व्यवहार को असंवेदनशील और पार्टी के सिद्धांतों के खिलाफ बताते हुए ये कार्रवाई की।

दुष्कर्म मामले में घिरे क्रिकेटर अभिषेक पोरेल

कोलकाता। आईपीएल में दिल्ली कैपिटल्स और बंगाल के लिए खेलने वाले क्रिकेटर अभिषेक पोरेल कानूनी विवाद में फंस गए हैं। एक मेडिकल छात्रा की शिकायत पर दर्ज दुष्कर्म और आपराधिक धमकी के मामले में कलकत्ता हाईकोर्ट ने पोरेल और एक अन्य आरोपी की तत्काल गिरफ्तारी के निर्देश दिए हैं। एफआईआर में बीएनएस और आईटी एक्ट की गंभीर धाराएं लगाई गई हैं।

सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मोबाइल एप लॉन्च

इंदौर। एमपीपीएससी की तैयारी कर रहे युवाओं के लिए बड़ी खबर है। चेयरमैन डॉ. राजेशलाल मेहरा ने आधिकारिक सेंटर ऑफ एक्सीलेंस मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। अब छात्रों को वेबसाइट बार-बार चेक करने की जरूरत नहीं होगी। यह एप एंड्रॉइड और आईओएस दोनों प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध है। इस पर परीक्षा कैलेंडर, प्रवेश पत्र, आंसर-की, रिजल्ट और इंटरव्यू कॉल लेटर से जुड़े अपडेट्स एक साथ मिलेंगे।

सदन में काफी देर तक चले गतिरोध, हंगामे व नारेबाजी के बीच मुख्यमंत्री ने अपना वक्तव्य दिया

विधानसभा में भारी हंगामे के बीच ऐतिहासिक समान नागरिक संहिता विधेयक पारित, मुख्यमंत्री ने कहा

अब अलग-अलग मजहबी तौल कांटा नहीं, सब एक ही बाट से तौले जाएंगे

सीएम ने कहा कि समान नागरिक संहिता के क्रियान्वयन में विलंब का मुख्य कारण कांग्रेस और विपक्षी ही रहे हैं। इन्होंने जानबूझकर इसे सांप्रदायिक विवाद का मुद्दा बना दिया

यूसीसी पर लगभग 10 लाख सुझाव प्राप्त हुए। जिला एवं राज्य स्तर पर 50 से अधिक बैठकें आयोजित कर 1,134 से अधिक महत्वपूर्ण सुझाव संकलित किए गए

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मप्र विधानसभा के मानसून सत्र में मंगलवार को विपक्ष के भारी हंगामे के बीच मप्र समान नागरिक संहिता-2026 विधेयक पारित हो गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) को लेकर सरकार का विस्तृत पक्ष रखा। उन्होंने इसे सामाजिक समानता, महिला सशक्तिकरण और राष्ट्रीय एकता की दिशा में ऐतिहासिक कदम बताया।

उन्होंने कहा कि इस सत्र को आने वाली पीढ़ियां सदियों तक याद रखेंगी। समानता हमारी संस्कृति का मूल है। भगवान की दृष्टि में सभी एक समान हैं तो इंसानों द्वारा बनाए गए कानून में अलग-अलग व्यवस्था क्यों होनी चाहिए?

कांग्रेस यूसीसी को सांप्रदायिक चश्मे से देख रही है

विधानसभा में सीएम

- *72 प्रतिशत मुस्लिम महिलाओं सहित विभिन्न समुदायों के लोगों ने इस सुधार का समर्थन किया*
- *प्रदेश के 93 प्रतिशत नागरिकों ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया*
- *राम से रहीम तक, रविंद्र से रॉबिन तक, अमर से एंथोनी और अकबर तक देश एक संविधान से चले*

तब कांग्रेस पीछे क्यों हट गई थी?

डॉ. यादव ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 44 में भी राज्य के सभी नागरिकों के लिए समान नागरिक संहिता का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। मुख्यमंत्री ने कांग्रेस से सवाल किया कि वर्ष 1959 में मप्र भू-राजस्व संहिता के माध्यम से समान उत्तराधिकार व्यवस्था लागू करने वाली कांग्रेस बाद में इससे पीछे क्यों हट गई।

आरिफ मसूद का संशोधन ध्वनिमत से अस्वीकृत

इस विधेयक पर चर्चा की शुरूआत सबसे पहले कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने की। उन्होंने विधेयक की कुछ धाराओं में संशोधन की मांग रखी। अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कहा कि चर्चा होने दीजिए, इसके बाद संशोधन रखिएगा। उन्होंने विधेयक को प्रवर समिति के पास भेजने की मांग रखी। अध्यक्ष तोमर ने इस पर सदन का पक्ष लिया। बाद में संशोधन ध्वनिमत से अस्वीकृत हो गया। विपक्ष ने इस पर हंगामा कर दिया। दोनों पक्षों में जमकर नारेबाजी हुई। कांग्रेसी सदस्य आसंदी के सामने आकर नारेबाजी करने लगे।

पहले दिन मुखौटे पहनकर आए थे विधायक

कांग्रेस विधायकों ने प्रतीकात्मक शव रखकर 'नया' प्रदर्शन किया

सिंघार बोले- सरकार यदि गंभीर तो किसानों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर चर्चा से न भागे

हरिभूमि न्यूज ⏭ भोपाल

मंगलवार को विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन समान नागरिक संहिता (यूसीसी), किसानों, युवाओं और महिलाओं के मुद्दों को लेकर नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार के नेतृत्व में कांग्रेस विधायक विधानसभा परिसर में प्रतीकात्मक शव लेकर पहुंचे और सरकार को 'मुर्दों की सरकार' बताते हुए नारेबाजी कर प्रदर्शन किया।

कांग्रेस विधायकों ने आरोप लगाया कि सरकार जनता के असली मुद्दों से मुंह मोड़ रही है। कांग्रेस विधायकों के हाथों में पोस्टर थे, उस पर लिखा था 'सरकार किसानों की मदद नहीं कर रही, नफरत की राजनीति कर रही है'। सिंघार ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार प्रदेश की जनता की समस्याओं के प्रति पूरी तरह निष्क्रिय है। किसान खाद की कमी से परेशान हैं, युवाओं को रोजगार नहीं मिल रहा, महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ रहे हैं और प्रदेश में लगातार घोटाले सामने आ रहे हैं, लेकिन सरकार इन मुद्दों पर चर्चा करने के बजाए यूसीसी जैसे विषयों को आगे बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार हिंदू-मुस्लिम, यूसीसी और लव जिहाद जैसे मुद्दे उठाकर जनता का ध्यान शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि और महंगाई जैसे असली सवालों से भटकाना चाहती है। सिंघार ने सवाल उठाया कि यदि सरकार जनता के हितों के प्रति गंभीर है तो किसानों, बेरोजगार युवाओं, महिलाओं की सुरक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था पर चर्चा से क्यों बच रही है।

राजा रघुवंशी हत्याकांड में सुप्रीम कोर्ट की सोनम को चेतावनी

सरेंडर करो, जांच एजेंसियों का सामना करो सही रास्ता चुनो, वरना जमानत कर देंगे रद्द

निचली अदालत में गवाहों के बयान दर्ज होने तक सरेंडर का विकल्प

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

राजा रघुवंशी हत्याकांड की मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी की जमानत को लेकर देश की शीर्ष अदालत में सुनवाई हुई। इस दौरान अदालत ने सोनम रघुवंशी को दो विकल्प दिए। अदालत ने कहा कि या तो आप सरेंडर कर दें या फिर मामले के गुण-दोष पर विचार करके आदेश देंगे।

जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच के सामने हुई। अदालत मेघालय सरकार की उस याचिका पर सुनवाई कर रही थी, जिसमें मेघालय हाई कोर्ट द्वारा सोनम को मिली जमानत के खिलाफ अपील की गई थी। कोर्ट ने सुझाव दिया कि जब तक ट्रायल कोर्ट अभियोजन पक्ष के मुख्य गवाहों के बयान दर्ज कर रहा है, तब तक सोनम को सरेंडर कर देना चाहिए। अदालत ने कहा कि दो विकल्प हैं। या तो हम मामले के गुण-दोष पर विचार करके आदेश देंगे। या फिर हम आदेश देंगे कि जब तक गवाहों से पूछताछ पूरी नहीं हो जाती, तब तक आप सरेंडर कर दें और उसके बाद हम मामले के गुण-दोष पर विचार करेंगे।

सोनम ने कहा ट्रायल कोर्ट ने कड़ी शर्तें लगाईं

सोनम के वकील ने बताया कि ट्रायल कोर्ट ने उन पर कड़ी शर्तें लगाई थीं। इसमें उन्हें शिलॉन्ग में रहना था और हर दिन कार्यवाही में शामिल होना था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि हम दोनों पक्षों के साथ निष्पक्ष रहना चाहते हैं।

प्रधानमंत्री आवास के निकट कांग्रेस का धरना, राहुल और प्रियंका समेत कई नेता हिरासत में लिए गए

हरिभूमि न्यूज:नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, पार्टी महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कई अन्य कांग्रेस नेताओं ने छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई के विरोध में मंगलवार को प्रधानमंत्री आवास के निकट धरना दिया और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के इस्तीफे की मांग की। बाद में पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी, सपा प्रमुख अखिलेश यादव और कई अन्य नेताओं को हिरासत में लिया और उन्हें बस में बैठाकर ले जाया गया। बस में बैठाने के दौरान प्रियंका गांधी ने प्रतिरोध भी किया। सपा प्रमुख अखिलेश यादव भी इस धरना में शामिल हुए थे। कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग करते हुए '7 लोक कल्याण मार्ग' के निकट धरना दिया और 'प्रधानमंत्री इस्तीफा दो', 'गुंडागर्दी नहीं चलेगी' तथा 'छात्रों को न्याय दो' जैसे नारे लगाए। धरना शुरू होने के कुछ देर बाद पुलिस ने राहुल गांधी, प्रियंका गांधी और कई अन्य नेताओं को हिरासत में ले लिया। इससे पहले लोकसभा सदस्य चरणजीत सिंह चन्नी, सुखजिंदर सिंह रंधावा, शशिकांत सेंथिल और अन्य नेताओं को भी हिरासत में लिया गया। धरने के दौरान कांग्रेस नेताओं ने हाथों में हथकड़ियां पहनकर छात्रों के खिलाफ पुलिस कार्रवाई का सांकेतिक विरोध किया। इससे पहले, प्रधानमंत्री कार्यालय में राज्य मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन मौके पर पहुंचे तथा राहुल गांधी से धरना समाप्त करने का आग्रह किया। राहुल गांधी ने छात्रों को न्याय दिलाने के इच्छुक लोगों से धरने में शामिल होने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि छात्रों पर हमला हर भारतीय परिवार पर हमला है और सरकार को इस मामले में जवाबदेही लेनी चाहिए। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री के इस्तीफे की मांग करते हुए कहा कि सरकार न तो घटना की जवाबदेही लेना चाहती है और न ही संसद में इस पर चर्चा की अनुमति दे रही है।

नामांकन निरस्त होने के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचीं मीनाक्षी

निर्वाचन आयोग पर आरोप लगाया 'कॉम्प्रोमाइज्ड हैं आयोग के लोग'

सुप्रीम कोर्ट की सलाह पर दायर की चुनाव याचिका

हरिभूमि न्यूज ⏭ जबलपुर

कांग्रेस की वरिष्ठ नेता और पूर्व सांसद मीनाक्षी नटराजन ने मध्य प्रदेश की तीसरी राज्यसभा सीट पर अपना नामांकन खारिज किए जाने के फैसले को जबलपुर हाईकोर्ट में चुनौती दी है। मंगलवार को जबलपुर पहुंचीं नटराजन ने निर्धारित 45 दिनों की समय-सीमा के भीतर चुनाव याचिका दायर की। मीनाक्षी नटराजन ने निर्वाचन आयोग के अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर कड़ा प्रहार करते हुए आरोप लगाया कि आयोग के अधिकारी कॉम्प्रोमाइज्ड हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि नामांकन निरस्त होने में कांग्रेस पार्टी के किसी नेता या फॉर्म भरने वाली टीम की कोई गलती नहीं थी। जिस आधार पर उनकी आपत्ति निरस्त की गई, प्रक्रिया के दौरान उसका कहीं संज्ञान ही नहीं लिया गया था। हाईकोर्ट में एडवोकेट आर्यन गुप्ता उनका पक्ष रखेंगे।

सिक्किम टनल हादसा : रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

समरदुंग में एनएचपीसी के तीस्ता प्रोजेक्ट में हुए हादसे में बढ़ी मृतकों की संख्या

मीथेन गैस रिसाव और धमाके से 10 मजदूरों की मौत, बंगाल से विशेषज्ञों की टीम बुलाई

- 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग का मुख्य प्रवेश द्वार पूरी तरह बंद हो गया था
- मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार मुआवजा
- प्रधानमंत्री व गृहमंत्री ने सीएम तमांग से बात की, हरसंभव मदद मिलेगी

एजेंसी ⏭ गंगटोक

सिक्किम के नामची जिले के समरदुंग में सोमवार को एनएचपीसी की तीस्ता स्टेज-6 जलविद्युत परियोजना की निर्माणाधीन सुरंग में एक दर्दनाक हादसा हो गया। चट्टानों के बीच फंसी जहरीली मीथेन गैस के अचानक फटने से हुए धमाके और भूस्खलन के कारण सुरंग का प्रवेश द्वार बंद हो गया। जिला प्रशासन और एनएचपीसी के अनुसार हादसे के वक्त टनल के भीतर करीब 25 से 27 कर्मचारी मौजूद थे, जिनमें से अब तक 10 मजदूरों के शव बरामद किए जा चुके हैं। अचानक हुए भूस्खलन के कारण लगभग 1.5 किलोमीटर लंबी सुरंग का मुख्य प्रवेश द्वार पूरी तरह बंद हो गया, जिससे अंदर काम कर रहे मजदूर फंस गए।

रेस्क्यू करती टीमें

टनल

रेस्क्यू वर्कर्स भी चक्कर खाकर बेहोश हो गए

एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिक्किम पुलिस और अग्निशमन विभाग की टीमें ऑक्सीजन मास्क और विशेष सुरक्षा उपकरणों की मदद से युद्धस्तर पर राहत कार्य में जुटी हैं। सुरंग के भीतर जहरीली गैस और धुएं के कारण बचाव अभियान में भारी चुनौतियां आ रही हैं। शुरुआती प्रयास के दौरान कुछ रेस्क्यू वर्कर्स भी चक्कर खाकर बेहोश हो गए। लगातार हो रही बारिश के बावजूद बचाव कार्य जारी है।

जो कहा वो किया
जो सोचा वो हुआ
क्या हिंदू क्या मुसलमान, क्या राम क्या रहीम,
क्या रविन्दर क्या रॉबर्ट सबके लिये समान कानून
मात्र 2 माह में 27 अप्रैल 2026 को उच्च स्तरीय समिति
गठन के बाद, 21 जुलाई 2026 को विधानसभा में ऐतिहासिक मंजूरी
विधानसभा में पारित
समान नागरिक संहिता
21 जुलाई 2026
विधानसभा में पारित
27 अप्रैल 2026
उच्च स्तरीय समिति का गठन
7 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति द्वारा देश के विभिन्न कानूनों और अन्य राज्यों के UCC मॉडलों का गहन तुलनात्मक अध्ययन
अभूतपूर्व जन-भागीदारी
सुझाव हेतु वेब पोर्टल लॉन्च
3.50 करोड़
संदेश नागरिकों को भेजे गए
10 लाख सुझाव मिले
मध्यप्रदेश के विधायी इतिहास में पहली बार
जिला और राज्य स्तर पर
50+ वृहद बैठकें
व्यावहारिक सुझाव संकलित
1,134+
ऐतिहासिक जनसमर्थन
93%
ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया
92%
पुरुष और महिलाएं समान कानून के पक्ष में
लैंगिक समानता और अधिकार
91%
ने भेदभावपूर्ण तलाक कानून हटाने का समर्थन किया
92%
ने बेटियों और माताओं को संपत्ति में समान अधिकार का समर्थन किया
सर्वसमुदाय का समर्थन
हिन्दू: 95% पुरुष
96% महिलाएं
मुस्लिम: 40% पुरुष
80% महिलाएं
ईसाई: 90% पुरुष
95% महिलाएं
सिख: 93% पुरुष
96% महिलाएं
D-11064/26
प्रदेश की आधी आबादी, सभी बहनों को, दिया उनका हक़

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

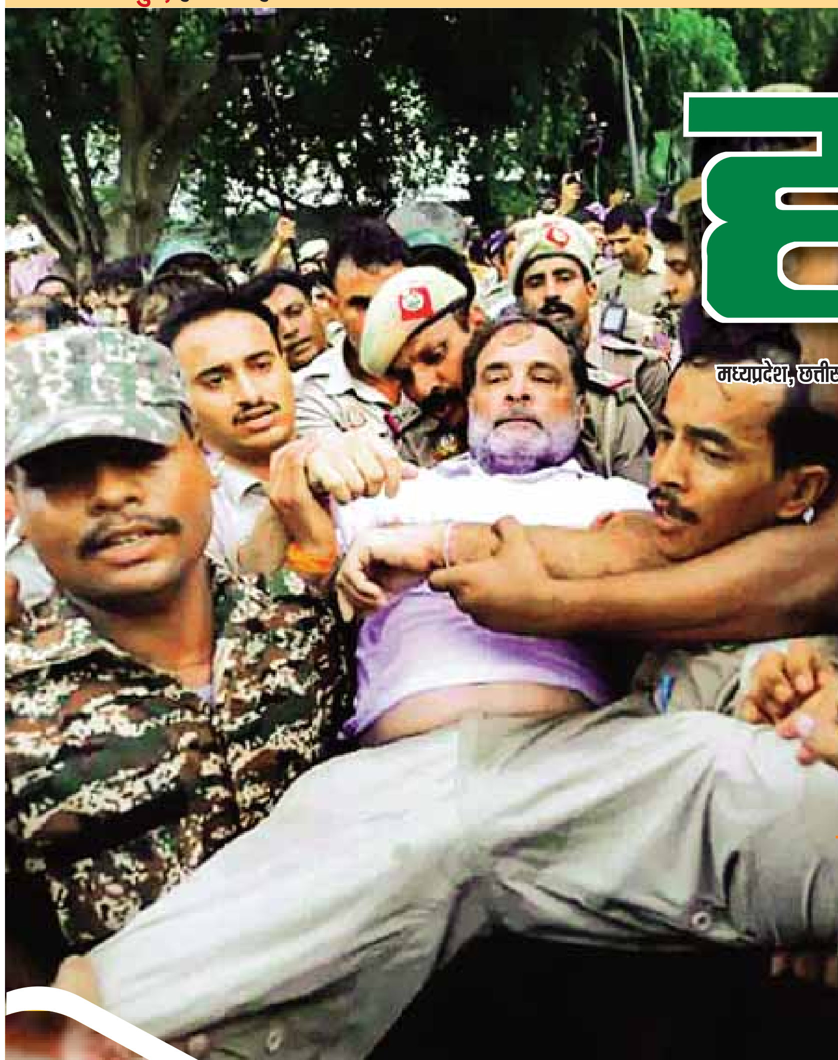

पीएम आवास के सामने से राहुल गांधी को इस तरह हिरासत में लिया गया

एनडीए की बैठक में जाते पीएम मोदी

छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई और नीट से जुड़े मुद्दों पर राजनीति गर्म

पीएम आवास के सामने कांग्रेस का हाई-वोल्टेज ड्रामा, पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच करीब आधे घंटे तक धक्का-मुक्की कांग्रेस ने ऐलान कर दिया था कि रात भर चलेगा धरना

धरने पर बैठे विपक्षी नेता, प्रदर्शन में शामिल राहुल-प्रियंका, अखिलेश हिरासत में लिए गए

- सरकार ने कहा मांग मान ली गई थी, फिर भी बात से मुकरे राहुल गांधी
- सरकार की ओर से राहुल से दो बार बातचीत की गई पर सहमति नहीं बनी

पीएम आवास के सामने कांग्रेस नेता धरने पर बैठे हुए

प्रधानमंत्री आवास के पास मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे शुरू हुआ कांग्रेस का धरना शाम साढ़े छह बजे पुलिस कार्रवाई के बाद समाप्त हो गया

- राहुल ने कहा कि पीएम युवाओं से माफी मांगें, भरोसा दें कि ऐसा फिर नहीं होगा
- देश का युवा सिर्फ प्रतियोगी परीक्षा ही नहीं, अपने भविष्य को लेकर सड़क पर है
- पीएम, गृहमंत्री व शिक्षा मंत्री को युवाओं पर बर्बरता के लिए इस्तीफा देना चाहिए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

छात्रों पर हुई पुलिस कार्रवाई और नीट से जुड़े मुद्दों को लेकर मंगलवार को राजधानी दिल्ली में भारी सियासी ड्रामा देखने को मिला। प्रधानमंत्री आवास के पास मंगलवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे शुरू हुआ कांग्रेस का धरना शाम साढ़े छह बजे पुलिस कार्रवाई के बाद समाप्त हो गया। दिल्ली पुलिस ने नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, सांसद प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव समेत कई नेताओं को हिरासत में ले लिया। करीब तीन घंटे तक चले धरने के दौरान केंद्र सरकार की ओर से राहुल गांधी से दो बार बातचीत की गई लेकिन कोई सहमति नहीं बन सकी। इसके बाद बड़ी संख्या में पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवान मौके पर पहुंचे। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी के चारों ओर घेरा बना लिया और पुलिस को उनके पास पहुंचने से रोकने की कोशिश की। इस दौरान पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच करीब आधे घंटे तक धक्का-मुक्की होती रही। बाद में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए राहुल गांधी को धरनास्थल से हटाया और बस में बैठाकर हिरासत में ले लिया। राहुल गांधी को हटाए जाने के समय अखिलेश यादव भी उनके साथ मौजूद थे। वहीं, प्रियंका गांधी को भी हिरासत में लेकर पुलिस वाहन से ले जाया गया। वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने हिरासत में लिए जाने के दौरान सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि सरकार डरी हुई है। इससे पहले कांग्रेस ने ऐलान कर दिया था कि धरना रात भर चलेगा। इसके बाद पुलिस सक्रिय हो गई। उधर, दिल्ली पुलिस ने 20 जुलाई के घटनाक्रम को लेकर चार एफआईआर दर्ज की हैं।

राहुल की नाक में चोट के बाद खून बहता हुआ

प्रियंका को महिला पुलिसकर्मी ले जाते हुए

जितेंद्र सिंह बोले- सरकार संसद में चर्चा को राजी फिर ये तमाशा क्यों?

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने बताया कि सरकार की ओर से वे और गृह सचिव गोविंद मोहन नेताओं से बात करने पहुंचे थे। जब सरकार ने संसद में चर्चा कराने की मांग मान ली, तो राहुल गांधी ने शिक्षा मंत्री के इस्तीफे की नई शर्त जोड़ दी और अपनी बात से मुकर गए। उधर, आम आदमी पार्टी ने इस प्रदर्शन को लेकर राहुल गांधी की मंशा पर सवाल खड़े किए हैं। आप सांसद संजय सिंह और विधायक आतिशी ने आरोप लगाया कि जंतर-मंतर पर सोनम वांगचुक और युवाओं के चल रहे वास्तविक आंदोलन को कमजोर करने के लिए यह सब किया जा रहा है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि विपक्ष की स्पष्ट मांग है कि गृह मंत्री संसद में इस पूरे मामले पर बयान दें और विस्तृत चर्चा कराई जाए।

जंतर-मंतर पर सीजेपी का प्रदर्शन जारी

मेदांता शिफ्ट किए गए सोनम वांगचुक शरद पवार सुप्रिया सुले और संजय राउत पहुंचे जंतर मंतर

दीपके बोले- सरकार जंतर-मंतर पर आए

इधर, राजधानी दिल्ली के जंतर-मंतर पर कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) का प्रदर्शन लगातार जारी है। पार्टी के संस्थापक अभिजीत दीपके ने सरकार से वार्ता के संदर्भ में कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि अब उनका प्रतिनिधिमंडल सरकार से बात करने नहीं जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि वार्ता के नाम पर उनके प्रतिनिधियों को बुलाकर जेपी नड्डा के आवास पर नजरबंद किया गया और उनके मोबाइल जब्त कर समय बर्बाद किया गया।

नीट पेपर लीक पर पीएम मोदी बोले

यह राष्ट्रीय जिम्मेदारी दोषियों को मिलेगी इसकी सख्त सजा

- कहा- परीक्षा प्रणाली को त्रुटि रहित और सुरक्षित बनाना प्राथमिकता

संसद भवन के जीएमसी बालयोगी ऑडिटोरियम में मंगलवार को आयोजित राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) संसदीय दल की मंगल मिलन बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पेपर लीक के मुद्दे पर सरकार का कड़ा और स्पष्ट रुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि देश में निष्पक्ष परीक्षा प्रणाली सुनिश्चित करना और पेपर लीक रोकना एक राष्ट्रीय जिम्मेदारी है। प्रधानमंत्री ने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने वाले किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा और उन्हें कड़ी से कड़ी सजा दिलाई जाएगी। उन्होंने भरोसा दिलाया कि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए परीक्षा प्रणाली को तकनीक और पारदर्शिता के माध्यम से पूरी तरह सुरक्षित और त्रुटि रहित बनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने सभी राजनीतिक दलों से आह्वान किया कि युवाओं के भविष्य से जुड़े इस संवेदनशील विषय पर राजनीति करने के बजाए सभी को एकजुट होकर समाधान की दिशा में काम करना चाहिए।

inh छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

बिना शिक्षकों के चल रहे 1,900 स्कूल, मांगा जवाब

भोपाल। मप्र हाईकोर्ट ने राज्य में बिना किसी शिक्षक के चल रहे लगभग 1,900 सरकारी स्कूलों के गंभीर मामले में राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश विवेक रूसिया की खंडपीठ ने सरकार को अपना जवाब पेश करने के लिए चार सप्ताह का समय दिया है। यह याचिका वकील सौरभ त्रिपाठी द्वारा दायर की गई है।

झूठी एफआईआर दर्ज करानी पड़ी भारी, खारिज

टीकमगढ़। यहां एसडीओपी कार्यालय में पदस्थ प्रधान आरक्षक जितेंद्र कुमार हेडले ने फोन पर हुई बातचीत के आधार पर एक व्यक्ति के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज कराया था। टीकमगढ़ की विशेष अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए इस एफआईआर को पूरी तरह फर्जी माना और सिरे से खारिज कर दिया।

पूर्व जज गिरिबाला सिंह की जमानत पर सुनवाई टली

भोपाल। चर्चित ट्विशा शर्मा संदिग्ध मौत मामले में केंद्रीय जेल में बंद सेवानिवृत्त जिला न्यायाधीश गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई टल गई। मजिस्ट्रेट के अवकाश पर होने के कारण मामला स्थगित कर दिया गया। गिरिबाला ने अपनी जमानत याचिका में 100 वर्षीय मां की देखभाल और घर में हुई चोरी का हवाला दिया है।

प्रदेश का पहला मामला! जबकि, संविधान के अनुच्छेद 361(1) के तहत राज्यपाल न्यायालय को जवाबदेह नहीं होते

ये तो गजब हो गया..अवमानना याचिका पर राज्यपाल को भी हाईकोर्ट का नोटिस

यह मामला अब पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है। विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े किसी विवाद में पहली बार कुलाधिपति को नोटिस जारी हुआ है

हरिभूमि न्यूज ▶▶ जबलपुर/भोपाल

मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से जुड़े अवमानना मामले में राज्यपाल और विश्वविद्यालय के कुलाधिपति मंगुभाई पटेल समेत तीन अधिकारियों को नोटिस जारी किया है। जस्टिस विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने सभी संबंधित पक्षों को नोटिस जारी करने का आदेश दिया। मामला सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. आरबी दुबे के वेतन और सेवा विवाद से जुड़ा है। उनके साथ कुलसचिव डॉ. रविशंकर सोनवाल और उप कुलसचिव स्थापना पवन साहू को भी जवाब देने के निर्देश मिले हैं। यह मामला अब पूरे प्रदेश में चर्चा का विषय बन गया है।

विश्वविद्यालय प्रशासन से जुड़े किसी विवाद में पहली बार कुलाधिपति को नोटिस जारी हुआ है।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय से जुड़ा यह मामला

लोकभवन इस मामले का अध्ययन कर रहा है

दुर्गावती विश्वविद्यालय से ब्यौरा मांगा गया है

राज्यपाल की शक्तियों पर क्या कहता है संविधान?

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 361(1) के तहत राज्य का राज्यपाल अपने कार्यकाल के दौरान किए गए किसी भी कार्य या निर्णय के लिए किसी भी न्यायालय (हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट) को जवाबदेह नहीं होता है। इसलिए, अदालतें आमतौर पर राज्यपाल के आधिकारिक कृत्यों के लिए उन्हें व्यक्तिगत रूप से नोटिस जारी नहीं कर सकती हैं। हालांकि, इस नियम में कुछ विशेष और सीमित स्थितियां शामिल हैं। यदि राज्यपाल पर पद संभालने से पहले या उनके व्यक्तिगत कृत्यों से जुड़ा कोई मामला है, तो उन्हें नोटिस जारी किया जा सकता है। यदि राज्यपाल कार्यालय (अब लोकभवन) द्वारा लिए गए किसी प्रशासनिक या असंवैधानिक निर्णय को चुनौती दी जाती है।

अदालत ने नोटिस क्यों जारी किया

यह मामला अवमानना याचिका क्रमांक 3247 वर्ष 2026 से जुड़ा है। याचिका डॉ. आरबी दुबे ने दायर की है। उनका कहना है कि हाईकोर्ट के पुराने आदेश का पालन नहीं हुआ। डॉ. आरबी दुबे की नियुक्ति 10 मई 2000 को रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में रीडर पद पर हुई थी। बाद में उन्होंने अपना इस्तीफा दिया। उन्होंने अनुरोध किया कि इस्तीफा 29 जुलाई 2006 से प्रभावी माना जाए। इसी समय से पूरा विवाद शुरू हुआ। रिकॉर्ड के अनुसार डॉ. दुबे ने प्रभावी तारीख से पहले अपना इस्तीफा वापस ले लिया था। उन्होंने 14 जुलाई 2006 को लिखित आवेदन दिया। इसके बावजूद विश्वविद्यालय ने 13 जुलाई 2006 का आदेश जारी किया। उस आदेश में इस्तीफा स्वीकार करने की बात कही गई। इसी फैसले को बाद में अदालत में चुनौती दी गई।

राज्यपाल सचिवालय बोला- कोई मिस अंडरस्टैंडिंग हुई है

मप्र हाईकोर्ट ने राज्यपाल को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। हालांकि संवैधानिक पद होने की वजह से हाईकोर्ट सीधे राज्यपाल को नोटिस जारी नहीं कर सकता। इसे लेकर राज्यपाल सचिवालय जल्दी ही हाईकोर्ट को पत्र लिखकर इससे अवगत कराएगा। राज्यपाल सचिवालय ने कहा कि हाईकोर्ट को इस मामले में कोई मिस अंडरस्टैंडिंग हुई है। इसके लिए संबंधित विश्वविद्यालय का वाइस चांसलर सीधे जवाबदेह होता है। इधर, विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से राज्यपाल का नाम अवमानना याचिका से हटाने का आवेदन प्रस्तुत किया गया है।

इंदौर लोकायुक्त का बड़ा एक्शन

बिजली कंपनी के अधीक्षण यंत्री की 258% काली कमाई

लोकायुक्त की टीम जांच करती हुई, बीच में सेमिल और आभूषण

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

- बेटे, बहू, दामाद और समधी के नाम मिलीं करोड़ों की फैक्ट्रियां
- 33 साल की नौकरी में कमाए 2 करोड़, मिली 7.16 करोड़ की अनुपातहीन संपत्ति

पश्चिम क्षेत्र बिजली वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री शिवराम सेमिल के खिलाफ लोकायुक्त पुलिस ने शिकंजा कस दिया है। इंदौर के निधि वन कॉलोनी स्थित उनके आवास सहित कई ठिकानों पर की गई छापेमारी में आय से 258 प्रतिशत अधिक (लगभग 7.16 करोड़ रुपए) की बेनामी अचल संपत्ति, फैक्ट्रियां और निवेश का खुलासा हुआ है। लोकायुक्त के अनुसार, सेमिल को 33 वर्षों की शासकीय सेवा के दौरान कुल 2 करोड़ रुपए का वेतन मिला। लेकिन जांच में उनके और उनके रिश्तेदारों के नाम पर 6.50 करोड़ रुपए से अधिक के निवेश और संपत्तियां पाई गईं। जीवन-यापन खर्चों को मिलाकर कुल आंकड़ा 7.16 करोड़ रुपए तक पहुंचता है।

रिश्तेदारों के नाम पर खुला फैक्ट्रियों का जाल

जांच में सामने आया कि सेमिल ने अपने पद का दुरुपयोग कर पूरे परिवार और रिश्तेदारों के नाम पर औद्योगिक साम्राज्य खड़ा कर रखा था। पीथमपुर में बेटे शुभम के नाम 1.25 करोड़ की शुभम इलेक्ट्रिकल (ट्रांसफार्मर फैक्ट्री) और बहू के नाम कर्निश पावरजोन फर्म के तहत दो औद्योगिक भूखंड (लागत 1 करोड़) मिले। वहीं धार (उज्जैनी औद्योगिक क्षेत्र) में दामाद और बेटे के नाम एसएस इलेक्ट्रिकल्स (लागत 1.50 करोड़), कृष्णा पावर और समधी के नाम ए वन इलेक्ट्रिकल जैसी ट्रांसफार्मर निर्माण फैक्ट्रियां संचालित पाई गईं।

भाजपा के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा से **'हरिभूमि व आईएनएच'** के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत

उनसे सवाल था- आप कांग्रेस की सफाई करते रहे भाजपा में आपको किसने साफ कर दिया?

उनका जवाब- मैं 30 साल विधायक और 15 साल मंत्री रहा और कितना देगी पार्टी? ख्वाहिशें तो कभी समाप्त नहीं होती

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

दतिया उपचुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री नरोत्तम मिश्रा का कहना है कि मेरा मानना है कि पार्टी बहुत दूर की सोचती है। जब पार्टी दूर की सोचती है तो दूर का देखती भी है। मुझे लगता है मुझसे अच्छे विकल्प की तलाश हुई और मुझे 30 साल हो गए थे पार्टी में विधायक रहते हुए। 15 साल मंत्री रहा। और कितना देगी पार्टी। ये विचार स्वयं मेरे मन में आता है। जितना देना था उससे ज्यादा दिया है पार्टी ने। ऐसा मेरा स्वयं का मानना है। कितना मांगोगे आप। ख्वाहिशें तो कभी समाप्त होती नहीं हैं। इसलिए मैं मानता हूं पार्टी ने ठीक किया होगा। नरोत्तम मिश्रा से 'हरिभूमि व आईएनएच' के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की खास बातचीत।

यह भी बोले नरोत्तम मिश्रा

- पिछले चुनाव में कांग्रेस नहीं जीती, मैं हारा
- जख्मी कार्यकर्ता को देखकर भावुक हुआ
- दतिया में उद्योगों के लिए काफी संभावनाएं
- दतिया में औद्योगिक क्रांति होनी चाहिए

उनसे सीधी बातचीत

- **प्रश्न: ऐसा क्या हुआ कि दतिया की सड़कों पर 8-8 किमी तक नरोत्तम मिश्रा का दम देखने को मिला? उत्तर:** कोई दमखम नहीं था। मैं तो था भी नहीं। कार्यकर्ता थोड़ा आवेश में आए थे। अपनापन दिखाने का रास्ता कार्यकर्ताओं ने अलग चुना। बातचीत जब हुई तो सब शांत हो गए थे, मान भी गए थे। भाजपा के कार्यकर्ता की विशेषता है कि जल्दी समरस हो जाता है।
- **प्रश्न: ऐसी नौबत क्यों आई? उत्तर:** मैं समझ नहीं पाया पर मैंने समझने की कोशिश भी नहीं की। चुनाव के बाद जब केंद्रीय और राज्य के नेतृत्व से बात होगी तब मैं आपको बता पाऊंगा।
- **प्रश्न: आप कांग्रेस की सफाई करते रहे, भाजपा में आपको किसने साफ कर दिया? उत्तर:** यही तो शोध और सोच का विषय है। और यही पर तो चर्चा करनी है। कोई बात नहीं है। मेरा मानना है कि पार्टी बहुत दूर की सोचती है। जब पार्टी दूर की सोचती है तो दूर का देखती भी है। मुझे लगता है मुझसे अच्छे विकल्प की तलाश हुई और मुझे 30 साल हो गए थे पार्टी में विधायक रहते हुए। 15 साल मंत्री रहा। और कितना देगी पार्टी। ये विचार स्वयं मेरे मन में आता है। जितना देना था उससे ज्यादा दिया है पार्टी ने। ऐसा मेरा स्वयं का मानना है। कितना मांगोगे आप। ख्वाहिशें तो कभी समाप्त होती नहीं हैं। इसलिए मैं मानता हूं पार्टी ने ठीक किया होगा।
- **प्रश्न: पार्टी को आपसे बेहतर विकल्प की तलाश किसलिए? उत्तर:** चुनाव हारने के बाद पार्टी ने मुझे ई चुनाव टोली का संयोजक बनाया। महाराष्ट्र, दिल्ली और बिहार चुनाव में भेजा। पार्टी तो लगातार काम दे ही रही है। बाकी इससे ज्यादा कोई इच्छा अब है भी नहीं।
- **प्रश्न: दतिया में ढाई साल पहले आप क्यों चुनाव हारे? उत्तर:** मैं अतिविश्वास में था इसका मुझे नुकसान हुआ। कांग्रेस के भ्रम का शिकार भाजपा और दतिया की जनता हो गई। ये भ्रम दतिया में जोर-शोर से चला कि कांग्रेस की सरकार आने वाली है। उसका भी नुकसान हुआ। ऐसे दो तीन कारण रहे जिसके कारण मैं चुनाव हार गया।

तेजा इंजीनियरिंग को मिले 18.19 करोड़ रु. के ऑर्डर

गुजरात । ऊर्जा अवसंरचना क्षेत्र में इंजीनियरिंग सेवाएं देने वाली तेजी से उभरती कंपनी तेजा इंजीनियरिंग इंडस्ट्रीज लिमिटेड ने एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को ऑयल एंड नेचुरल गैस कॉर्पोरेशन लिमिटेड से कुल 181.92 मिलियन (लगभग 18.19 करोड़ रुपए) मूल्य के कई ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस अनुबंध प्राप्त हुए हैं।इन नए ऑर्डरों के साथ तेजा इंजीनियरिंग की पहचान भारत के ऊर्जा अवसंरचना क्षेत्र में एक भरोसेमंद और पसंदीदा इंजीनियरिंग एवं मेंटेनेंस पार्टनर के रूप में और मजबूत हुई है।

अद्वित ज्वेल्स की आय में 33.68 फीसदी की वृद्धि

जयपुर । हस्तनिर्मित आभूषण निर्माता कंपनी अद्वित ज्वेल्स लिमिटेड ने वित्त वर्ष 2025-26 और चौथी तिमाही के ऑडिटेड वित्तीय नतीजों का ऐलान किया है। कंपनी ने पूरे वित्त वर्ष में आय, एबिटडा और शुद्ध लाभ में मजबूत वृद्धि दर्ज करते हुए शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी की कुल आय 33.68 प्रतिशत बढ़कर 16,702.56 लाख रुपए हो गई, जबकि एबिटडा 32.52 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 4,923.80 लाख रहा। कंपनी का एबिटडा मार्जिन 29.48 प्रतिशत दर्ज किया गया।

ऊर्जा आत्मनिर्भरता का लक्ष्य, एथेनॉल आधारित कुकिंग फ्यूल

पेट्रोल के बाद रसोई में एथेनॉल फ्यूल की तैयारी, अब सरकार बना रही नई नीति

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल मिश्रण (ई20) लागू करने के बाद अब केंद्र सरकार घरेलू रसोई में भी एथेनॉल को वैकल्पिक ईंधन के रूप में शामिल करने की दिशा में आगे बढ़ रही है। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ऐसी नीति तैयार करने पर काम कर रहा है, जिसके तहत भविष्य में एलपीजी के साथ-साथ एथेनॉलआधारित कुकिंग फ्यूल भी उपभोक्ताओं को उपलब्ध कराया जा सके। सरकार का उद्देश्य देश की आयातित एलपीजी पर निर्भरता को कम करना, ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत बनाना और पर्यावरण के अनुकूल स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देना है। इसके साथ ही कृषि क्षेत्र को भी इसका लाभ मिलने की उम्मीद है, क्योंकि एथेनॉल का उत्पादन गन्ना, मक्का और अन्य फसलों से किया जाता है।

फाइल फोटो

स्वच्छ ईंधन के तौर पर बढ़ेगा एथेनॉल का उपयोग

विशेषज्ञों के अनुसार, एथेनॉल एक जैव ईंधन है, जिसके इस्तेमाल से कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिल सकती है। यदि इसे रसोई ईंधन के विकल्प के रूप में सफलतापूर्वक अपनाया जाता है, तो लंबे समय में भारत के ईंधन आयात खर्च को कम करने और घरेलू ऊर्जा व्यवस्था को अधिक आत्मनिर्भर बनाने में मदद मिल सकती है। सरकार की यह पहल अभी शुरुआती स्तर पर है। एथेनॉल आधारित स्टोव, ईंधन की आपूर्ति व्यवस्था, सुरक्षा मानक और उपभोक्ताओं तक इसकी पहुंच जैसे महत्वपूर्ण पहलुओं पर काम किया जा रहा है। नीति लागू करने से पहले तकनीकी परीक्षण, सुरक्षा मूल्यांकन और व्यापक स्तर पर अध्ययन किए जाएंगे, ताकि उपभोक्ताओं के लिए यह ईंधन सुरक्षित और प्रभावी साबित हो सके। इस बीच सरकार ने संसद में स्पष्ट किया है कि फिलहाल पेट्रोल में एथेनॉल मिश्रण को 20 प्रतिशत (ई20) से अधिक बढ़ाने का कोई निर्णय नहीं लिया गया है।

किसानों और बायोफ्यूल मिशन को मिलेगा बढ़ावा

सरकार का मानना है कि रसोई ईंधन के रूप में एथेनॉल के इस्तेमाल से घरेलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, किसानों के लिए नए बाजार तैयार होंगे और भारत के बायोफ्यूल मिशन को नई गति मिलेगी। एथेनॉल आधारित कुकिंग फ्यूल की पहल भारत को स्वच्छ ऊर्जा और आत्मनिर्भर ईंधन व्यवस्था की दिशा में आगे बढ़ाने वाला एक महत्वपूर्ण कदम माना जा

हार्टफुलनेस संस्थान और यूपीबीटीवीपी के बीच हुआ समझौता

हैदराबाद। मथुरा-वृंदावन की पारिस्थितिकी, जैव विविधता और सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए हार्टफुलनेस संस्थान और उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद ने एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं। मथुरा में हुए इस समझौते का उद्देश्य ब्रज क्षेत्र में पर्यावरण संरक्षण, पारिस्थितिक बहाली, जैव विविधता संवर्द्धन, योग-ध्यान और सामुदायिक विकास से जुड़े कार्यक्रमों को मिलकर आगे बढ़ाना है। समझौते के अनुसार, दोनों संगठन ब्रज की प्राकृतिक और सांस्कृतिक धरोहर को संरक्षित करने, पारिस्थितिकी तंत्र को मजबूत बनाने तथा जैव विविधता को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त रूप से कार्य करेंगे। इस अवसर पर हार्टफुलनेस के वैश्विक मार्गदर्शक एवं श्री राम चंद्र मिशन के अध्यक्ष दाजी ने कहा कि ब्रज हमेशा से ऐसा पवित्र स्थान रहा है जहां प्रकृति और चेतना का अद्भुत सामंजस्य देखने को मिलता है।

मप्र में जेनरजाइज ने बढ़ाया कारोबार

वर्ष 2027 तक 5 हजार से अधिक ग्राहकों तक पहुंचने का बड़ा लक्ष्य

वाणिज्य डेस्क ▶▶ भोपाल

पावर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनी जेनरजाइज ने मध्य प्रदेश में अपने परिचालन के विस्तार की घोषणा की है। कंपनी ने राज्य में अपनी विकास यात्रा की शुरुआत भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर से की है। इस विस्तार के साथ जेनरजाइज ने मध्य भारत में अपनी मौजूदगी को मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ाया है।

कंपनी का फोकस राज्य में तेजी से बढ़ रही रूफटॉप सोलर और स्वच्छ ऊर्जा समाधानों की मांग को पूरा करना है। मध्य प्रदेश नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में तेजी से उभरता हुआ राज्य बन रहा है, जहां आवासीय और व्यावसायिक उपभोक्ताओं के बीच सोलर ऊर्जा अपनाने की रुचि लगातार बढ़ रही है। कंपनी ने वर्ष 2027 के अंत तक मध्य प्रदेश में 5,000 से अधिक ग्राहकों तक पहुंचने का लक्ष्य रखा है। इस योजना के तहत देशभर में आवासीय सोलर सिस्टम को बढ़ावा मिला है और मई 2026 तक 40 लाख से अधिक घरों में सोलर सिस्टम लगाए जा चुके हैं। जेनरजाइज़ के अनुसार, भोपाल, इंदौर, जबलपुर और ग्वालियर जैसे शहरों में रूफटॉप सोलर के लिए अभी भी बड़ी संभावनाएं मौजूद हैं।

सिल्वर स्टॉर्म पार्क्स का आईपीओ 24 को खुलेगा

मुंबई। एकीकृत मनोरंजन (इंटीग्रेटेड अम्यूज़मेंट) डेस्टिनेशन सिल्वरस्टॉर्म पार्क्स एंड रिसॉर्ट्स लिमिटेड ने 24 जुलाई, 2026 को अपना आईपीओ खोलने का प्रस्ताव किया है। कंपनी का लक्ष्य 82.43 करोड़ रु. जुटाने का है। कंपनी के शेयर बीएसई एसएमई पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इस इश्यू में 10 रु. अंकित मूल्य वाले 61,98,000 नए इक्विटी शेयर जारी किए जाएंगे। आईपीओ का प्राइस बैंड 123 से 133 रु. प्रति शेयर निर्धारित किया गया है। एंकर निवेशकों के लिए बोली गुरुवार, 23 जुलाई, 2026 को खुलेगी। यह इश्यू मंगलवार, 28 जुलाई, 2026 को बंद होगा।

डायबिटीज और किडनी: जानिए इस 'साइलेंट' खतरे से कैसे बचें

छिंदवाड़ा। भारत आज दुनिया की 'डायबिटीज की राजधानी' बनता जा रहा है। आंकड़ों के अनुसार, करोड़ो भारतीय इस बीमारी के साथ जी रहे हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं की डायबिटीज का सबसे बुरा असर हमारी किडनी पर पड़ता है। हर तीन में से एक डायबिटीज मरीज को किडनी की बीमारी होने का खतरा होता है। सबसे बड़ी चुनौती यह है की किडनी की बीमारी की शुरुआत में कोई दर्द या संकेत नहीं देती—यह एक 'खामोश' खतरा है। ऐसा डॉ.पंकज जावंधीया-वरिष्ठ सलाहकार–नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग विशेषज्ञ),मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल,नागपुर ने बताया ।लेकिन चिंता की बात केवल बढ़ती डायबिटीज नहीं है। असली खतरा उन गंभीर जटिलताओं का है, जो धीरे-धीरे शरीर के महत्वपूर्ण अंगों को नुकसान पहुंचाती हैं। इनमें सबसे अधिक प्रभावित होने वाला अंग है— किडनी। डॉ.पंकज जावंधीया-वरिष्ठ सलाहकार–नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग विशेषज्ञ),मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर ने आगे बताया कि, बहुत से लोग यह नहीं जानते कि लंबे समय तक अनियंत्रित शुगर हमारी किडनी की महीन रक्त वाहिकाओं को नुकसान पहुंचाती है। यही कारण है कि डायबिटीज मरीज को भविष्य में किडनी रोग होने का खतरा रहता है। समस्या यह है कि किडनी की बीमारी शुरुआती चरण में अक्सर कोई स्पष्ट लक्षण नहीं देती। न दर्द होता है, न कमजोरी का कोई खास संकेत दिखाई देता है। इसलिए इसे एक "खामोश खतरा" कहा जाता है।

डॉ. पंकज जावंधीया - वरिष्ठ सलाहकार – नेफ्रोलॉजी (किडनी रोग विशेषज्ञ), मैक्स सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल, नागपुर

डायबिटीज किडनी को कैसे नुकसान पहुंचाती है?

हमारी किडनी शरीर का प्राकृतिक फिल्टर है। यह खून को साफ करती है, शरीर से अतिरिक्त पानी और विषैले तत्व बाहर निकालती है तथा शरीर में नमक और मिनरल्स का संतुलन बनाए रखती है।जब लंबे समय तक ब्लड शुगर बढ़ी रहती है, तो किडनी की फिल्टर करने वाली छोटी-छोटी नसें प्रभावित होने लगती हैं। धीरे-धीरे किडनी की कार्यक्षमता कम होने लगती है। यदि समय पर ध्यान न दिया जाए, तो स्थिति इतनी गंभीर हो सकती है कि मरीज को डायलिसिस या किडनी ट्रांसप्लांट की आवश्यकता पड़ सकती है।डायबिटीज के कारण होने वाली किडनी बीमारी को डायबिटिक नेफ्रोपैथी कहा जाता है। यह बीमारी धीरे-धीरे बढ़ती है और कई वर्षों तक बिना लक्षण के रह सकती है।किडनी को बचाने के 5 अचूक उपाय : शुगर और बीपी का नियंत्रण - अपनी **HbA1c** को 7% से नीचे रखें और ब्लड प्रेशर को 130/80 के करीब बनाये रखें। हाई बीपी किडनी की नसों को नुकसान पहुंचाता हैआहार में बदलाव : नमक का सेवन कम करें (दिन भर में 1 चम्मच से कम)। सफेद चावल और मैदा की जगह मोटा अनाज (मिल्लेट्स) शामिल करें।पेनकलसर्स से तौबा : बिना डॉक्टर की सलाह के ददर्द नवारक दवाएं (जैसे आईबुप्रोफेन) न लें, ये किडनी के लिए जहरीली हो सकती हैं।नियमित व्यायाम और पानी: रोज 30 मिनट चले और शरीर को हाइड्रेटेड रखें। यह टॉक्सन्स को बाहर निकलने में मदद करता है। सालाना जांच: साल में एक बार '**Urine ACR**' और '**eGFR**' टेस्ट जरूर करवाएं। यह टेस्ट बीमारी को शुरुआती दौर में पकड़ लेते हैं।हालांकि शुरुआती चरण में बीमारी अक्सर बिना लक्षण की होती है, फिर भी कुछ संकेतों पर ध्यान देना जरूरी है , पैरों या चेहरे पर सूजन, बार-बार पेशाब आना, विशेषकर रात में , कमजोरी और थकान , भूख कम लगना , सांस फूलना , पेशाब में झाग आना , ब्लड प्रेशर का लगातार बढ़ना . यदि इनमें से कोई भी समस्या दिखाई दे, तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।किडनी की सुरक्षा का सबसे बड़ा मंत्र है— 'इंतजार न करें, जांच करवाएं'। यदि हम समय पर जागरूक हो जाएं, तो दवाओं और सही जीवनशैली से हम डायलसस की नौबित आने से खुद को बचा सकते हैं। अपनी किडनी का सम्मान करें, वे आपके जीवन का आधार हैं।

यूटीआई मिड कैप फंड: बाजार के सबसे बेहतर विकास अवसरों का लाभ उठाने का माध्यम

मुंबई: जैविक जीवन चक्र के विपरीत, कंपनियों का विकास एक समान गति से नहीं होता। वे भी अपने कारोबार के दौरान तेज़ वृद्धि और परिपक्वता (सैचुरेशन) के विभिन्न चरणों से गुजरती हैं। मिड कैप कंपनियां आमतौर पर कारोबार के उस महत्वपूर्ण चरण का प्रतिनिधित्व करती हैं, जहां वे शुरुआती चुनौतियों—जैसे शुरुआती पूंजी जुटाना और प्रारंभिक विकास की बाधाओं—को सफलतापूर्वक पार कर चुकी होती हैं।साथ ही, इनमें आगे भी तेज़ी से बढ़ने की पर्याप्त क्षमता बनी रहती है। इन कंपनियों के पास मजबूत प्रतिस्पर्धात्मक बढ़त होती है, लेकिन वे इतनी बड़ी भी नहीं होतीं कि उनकी विकास दर धीमी पड़ जाए। इसलिए मिड कैप कंपनियां तेजी से बढ़ती स्मॉल कैप कंपनियों और स्थिर लार्ज कैप कंपनियों के बीच एक आकर्षक संतुलन प्रदान करती हैं।मिड कैप शेयर वे होते हैं, जिनका बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैपिटलाइजेशन) लार्ज कैप और स्मॉल कैप कंपनियों के बीच आता है। सेबी की परिभाषा के अनुसार, पूर्ण बाजार पूंजीकरण के आधार पर 101वें से 250वें स्थान तक की कंपनियां मिड कैप श्रेणी में आती हैं। मिड कैप फंड एक ऐसा म्यूचुअल फंड है, जिसमें कुल निवेश का कम-से-कम 65 प्रतिशत हिस्सा मिड कैप कंपनियों के इक्विटी और इक्विटी से जुड़े साधनों में लगाया जाता है।मिड कैप कंपनियों में निवेश करने वाले फंड निवेशकों को मध्यम आकार की कंपनियों की विकास यात्रा का हिस्सा बनने का अवसर देते हैं। हालांकि, निवेशकों को यह भी समझना चाहिए कि मिड कैप फंडों में जोखिम और रिटर्न—दोनों की संभावना सामान्य विविधीकृत ग्रोथ फंडों की तुलना में अधिक होती है। इसलिए इनमें निवेश करते समय लंबी अवधि का दृष्टिकोण और जोखिम सहने की क्षमता आवश्यक है।यूटीआई मिड कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी योजना है, जो मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों में निवेश करती है। फंड का उद्देश्य ऐसी कंपनियों में निवेश करना है जिनका बिजनेस मॉडल विस्तार योग्य हो और जिनके सामने लंबे समय तक विकास की संभावनाएं मौजूद हों। इसके अलावा, फंड उन अच्छी कंपनियों में भी निवेश करने के लिए तैयार रहता है, जिनका कारोबार अस्थायी कमजोरी के दौर से गुजर रहा हो या जो बदलाव की प्रक्रिया में हों।फंड पूरी तरह बॉटम-अप निवेश रणनीति अपनाता है। इसके तहत मजबूत वित्तीय स्थिति वाली, स्वस्थ लाभ मार्जिन बनाए रखने की क्षमता रखने वाली और भविष्य में बेहतर प्रदर्शन की संभावना वाली कंपनियों का चयन किया जाता है।फंड का पोर्टफोलियो भी अच्छी तरह विविधीकृत है, जिसमें लगभग 91 कंपनियों के शेयर शामिल हैं। ये विभिन्न उद्योगों और क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं। यूटीआई मिड कैप फंड की शुरुआत 7 अप्रैल 2004 को हुई थी। 30 जून 2026 तक इस फंड का कुल प्रबंधनाधीन कोष 12,122 करोड़ रुपये से अधिक था। यह फंड अपनी निवेश श्रेणी के अनुरूप पोर्टफोलियो बनाए रखता है और सामान्यतः कुल निवेश का 85 से 90 प्रतिशत हिस्सा मिड कैप और स्मॉल कैप कंपनियों में रखता है।

30 जून 2026 तक फंड का निवेश वितरण इस प्रकार था— लगभग 68% मिड कैप कंपनियों में, लगभग 22% स्मॉल कैप कंपनियों में और शेष निवेश लार्ज कैप कंपनियों में। फंड की प्रमुख होल्डिंग्स में शामिल हैं— पीबी फिनटेक लिमिटेड, सुजलॉन एनर्जी लिमिटेड, पॉलीकैब इंडिया लिमिटेड, फेडरल बैंक लिमिटेड, कोफोर्ज लिमिटेड, ट्यूब इन्वेस्टमेंट्स ऑफ इंडिया लिमिटेड, अजंता फार्मा लिमिटेड, फीनिक्स मिल्स लिमिटेड, बीएसई लिमिटेड और ऑरोबिंदो फार्मा लिमिटेड। इन शीर्ष 10 निवेशों का फंड के कुल पोर्टफोलियो में लगभग 22 प्रतिशत हिस्सा है। फंड का उद्देश्य विविधीकृत निवेश के माध्यम से जोखिम और संभावित रिटर्न के बीच संतुलन बनाए रखना है।

इसके लिए फंड प्रबंधन टीम धैर्यपूर्ण निवेश दृष्टिकोण अपनाती है और ऐसी कंपनियों का चयन करती है, जिनका नियोजित पूंजी पर प्रतिफल मजबूत हो तथा जिनकी नकदी प्रवाह की स्थिति अच्छी हो। यह रणनीति पोर्टफोलियो में अत्यधिक उतार-चढ़ाव और रिटर्न में बड़े अंतर की संभावना को कम करने में मदद कर सकती है। शोध (रिसर्च) और फंड प्रबंधन में यूटीआई का लंबा अनुभव तथा मिड और स्मॉल कैप कंपनियों पर व्यापक रिसर्च कवरेज फंड को गुणवत्तापूर्ण कंपनियों की पहचान करने और कमजोर कंपनियों से बचने में मदद करता है। यूटीआई मिड कैप फंड उन निवेशकों के लिए उपयुक्त है, जो मुख्य रूप से मिड कैप कंपनियों के पोर्टफोलियो में निवेश करना चाहते हैं और अपने मुख्य (कोर) इक्विटी पोर्टफोलियो में अतिरिक्त विकास क्षमता जोड़ना चाहते हैं।

तनिष्क ने डायमंड फेस्टिवल शुरू किया

मुंबई। ज्वेलरी ब्रांड्स में शामिल मिआ बाए तनिष्क ने डायमंड और आभूषण प्रेमियों के लिए अपने अब तक के सबसे बड़े फेस्टिवल 'द बिग ब्लिंग फेस्ट' की घोषणा की है। यह फेस्टिवल भारतीयों के आभूषणों के प्रति लंबे समय से चले आ रहे लगाव और चमकदार पलों को खास बनाने की परंपरा का जश्न मनाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। 16 जुलाई से 2 अगस्त 2026 तक चलने वाले इस फेस्टिवल में मिआ के आधुनिक और स्टाइलिश ज्वेलरी कलेक्शन्स के साथ ग्राहकों के लिए आकर्षक ऑफर्स भी पेश किए जा रहे हैं। 'द बिग ब्लिंग फेस्ट' के दौरान ग्राहक डायमंड ज्वेलरी के मेकिंग चार्ज पर 100 फीसदी तक की छूट का लाभ उठा सकते हैं।

M.P. POWER GENERATING CO. LTD.
OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER (O&M)
RABS HPS BARGI NAGAR JABALPUR- 482056
E-mail : seoandmbargi@gmail.com Web. : www.mppgenco.nic.in
NIT for E-tendering system of tender No. 2026_ MPPGC_499963_1
MPPGCL INVITES E-TENDERS FROM ELIGIBLES BIDDERS THROUGH E-TENDERING FOR "Bi –annual maintenance of Garden of premises of Power House and Rest House for the period of Two (02) years at RABS HPS Barginagar Distt. Jabalpur (M.P.)". Estimated Value of this work is Rs. 49,41,200/- (Rs. Forty Nine Lakh Forty One Thousand Two Hundred Only) including GST. EMD: Rs. 99,000/-. Tender document cost: Rs.1000/-. Detailed NIT & Bidding document are available on GoMP Website: www.mptenders.gov.in MPPGCL reserves the right to accept/reject any/all tenders without assigning any reason thereof. // SAVE ELECTRICITY //
M.P.M./127077/2026 ADDL. CHIEF ENGINEER (O&M)

म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड
कार्य. मुख्य अभियंता अउदा-निर्माण, ब्लॉक-4, शक्ति भवन, जबलपुर
निविदा विशेषीकरण क्रमांक मुख्य अभियंता (अउदा-नि.)
क्रमांक 04-06/सी/टी-916/534 दिनांक : 15.07.2026
निविदा सूचना
Detailed survey of various EHV lines using survey of India maps and total station survey equipments on rate contract basis for a period of two years. The detail survey shall have to be carried out at any part of Madha Pradesh as per our requirement along with submission of all relevant technical data/parameters (preliminary survey, there alternative routes, detail survey, profile, soil resistivity, kmz file, tower schedule etc). This work also includes modification/shifting of EHV lines due to construction of new railway line/new road etc. as per tender specification हेतु पात्र ठेकेदारों से ऑनलाइन निविदा आमंत्रित की जाती हैं। निविदा प्रपत्र का शुल्क रु. 5900 /- तथा निविदा खुलने की तारीख दिनांक 17.08.2026 है। अन्य विस्तृत विवरण हेतु हमारी बेबसाइट www.mptransco.in एवं www.mptenders.gov.in का अवलोकन अथवा दूरभाष क्रमांक 0761-2702138/2702236 पर कार्यालयीन समय पर संपर्क करें।
म.प्र. माध्यम/127063/2026 // विद्युत की बचत कीजिये // मुख्य अभियंता (अउदा-निर्माण)

RAIPUR GREEN ENERGY PVT. LTD.
(TATA MOTORS)
RE-WI-RE
WE ARE HIRING!
FIELD PURCHASE EXECUTIVES
(SCRAP VEHICLES)
KEY RESPONSIBILITIES
- Field visit to find scrap, accidental & old vehicles.
REQUIREMENTS
- Graduate
- Experience in Secondhand Sales of Automobiles or related field preferred.
EARN MORE WITH PERFORMANCE
Send your Resume on WhatsApp
CALL: 9109952355 OR 9399230747

पश्चिम मध्य रेल
ई–टेण्डर नोटिस
विद्युत लोको शेड, दिनांक : 17.07.2026
वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता, टी.आर.एस., पश्चिम मध्य रेल, नई कटनी जंक्शन (कटनी) म. प्र. भारत के राष्ट्रपति एवं उनकी ओर में पात्रता पूर्ण करने वाले प्रतिष्ठित एवं अनुभवी ठेकेदारों से निम्न कार्य हेतु सिंगल ई निविदा के लिये आमंत्रित करते हैं। **निविदा सूचना क्रमांक:** एनकेजे/टी आरएस/टी/10/25, दिनांक:17.07.2026, **कार्य का नाम :** ओवरहालिंग ऑफ एयर ड्रायर ऑफ ट्राईडेंट मेक ऑफ 3 फेज लोकोमोटिव फॉर पीरियड ऑफ 02 इयर्स एट ELS/NKJ फॉर थ्रू ओईएम ओर आथोराइजड डीलर ऑफ ओईम., **निविदा का अनुमानित मूल्य (रूपये) :** 3168766.78/–, **निविदा फॉर्म की कीमत (रूपये):** Nil, **बयाना राशि (रूपये):** 63400/–, **कार्य समापन की अवधि :** 24 माह, **निविदा प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय :** 17.08.2026 की 15:00 बजे तक **टिप्पणी :1.** निविदा सूचना एवं निविदा प्रपत्र हमारे वैबसाइट "http://ireps. gov.in" पर उपलब्ध है। ई निविदा के अलावा उपरोक्त कार्य के लिये कोई भी मेन्युअल निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। यह सूचना वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियंता/टीआरएस/नई कटनी जंक्शन, पश्चिम मध्य रेल के कार्यालय के सूचना पट भी चस्पा की गयी है। **2.** निविदाकारो से अनुरोध है कि निविदा खुलने से पहले यदि कोई शुद्धि पत्र जारी किया गया हो तो उसके अनुसार निविदा भरे एवं असफल होने पर निविदा निरस्त किया जा सकता है। **3.** निविदा फॉर्म का मूल्य : निल, जीसीसी अप्रैल 2022 पार्ट। क्लाज नंबर 3 के अनुसार निविदा फॉर्म का मूल्य निल है। ई–निविदा फॉर्म सभी निविदाकार को फ्री में जारी किए जायेंगे।
(हस्ता)
मण्डल यान्त्रिक अभियंता (टीआरएस)
पश्चिम मध्य रेल, नई कटनी जंक्शन
स्वच्छ भारत अभियान
एक कदम स्वच्छता की ओर

गोदरेज ने दिखाई भारत की एयरोस्पेस ताकत

मुंबई । गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप का एयरोस्पेस बिजनेस फर्नबरो इंटरनेशनल एयरशो 2026 में अपनी उन्नत इंजीनियरिंग और सटीक विनिर्माण क्षमताओं का प्रदर्शन कर रहा है। 20 से 24 जुलाई तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में दुनिया की प्रमुख विमान निर्माता कंपनियां, एयरो-इंजन निर्माता, सप्लायर, टेक्नोलॉजी कंपनियां और नीति-निर्माता हिस्सा ले रहे हैं। गोदरेज एंटरप्राइजेज ग्रुप ने बताया कि उसके एयरोस्पेस कारोबार ने निर्यात में 30 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की है।

बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने रचा नया रिकॉर्ड 9,075 कारों की बिक्री की

गुरुग्राम । लग्जरी वाहन निर्माता बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने वर्ष 2026 की पहली छमाही (जनवरी-जून) में अब तक की सबसे अधिक बिक्री दर्ज करते हुए नया रिकॉर्ड बनाया है। कंपनी ने इस दौरान 9,075 कारों की बिक्री की, जो पिछले वर्ष की तुलना में 17 प्रतिशत अधिक है। वहीं अप्रैल से जून के बीच दूसरी तिमाही में कंपनी ने 4,507 कारों की डिलीवरी कर 17 प्रतिशत की सालाना वृद्धि दर्ज की। बीएमडब्ल्यू ग्रुप इंडिया ने बताया कि वह भारत में लक्जरी ईवी सेगमेंट में अपनी अग्रणी स्थिति बनाए हुए है। जनवरी से जून 2026 के दौरान कंपनी ने 2,359 इलेक्ट्रिक वाहन ग्राहकों को सौंपे।

राशिफल

मेष — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

वृष — पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। वस्त्र उपहार में मिल सकते हैं। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है।

मिथुन — संयत रहें। व्यर्थ के क्रोध से बचें। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जा सकते हैं।

कर्क — आशा–निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। शैक्षिक कार्यों पर ध्यान दें। कठिनाइयां आ सकती हैं। लेखनादि–बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी।

सिंह — आत्मसंयत रहें। किसी सम्पत्ति से आय के साधन बन सकते हैं। किसी मित्र का सहयोग भी मिल सकता है। नौकरी में स्थान परिवर्तन के योग बन रहे

कन्या — मन में उतार–चढ़ाव रहेगा। पिता के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। किसी मित्र के सहयोग से नौकरी के अवसर मिल सकता है। भागदौड़ बढ़ सकती है। खर्च

तुला — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु शान्ति बताये रखने के लिए प्रयास करें। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है।

वृश्चिक — मन अशान्त रहेगा। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। स्वास्थ्य का भी ध्यान रखें। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी।

धनु — आशा–निराशा के भाव मन में हो सकते हैं। घर–परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। परिवार में शान्ति बनाये रखने के प्रयास करें।

मकर — मन प्रसन्न रहेगा, परन्तु संयत रहें। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। रहन–सहन अव्यवस्थित हो सकता है। वाहन सुख में वृद्धि हो सकते हैं। तनाव रहेगा।

कुंभ — मन शान्त तो रहेगा, परन्तु फिर भी संयत भी रहें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। नौकरी में कार्यक्षेत्र में परिवर्तन की अधिकता रहेगी।

मीन — मन अशान्त हो सकता है। नौकरी में अफसरों से सद्भाव बनाकर रखें। तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

स्माइल ट्रेन इंडिया ने रचा इतिहास

मप्र में 41,500 बच्चों को मिला मुफ्त इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

क्लेफ्ट उपचार के क्षेत्र में काम करने वाली प्रमुख गैर-लाभकारी संस्था स्माइल ट्रेन इंडिया ने भारत में एक बड़ी उपलब्धि हासिल की है। संस्था ने वर्ष 2000 से अब तक देशभर में 8 लाख से अधिक बच्चों की मुफ्त क्लेफ्ट सर्जरी कराने में मदद की है। मध्य प्रदेश में भी स्माइल ट्रेन इंडिया के 8 सक्रिय साझेदार अस्पतालों के नेटवर्क के माध्यम से अब तक 41,500 से अधिक बच्चों को मुफ्त क्लेफ्ट सर्जरी का लाभ मिल चुका है। संस्था अब केवल इलाज तक सीमित नहीं रहकर क्लेफ्ट की शुरुआती पहचान, जनजागरूकता और समय पर उपचार की जरूरत पर विशेष ध्यान दे रही है। कंपनी के रीजनल डायरेक्टर ममता कैरोल ने कहा कि क्लेफ्ट उपचार को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने में संस्था ने महत्वपूर्ण प्रगति की है। लेकिन जागरूकता की कमी अभी भी बड़ी चुनौती बनी हुई है।

खंड- I
ई - निविदा आमंत्रण सूचना
मध्य प्रदेश शासन,
कार्यालय पश्चिम बैतूल (सा.) वनमण्डल मध्यप्रदेश
ई-निविदा आमंत्रण सूचना संख्या 26/ ई-टेंडरिंग / 2026-27 **दिनांक 16/07/2026**
वनमण्डलाधिकारी पश्चिम बैतूल (सा.) वनमंडल द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय नियम एवं सेवा उपार्जन नियम, 2015 (यथा संशोधित 2022) के अन्तर्गत निम्नलिखित ई–निविदा आमंत्रित की जाती है ।

क्र.	सामग्री का विवरण	सामग्री का नाम/स्पेसीफिकेशन	अनुमानित मात्रा	सत्यांकार की निधि (रू. में)	निविदा दस्तावेजों का मूल्य
1	गिट्टी	गिट्टी ग्रेनाईट/ब्लैक बेसाल्ट 20 mm	250 cmt	8000	1000/-
2	गिट्टी	गिट्टी ग्रेनाईट/ब्लैक बेसाल्ट 40 mm	150 cmt	5000	

1. निविदा दस्तावेज से संबंधित सभी विवरण ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर नि :शुल्क देखे और डाउनलोड किए जा सकते हैं। 2. इच्छुक निविदाकार क्रेडिट / डेबिट / कैश कार्ड / इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से पोर्टल शुल्क का ऑनलाईन भुगतान करने के बाद निविदा दस्तावेज को ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर (दिनांक) 21/07/2026 को सुबह 11 :00AM बजे से निविदा जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय तक केवल ऑनलाईन खरीद सकते है । 3. ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल पर महत्वपूर्ण तिथियों के रूप में उल्लेखित निविदा प्रक्रिया तिथियां लागू होंगी । 5. ई – निविदा आमंत्रण सूचना में शुद्धिपत्र / परिशिष्ट, यदि कोई हो केवल पोर्टल पर प्रकाशित किया जाएगा, समाचार पत्रों में नहीं । 6. ई–प्रोक्योरमेंट पोर्टल : https://www-mptenders-gov-in/

वनमण्डलाधिकारी
पश्चिम बैतूल (सा.) वनमण्डल
G-15981/26 "स्वच्छता ही सेवा"

शब्द पहेली - 6294

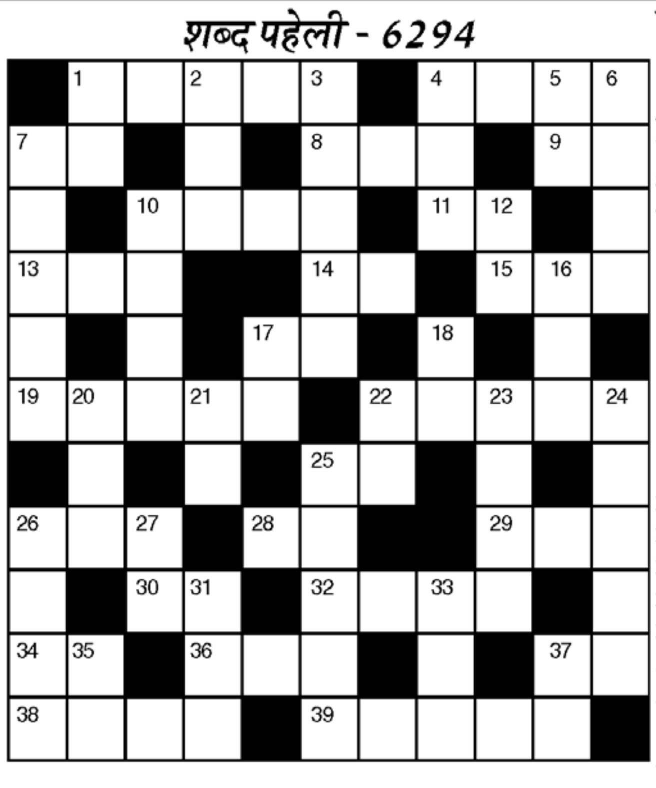

बाएँ से दाएँ
1.महर्षि वेदव्यास द्वारा रचित महाकाव्य–5
4.आज्ञापत्र, पतंगा–4
7.शरीर, बदन–2
8.होशियार, हुनरमंद–3
9.नस, नाड़ी–2
10.तीर रखने का पात्र–4
11.गधा, गर्दभ–2
13.जो बंदी हो–3
14.पत्नी, भार्या–2
15.दृष्टि, निगाह–3
17.खैरात, दक्षिणा–2
19.अपने ही घर में कैद होना–5
22.भाग्यवाला–5
25.जी, इच्छा–2
26.तन, काया–3
28.दुनिया, संसार–2
29.वेतन–3
30.भीगा हुआ–2
32.सागौन, एक प्रकार की मूल्यवान लकड़ी–4
34.परिणाम,हल,फ्रूट–2
36.सचेग–3
37.राजकपूर,नरगिस की फिल्म–2
38.चाणक्य के समय मगध की राजधानी–4
39.निरस्त करना–2,3

ऊपर से नीचे
1.आमिर,मनीषा कोइराला की फिल्म–2
2.रवि, सूर्य–3
3.तमाशा देखनेवाले–5
4.परीक्षण,जांच–3
5.सप्ताह का दिन–2
6.जो नापसंद हो (उर्दू–4)
7.गोविंदा व खुशबू की फिल्म–2,3
10.भाग्य,किस्मत–4
12.क्रिकेट में बनते हैं–2
16.नसीरुद्दीन शाह की एक फिल्म –3
17.खुजली–2
18.रस्सी पर अपराधी को लटकाना–2
20.आवश्यक–3
21.कैदी, बंधक–2
22.इसाई साध्वी–2
23.बालकपन–4
24.असावधान–5
25.महासमुद्र–5
26.सज्जनता, भद्रता–4
27.अभिषेक की फिल्म–2
31.मुद्दा (उर्दू–3)
33.वाचन करनेवाला–3
35.उद्देश्य–2
37.आगमन,आने का भाव–2

शब्द पहेली- 6293 का हल

उ	थ	ल	पु	थ	ल		मा	न	व	ता
त	न		ल		ल	ब्बा	ई		श	र
रा		आ	क	र्ष	क		न	स		को
धि	क्का	र	ना			अ		च	प	ल
का		क्ष		भा	गी	दा	र		र	
र	म	ण	यो	ग्य		व	ज	न	दा	र
	ह		ग	फ	ल	त		म		ह
द	ल	ना		ल			य	की	न	न
श		का	व्य		त	न	म	न		स
ह	रा		स	ला	मी		रा		रा	ह
रा	ह	ज	न		ज	हा	ज	चा	ल	न

सूडोकु नवताल - 6304

✱✱✱✱✱ मध्यम

		5			3			
	2			9	5			
9						6		
			9				3	5
	6						7	
4	8				1			
		7						3
			2	4			9	
			8			2		

MANGAL SENACHA BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6303 का हल

2	7	6	4	9	5	8	1	3
5	8	1	7	2	3	9	6	4
9	3	4	8	1	6	2	5	7
6	5	9	2	4	8	3	7	1
8	4	7	9	3	1	6	2	5
1	2	3	5	6	7	4	9	8
3	6	5	1	8	2	7	4	9
7	9	2	3	5	4	1	8	6
4	1	8	6	7	9	5	3	2

जिम्बाब्वे के खिलाफ सूर्यवंशी का मिशन 150 सिक्स, टी20 में होंगे नंबर-1

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय टीम जिम्बाब्वे के दौरे पर गई है। इस दौरे पर टीम इंडिया को श्रेयस अय्यर की कप्तानी में तीन मैचों की टी20 सीरीज खेलनी है। सीरीज का पहला मुकाबला 23 जुलाई को खेला जाएगा। इस सीरीज में पहली बार वैभव सूर्यवंशी बतौर प्रमुख ओपनर बनकर गए हैं। इंग्लैंड में वैभव का प्रदर्शन खास नहीं था लेकिन अब जिम्बाब्वे सीरीज में उनके पास मौका है अपनी जगह पक्की करने का। जिम्बाब्वे दौरे पर वैभव सूर्यवंशी के निशाने पर टी20 क्रिकेट का खास वर्ल्ड रिकॉर्ड भी है। वह तीन मैचों की सीरीज में अगर 11 छक्के लगा देते हैं तो टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 150 छक्के पूरे करने वाले नंबर 1 बल्लेबाज बन जाएंगे। वैभव के नाम अभी तक 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में दर्ज हैं।

हालांकि, इस मामले में नंबर 1 पर काबिज खिलाड़ी ने 66 पारियों में यह कारनामा किया था। नंबर 1 पर नाम है यूएई के मोहम्मद वसीम का। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर वेस्टइंडीज के एविन लुईस और तीसरे नंबर पर क्रिस गेल हैं। अगर वैभव ने यह कारनामा किया तो वह तीनों खिलाड़ियों को पीछे छोड़ नंबर 1 बन जाएंगे।

23 जुलाई से भारत और जिम्बाब्वे के बीच 3 मैचों की टी20 सीरीज

टी20 सीरीज का शेड्यूल

पहला टी20	: 23 जून हरारे, 4.30 पीएम
दूसरा टी20	: 25 जून हरारे, 4.30 पीएम
तीसरा टी20	: 26 जून हरारे, 4.30 पीएम

टी20 में सबसे तेज 150 छक्के

मोहम्मद वसीम (यूएई)	: 66 पारी
एविन लुईस (वेस्टइंडीज)	: 70 पारी
क्रिस गेल (वेस्टइंडीज)	: 72 पारी

सूर्यकुमार को पीछे छोड़ सकते हैं वैभव

वैभव सूर्यवंशी ने 37 पारियों में 139 छक्के टी20 क्रिकेट में अभी तक लगाए हैं। वह 11 छक्के और लगाते ही भारत समेत पूरी दुनिया में नंबर 1 बन जाएंगे। उनके नाम टी20 में सबसे तेज 150 छक्के लगाने का रिकॉर्ड दर्ज हो सकता है। भारत के लिए यह रिकॉर्ड 86 पारियों में सूर्यकुमार यादव ने बनाया था। यानी वैभव सूर्या को भी पीछे छोड़ सकते हैं।

वैभव-अभिषेक ने की प्रैक्टिस

जिम्बाब्वे दौरे पर वीवीएस लक्ष्मण भारतीय टीम के कोच की भूमिका निभा रहे हैं। उनकी देखरेख में खिलाड़ियों ने प्रैक्टिस की। इस दौरान टीम के दो युवा खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी और अभिषेक शर्मा बल्लेबाजी के साथ-साथ गेंदबाजी का भी अभ्यास करते दिखे। उनके साथ रिंकू सिंह ने भी गेंदबाजी की प्रैक्टिस की।

सीरीज के लिए भारत का स्क्वाड

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), इशान किशन (विकेटकीपर), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, शिवम दुबे, सूर्यांश शेडगे, रिंकू सिंह, हर्ष दुबे, रवि बिश्नोई, प्रिंस यादव, यश ठाकुर, अशोक शर्मा, मयंक यादव, प्रभसिमरन सिंह (विकेटकीपर)।

2024 के बाद पहला जिम्बाब्वे दौरा

भारतीय टीम इससे पहले जिम्बाब्वे दौरे पर 2024 टी20 वर्ल्ड कप के बाद गई थी। अभिषेक शर्मा ने भारत के लिए इसी सीरीज में डेब्यू किया था। शुभमन गिल कप्तान थे। उस सीरीज में यशस्वी जायसवाल और ऋतुराज गायकवाड़ भी खेले थे।

खबर संक्षेप

विश्व जूनियर स्क्वाश अनाहत दूसरे दौर में

नई दिल्ली। भारत की शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी अनाहत सिंह ने न्यूजीलैंड की क्वालीफायर लिली विल्सन को आसानी से 11-2, 11-1, 11-3 से हराकर कनाडा के ओंटारियो में चल रही विश्व स्क्वाश जूनियर चैंपियनशिप के महिला एकल के दूसरे दौर में प्रवेश किया। आर्यवीर दीवान, युशा नफीस और गुरवीर सिंह की भारतीय तिकड़ी ने प्रतियोगिता के पहले दिन पुरुष एकल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। पुरव रामभिया ने रोनी हिकलिंग के सामने कड़ी चुनौती पेश की लेकिन पांच गेम तक चले रोमांचक मुकाबले में भारतीय खिलाड़ी को आखिर में हार का सामना करना पड़ा। महिला वर्ग के पहले दौर में अनिका दुबे ने जापान की अन्ना कुवाहारा को सीधे गेम में हराया और सान्वी ने पांच गेम के मुकाबले में नीदरलैंड की एल्के मोल्स को पराजित किया।

आज से हांगकांग में विश्व तलवारबाजी चैंपियनशिप

नई दिल्ली। भारत का 24 सदस्यीय तलवारबाजी दल बुधवार से हांगकांग में शुरू हो रही सीनियर विश्व चैंपियनशिप में जोर आजमाइश करेगा। नौ दिवसीय चैंपियनशिप एशियावर्ल्ड एक्स्पो पर आयोजित की जाएगी। भारतीय टीम में 12 पुरुष और 12 महिला खिलाड़ी हैं, जो सभी तीन श्रेणियों एपी, फॉइल और साबरे में व्यक्तिगत और टीम वर्गों में भाग लेंगे। भारतीय तलवारबाजी संघ के महासचिव राजीव मेहता ने कहा,' विश्व चैंपियनशिप भारतीय तलवारबाजी के लिए काफी अहम है क्योंकि हमे विश्व के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के सामने खुद को आंकने का मौका मिलेगा।' टीम के साथ 5 राष्ट्रीय कोच और 2 फिजियो भी जाएंगे।

बुडापेस्ट में होगी टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप

FIDE

नई दिल्ली। शतरंज की सर्वोच्च संस्था फिडे से मान्यता प्राप्त टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर का आधिकारिक पायलट संस्करण 10 से 21 नवंबर तक हंगरी के बुडापेस्ट में आयोजित किया जाएगा। यहां प्रतियोगिता शतरंज के तीनों प्रारुप क्लासिकल, रैपिड और ब्लिट्ज में आयोजित की जाएगी। इन तीनों प्रारुप में सबसे अधिक अंक हासिल करने वाला खिलाड़ी चैंपियन बनेगा। बुडापेस्ट में होने वाली प्रतियोगिता चैंपियनशिप के प्रारुप के लिए पायलट प्रोजेक्ट के रूप में काम करेगी, जिसे 2027 में विश्व स्तर पर लागू किया जाना है। फिडे ने यह भी घोषणा की है कि टोटल शतरंज विश्व चैंपियनशिप टूर विश्व चैंपियनशिप के लिए चैलेंजर का निर्धारण करने वाले कैंडिडेट्स टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाइंग प्रक्रिया का हिस्सा होगा।

ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होंगे गेम्स

10 खेलों में सिमटा कॉमनवेल्थ हॉकी-कुश्ती समेत कई खेल बाहर

कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वरूप पहले के मुकाबले काफी बदला हुआ

एजेंसी ▸▸ ग्लासगो

स्काडलैंड के ग्लासगो में 23 जुलाई से 2 अगस्त तक होने वाले कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए भारतीय दल की घोषणा हो चुकी है। इस बार कॉमनवेल्थ गेम्स का स्वरूप पहले के मुकाबले काफी बदला हुआ है।

लागत कम करने के लिए खेलों को सिर्फ 10 स्पर्धाओं तक सीमित रखा गया है। हॉकी, बैडमिंटन, टेबल टेनिस, कुश्ती और क्रिकेट जैसे वे खेल इस बार कार्यक्रम का हिस्सा नहीं हैं, जिनमें भारत पारंपरिक रूप से सबसे ज्यादा पदक जीतता रहा है। ऐसे में इस बार भारत की पदक उम्मीदों का बड़ा दारोमदार एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स के खिलाड़ियों पर रहेगा।

उद्घाटन समारोह में ध्वजवाहक मीराबाई

भारतीय दल में दो बार के ओलंपिक पदक विजेता नीरज चोपड़ा, टोक्यो ओलंपिक की सिल्वर मेडलिस्ट मीराबाई चानू और बॉक्सर लवलीना बोरगोहेन मुख्य रूप से शामिल हैं। वेटलिफ्टर मीराबाई चानू उद्घाटन समारोह में देश की ध्वजवाहक हैं। खेल मंत्रालय ने इन खेलों के लिए 191 सदस्यों वाले भारतीय दल को मंजूरी दी है, जिसमें 126 खिलाड़ी (78 पुरुष और 48 महिला) और 51 टीम पदाधिकारी शामिल हैं।

नीरज चोपड़ा, मीराबाई चानू, लवलीना समेत भारतीय खिलाड़ियों की सूची

एथलेटिक्स पुरुष टीम

गुरिंदरवीर सिंह (100 मीटर), अनिमेष कुजूर (200 मीटर), गुलवीर सिंह (5000 मीटर/10000 मीटर), तेजस शिर्से (110 मीटर बाधा दौड़), यशस पलक्ष (400 मीटर बाधा दौड़), संतोष कुमार तमिलरासन (400 मीटर बाधा दौड़), सर्वेश कुशारे (ऊंची कूद), आदर्श राम (ऊंची कूद), देव मीना (पोल वॉल्ट), कुलदीप कुमार (पोल वॉल्ट), मुरली श्रीशंकर (लंबी कूद), लोकेश सत्यनाथन (लंबी कूद), प्रवीण चित्रवेल (ट्रिपल जंप), सेल्वा प्रभु (ट्रिपल जंप), समरदीप सिंह गिल (शॉट पुट), तेजिंदरपाल सिंह तूर (शॉट पुट), नीरज चोपड़ा (जैवलिन थ्रो), रोहित यादव (जैवलिन थ्रो), यश वीर सिंह (जैवलिन थ्रो), तेजस्विन शंकर (डेकाथलॉन), विशाल थेन्नारासु कयालविझी (400 मीटर/4×400 मीटर मिक्स्ड रिले), राजेश रमेश (400 मीटर/4×400 मीटर मिक्स्ड रिले), अंसा बाबू (400 मीटर/4×400 मीटर मिक्स्ड रिले)।

राष्ट्रमंडल खेलों में होने वाली प्रतियोगिताएं

3×3 बास्केटबॉल और 3×3 व्हीलचेयर बास्केटबॉल, आर्टिस्टिक जिम्नास्टिक्स, एथलेटिक्स और पैरा एथलेटिक्स (ट्रैक एंड फील्ड) ,बॉल्स और पैरा बॉल्स, बॉक्सिंग , साइकिलिंग ट्रैक और पैरा साइकिलिंग ट्रैक, जूडो, नेटबॉल स्विमिंग (तैराकी) और पैरा स्विमिंग, वेटलिफ्टिंग (भारोत्तोलन) और पैरा पावरलिफ्टिंग

वेटलिफ्टिंग (पुरुष) टीम

ऋषिकांत सिंह (60 किग्रा), एम राजा (65 किग्रा), अजय बाबू (79 किग्रा), दिलबाग सिंह (94 किग्रा), लवप्रीत सिंह (+110 किग्रा)

वेटलिफ्टिंग (महिला) टीम

मीराबाई चानू (48 किग्रा), ज्ञानेश्वरी यादव (53 किग्रा), बिंद्यारानी देवी (58 किग्रा), हरजिंदर कौर (69 किग्रा), संजना (77 किग्रा), सीरम निरुपमा देवी (86 किग्रा), मार्टिना देवी (+86 किग्रा)।

मुक्केबाजी (पुरुष) टीम

जेदुमणि सिंह (55 किग्रा), सचिन सिवाच (60 किग्रा), आदित्य प्रताप सिंह (65 किग्रा), सुमित कुंडू (70 किग्रा), अंकुश अंकुश (80 किग्रा), कपिल पोखरिया (90 किग्रा), नरेंद्र बेरवाल (+90 किग्रा)।

मुक्केबाजी (महिला) टीम

साक्षी चौधरी (51 किग), प्रीति पवार (54 किग्रा), जैस्मीन लेम्बोरिया (57 किग्रा), प्रिया घनघास (60 किग्रा), परवीन हुडा (65 किग्रा), अरुंधति चौधरी (70 किग्रा), लवलीना बोरगोहेन (75 किग्रा)।

महिला वनडे रैंकिंग

टॉप-10 में हैली मैथ्यूज की स्थिति और मजबूत

एजेंसी ▸▸ दुबई

आईसीसी महिला चैंपियनशिप में आयरलैंड के खिलाफ 3-0 से सीरीज जीतने के बाद, वेस्टइंडीज की कप्तान हैली मैथ्यूज और उनकी कई साथी खिलाड़ियों ने ताजा महिला वनडे रैंकिंग में अच्छी बढ़त हासिल की है। आयरलैंड सीरीज में वेस्टइंडीज की कप्तान हैली मैथ्यूज का गेंद और बल्ले से शानदार प्रदर्शन रहा था।

प्लेयर ऑफ द सीरीज रहीं मैथ्यूज की आईसीसी की महिला बल्लेबाजों, गेंदबाजों और ऑलराउंडरों की रैंकिंग में टॉप-10 में उनकी स्थिति और मजबूत हुई है। तीन वनडे मैचों की सीरीज में मैथ्यूज ने 265 रन बनाए और 7 विकेट लिए।

आयरलैंड पर जीत के बाद वेस्टइंडीज के खिलाड़ियों को फायदा

स्टेफनी, आलिया एलेन, एफी फ्लेचर को बढ़त

अनुभवी बल्लेबाज स्टेफनी टेलर, ऑलराउंडर आलिया एलेन, स्पिनर एफी फ्लेचर और ऑलराउंडर डिएंड्रा डॉटिन को ताजा रैंकिंग अपडेट में फायदा हुआ। आयरलैंड के खिलाफ तीसरे और आखिरी वनडे में शानदार शतक लगाने के बाद टेलर वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 22वें नंबर पर आ गईं। उसी मैच में 33 रन की पारी खेलने के बाद एलेन वनडे बल्लेबाजों की सूची में चार स्थान ऊपर चढ़कर 73वें नंबर पर पहुंच गईं।

गेंदबाजी रैंकिंग में फ्लेचर ने किया सुधार

वनडे गेंदबाजी रैंकिंग में, फ्लेचर ने एक स्थान का सुधार किया और संयुक्त रूप से 21वें नंबर पर पहुंच गईं। उन्होंने सीरीज में आठ विकेट लिए, जो तीनों मैचों में किसी भी गेंदबाज द्वारा लिए गए सबसे ज्यादा विकेट थे। सीरीज में अपने प्रदर्शन के बाद डॉटिन की गेंदबाजी रैंकिंग में भी उल्लेखनीय सुधार हुआ और वह छह स्थान ऊपर चढ़कर 75वें नंबर पर पहुंच गईं। इस क्लीन स्वीप से कैरेबियाई टीम आठ अंकों के साथ आईसीसी महिला चैंपियनशिप सूची में चौथे स्थान पर पहुंच गई है।

फुटबॉल

वर्ल्ड कप हारने के बाद अर्जेंटीना के खिलाड़ियों पर बैन होने का खतरा

एजेंसी ▸▸ ईस्ट रदरफोर्ड

विश्व फुटबॉल की सर्वोच्च संस्था फीफा ने स्पेन और अर्जेंटीना के बीच खेले गए विश्व का फाइनल के बाद दोनों टीम के खिलाड़ियों के बीच हुई झड़प की जांच शुरू कर दी है। स्पेन ने अर्जेंटीना को 1-0 से हराकर दूसरी बार खिताब जीता लेकिन अंतिम सीटी बजाने के बाद दोनों टीम के खिलाड़ी आपस में भिड़ गए, जिससे जश्न का माहौल खराब हो गया। वीडियो रीप्ले में अर्जेंटीना के मिडफील्डर लिएंड्रो पारेडेस समेत कई खिलाड़ी हाथापाई में शामिल दिखे। वीडियो में देखने से ऐसा लग रहा है कि पोरडेस ने स्पेन के एरिक गार्सिया का गला पकड़ा। जब स्पेन के स्थानापन्न खिलाड़ी गावी बीच-बचाव करने के लिए आए तो पोरडेस ने उन्हें धक्का देकर जमीन पर गिरा दिया।

- फीफा ने शुरू की खिलाड़ियों के बीच झड़प की जांच

स्पेनिश कप्तान को मोलिना ने की चोट पहुंचाने की कोशिश

स्पेन के कप्तान रौड्रि को अर्जेंटीना के डिफेंडर नाहूएल मोलिना ने चोट पहुंचाने की कोशिश की। मोलिना ने बाद में उन्हें घेर भी लिया था। अर्जेंटीना के कोच लियोनेल स्कालोनी और अन्य खिलाड़ी स्थिति को शांत करने के लिए तुरंत बीच में आ गए।

अर्जेंटीना के पोरडेस हो सकते हैं निलंबित

फीफा ने कहा कि उसकी 'अनुशासनात्मक समिति ने मैच के बाद की घटनाओं के संबंध में (फीफा अनुशासनात्मक संहिता के) संभावित उल्लंघनों की जांच के लिए एक अनुशासनात्मक और नैतिक अभियोजक नियुक्त किया है।' इस संक्षिप्त बयान में जांच के लिए कोई समयसीमा नहीं दी गई और ना ही पोरडेस का नाम लिया गया। पोरडेस को मैच के बाद लाल कार्ड नहीं दिखाया गया था, लेकिन उन्हें निलंबन का सामना करना पड़ सकता है।

चीन मास्टर्स टूर्नामेंट : पहले दौर में बाहर देविका और प्रणय

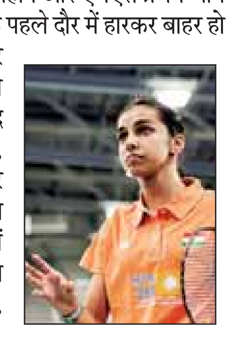

चांग्झू। भारत की देविका सिहाग और एचएस प्रणय चीन मास्टर्स बैडमिंटन टूर्नामेंट के पहले दौर में हारकर बाहर हो गए। थाईलैंड ओपन सुपर 300 चैंपियन देविका ने शुरुआती गेम हारने के बाद वापसी की कोशिश की, लेकिन वह लय बरकरार नहीं रख सकीं और महिला एकल के पहले दौर में थाईलैंड की बुसानन ओंगबामरुंगफान से 19-21, 21-19, 13-21 से हार गईं।

प्रणय का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह पुरुष एकल के पहले दौर में मलेशिया के लियोन जून हाओ से सीधे गेम में 10-21, 14-21 से हार गए। जापान ओपन की विजेता पीवी सिंधू बुधवार को हमवतन खिलाड़ी उन्नति हुड्डा के खिलाफ मुकाबले से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। लक्ष्य सेन और आयुष शेट्टी भी इस प्रतियोगिता में भाग ले रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया- बांग्लादेश टेस्ट सीरीज में कमिंस, हेजलवुड और लियोन की वापसी

एजेंसी ▸▸ ब्रिस्बेन

पैट कमिंस, जोश हेज़लवुड और नाथन लियोन के चोट से उबरकर वापसी करने से बांग्लादेश के खिलाफ होने वाली दो टेस्ट मैचों की क्रिकेट श्रृंखला में उसके चारों प्रमुख गेंदबाज फिर से अंतिम एकादश में दिखाई दे सकते हैं।

तेज गेंदबाज कमिंस, हेज़लवुड और मिचेल स्टार्क तथा ऑफ स्पिनर लियोन लंबे समय से ऑस्ट्रेलिया के आक्रमण प्रमुख हिस्सा रहे हैं, लेकिन चोटिल होने के कारण हाल के समय में यह चारों गेंदबाज बहुत कम मैचों में एक साथ खेल पाए। ऑस्ट्रेलिया की चयन समिति के अध्यक्ष जॉर्ज बेली ने कहा कि वापसी करने वाले सभी गेंदबाज 'खेलने के लिए फिट हैं।'उन्होंने कहा, ' हम अभी से अंतिम एकादश को अंतिम रूप नहीं देंगे, लेकिन हम जानते हैं कि इस दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला के लिए हमारे पास मजबूत टीम है। मुझे विश्वास है कि भविष्य में भी यह चारों गेंदबाज एक साथ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे।' बांग्लादेश के खिलाफ पहला टेस्ट मैच 13 से 17 अगस्त तक डार्विन और दूसरा टेस्ट मैच 22 से 26 अगस्त तक मैकाय में खेला जाएगा।

ऑस्ट्रेलिया टीम

पैट कमिंस (कप्तान), स्कॉट बोलैंड, एलेक्स कैरी, कैमरन ग्रीन, जोश हेज़लवुड, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, मार्नस लाबुशेन, नाथन लियोन, स्टीव स्मिथ, मिचेल स्टार्क, जेक वेदरल्ड, ब्यू वेब्स्टर।

अगस्त में शुरू होगा हॉकी का महासंग्राम, लाकड़ा, पाल और मोइरांगथाम बाहर

विश्व कप के लिए हॉकी टीम का ऐलान, युवा खिलाड़ियों को मौका

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत ने अगले महीने होने वाले एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप के लिए 20 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है, जिसमें प्रो लीग का यूरोप चरण खेलने वाले कुछ खिलाड़ियों को जगह नहीं मिली है।

प्रो लीग में 24 सदस्यीय टीम चुनी गई थी लेकिन विश्व कप में 20 सदस्यों की टीम ही चुनी जानी है। डिफेंडर अमनदीप लाकड़ा, मिडफील्डर राजकुमार पाल और रविचंद्र सिंह मोइरांगथाम और फॉरवर्ड सेल्वम कार्ति टीम में जगह नहीं बना सके हैं। भारत पिछले महीने प्रो लीग के यूरोप चरण के बाद चार जीत, पांच ड्रॉ और सात हार के बाद 9 टीमों में पाकिस्तान से ऊपर आठवें स्थान पर रहा। 8 बार की ओलंपिक चैंपियन भारतीय टीम अब तक सिर्फ एक बार 1975 में विश्व कप जीत सकी है। पिछली बार भुवनेश्वर में हुए 2023 विश्व कप में मेजबान भारत नौवें स्थान पर रहा था। भारत ने बार्सीलोना में 1971 में कांस्य और एम्सटर्डम में 1973 में रजत पदक जीता था।

हरमनप्रीत को टीम की कमान

पेरिस ओलंपिक में भारत को लगातार दूसरा कांस्य पदक दिलाने वाले हरमनप्रीत सिंह टीम के कप्तान होंगे। वहीं तोक्यो ओलंपिक 2020 में 41 साल का इंतजार खत्म करके भारत को कांसा दिलाने वाले मनप्रीत सिंह मिडफील्ड की रीढ होंगे। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने कहा,' यह काफी संतुलित टीम है, जिसमें युवाओं और अनुभवी खिलाड़ियों का मिश्रण है। खिलाड़ियों को उनके प्रदर्शन के आधार पर चुना गया है।'

भारतीय हॉकी टीम

गोलकीपर : मोहित एचएस, सूरज करकेरा
डिफेंडर : जरमनप्रीत सिंह, हरमनप्रीत सिंह (कप्तान), अमित रोहिदास, जुगराज सिंह, संजय, सुमित, यशदीप सिवाच
मिडफील्डर : राजिंदर सिंह, आदित्य अर्जुन लालागे, हार्दिक सिंह, मनप्रीत सिंह, नीलाकांता शर्मा और विवेक सागर प्रसाद
फॉरवर्ड : दिलप्रीत सिंह, शिलानंद लाकड़ा, सुखजीत सिंह, मनदीप सिंह और अभिषेक।

पूल डी में पाकिस्तान के साथ भारत

भारत को पूल डी में इंग्लैंड, पाकिस्तान और वेल्स के साथ रखा गया है। भारत के सभी पूल मैच नीदरलैंड के एम्सटेलवीन में होंगे। भारत को 15 अगस्त को वेल्स से, 17 अगस्त को इंग्लैंड और 19 अगस्त को पाकिस्तान से खेलना है।

हाई कोर्ट ने कहा: सामान्य वर्ग को 10-15 मिनट का और समय, इसके बाद शुरू होगी राज्य सरकार की दलीलें

ओबीसी आरक्षण केस में सामान्य वर्ग की बहस अंतिम चरण में, आज सरकार रखेगी पक्ष

हरिभूमि, जबलपुर।

मध्यप्रदेश में 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण से जुड़े बहुचर्चित मामले की सुनवाई मंगलवार को मध्यप्रदेश हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच में जारी रही। जस्टिस आनंद पाठक और जस्टिस विनय सराफ की खंडपीठ के समक्ष सामान्य वर्ग की ओर से बहस लगभग पूरी हो गई। अदालत ने संकेत दिए कि अब अगली सुनवाई में सामान्य वर्ग को केवल 10 से 15 मिनट का अतिरिक्त समय दिया जाएगा, जिसके बाद राज्य सरकार और ओबीसी आरक्षण के समर्थन में पक्ष रखने वाले अधिवक्ता अपना पक्ष रखना शुरू करेंगे।

मंगलवार को वरिष्ठ अधिवक्ता प्रदीप संचेती के बाद मुख्य याचिका सहित अन्य याचिकाओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य सांघी ने अपनी दलीलें पेश कीं। उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के कई महत्वपूर्ण फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि 50 प्रतिशत की सीमा से अधिक आरक्षण केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दिया जा सकता है। ऐसी परिस्थितियों को केवल दावों के आधार पर नहीं, बल्कि ठोस एवं मापने योग्य (क्वांटिफिएबल) आंकड़ों से साबित करना आवश्यक है।

सामान्य वर्ग की ओर से यह भी तर्क दिया गया कि वर्ष 2019 में जब राज्य सरकार ने ओबीसी आरक्षण को 14 प्रतिशत से बढ़ाकर 27 प्रतिशत करने के लिए संशोधन किया, तब उसके पास सुप्रीम कोर्ट

के मानकों के अनुरूप कोई ठोस डेटा उपलब्ध नहीं था। बाद में कराया गया सर्वे और डेटा संग्रह संशोधन लागू होने के लगभग पांच वर्ष बाद किया गया, जबकि मामला पहले से ही हाई कोर्ट में विचाराधीन था। इसलिए बाद में तैयार किए गए आंकड़ों के आधार पर पहले लिए गए निर्णय को वैध नहीं ठहराया जा सकता।

असाधारण परिस्थितियों पर भी उठाए सवाल

बहस के दौरान वरिष्ठ अधिवक्ता आदित्य सांघी ने कहा कि यदि मध्यप्रदेश में कहीं असाधारण परिस्थितियां मानी जा सकती हैं तो वे पातालकोट जैसे दुर्गम आदिवासी क्षेत्र या ओडिशा सीमा से लगे अत्यंत पिछड़े इलाके हो सकते हैं। लेकिन पूरे प्रदेश में समान रूप से आरक्षण बढ़ाने के लिए सरकार ने केवल जनसंख्या और पिछड़ेपन का हवाला दिया, जबकि इसके समर्थन में कोई व्यापक और समग्र अध्ययन अदालत के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया।

आज से सरकार की दलीलें

दिनभर चली सुनवाई के अंत में डिवीजन बेंच ने कहा कि सामान्य वर्ग की बहस अब अंतिम चरण में है। अगली सुनवाई में केवल 10 से 15 मिनट की बहस शेष रहेगी। इसके बाद राज्य सरकार और आरक्षण के समर्थन में पक्ष रखने वाले अधिवक्ता अदालत के समक्ष अपना विस्तृत पक्ष रखेंगे। मामले की अगली सुनवाई बुधवार, 22 जुलाई को दोपहर 2:30 बजे निर्धारित की गई है। लंबे समय से चल रहे इस मामले में अब सभी की निगाहें सरकार की दलीलों पर टिकी हैं।

हाईकोर्ट में सुनवाई टली 3 अगस्त को होगी बहस

प्रमोशन में आरक्षण : ओबीसी आरक्षण मामले के बाद होगी सुनवाई

जबलपुर। मध्य प्रदेश के हजारों सरकारी कर्मचारियों के लिए प्रमोशन में आरक्षण से जुड़ी एक बड़ी खबर सामने आई है। मप्र हाईकोर्ट में इस मामले पर होने वाली सुनवाई फिलहाल टल गई है। कोर्ट अब इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर 3 अगस्त को सुबह 10:30 बजे से विस्तार से सुनवाई करेगी। मंगलवार को मामला जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस विनय सराफ की विशेष बेंच में लगा हुआ था। वहीं, मंगलवार की दोपहर में ओबीसी आरक्षण बढ़ाने से जुड़े मामले की सुनवाई भी तय थी। पेच यह फंसा कि दोनों ही बड़े मामलों में जस्टिस विनय सराफ और दोनों पक्षों की पैरवी कर रहे मुख्य वकील एक ही थे। ऐसे में एक ही समय पर दो अलग-अलग मामलों पर बहस होना संभव नहीं था। इसलिए कोर्ट ने पहले ओबीसी आरक्षण के मुद्दे को सुनना तय किया और पदोन्नति आरक्षण की तारीख आगे बढ़ा दी।

कोर्ट रूम में क्या-क्या हुआ

सुनवाई के दौरान कोर्ट में दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस देखने को मिली। सामान्य वर्ग के वकील मनोज शर्मा ने दलील दी कि सरकार बिना किसी अंतिम फैसले के लगातार हजारों कर्मचारियों को प्रमोशन दे रही है। यदि बाद में कोर्ट का निर्णय इन प्रमोशनों के खिलाफ आया, तो इतनी बड़ी संख्या में दिए गए प्रमोशनों को वापस लेना बेहद मुश्किल हो जाएगा।इस पर राज्य सरकार की ओर से महाधिवक्ता प्रशांत सिंह और वरिष्ठ वकील सीएस वैद्यनाथन ने मोर्चा संभाला। महाधिवक्ता ने कोर्ट को भरोसा दिलाते हुए कहा कि सरकार द्वारा दी जा रही सभी पदोन्नतियां कोर्ट के अंतिम फैसले पर ही निर्भर करेंगी। अगर फैसला सरकार के खिलाफ आता है, तो बिना देरी किए सभी प्रमोशन तुरंत रद्द कर दिए जाएंगे।हाईकोर्ट ने सरकार के इस लिखित और मौखिक आश्वासन को गंभीरता से लेते हुए रिकॉर्ड में ले लिया।

बिना कोचिंग घर से की तैयारी, पहले दिन कलेक्टर के साथ जनसुनवाई में हुए शामिल

शारीरिक चुनौती को मात देकर हिमांशु सोनी बने डिप्टी कलेक्टर

हरिभूमि, जबलपुर।

शारीरिक चुनौती को अपनी कमजोरी नहीं, बल्कि हौसले की ताकत बनाकर जबलपुर के हिमांशु सोनी ने मध्यप्रदेश प्रशासनिक सेवा में डिप्टी कलेक्टर बनकर नई मिसाल पेश की है। बिना किसी ऑफलाइन कोचिंग के घर से ऑनलाइन तैयारी करने वाले हिमांशु ने अपने पहले ही दिन कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के साथ जनसुनवाई में शामिल होकर प्रशासनिक जिम्मेदारियों की शुरुआत की।

हिमांशु सोनी की सफलता संघर्ष, धैर्य और आत्मविश्वास की प्रेरक कहानी है। उन्होंने बताया कि शारीरिक अक्षमता के बावजूद उन्होंने कभी अपने लक्ष्य से समझौता नहीं किया। नियमित अध्ययन, अनुशासित दिनचर्या और सकारात्मक सोच के दम पर उन्होंने यह मुकाम हासिल किया। उन्होंने घर पर रहकर ऑनलाइन माध्यम से पढ़ाई की और किसी भी कोचिंग संस्थान का सहारा नहीं लिया। साक्षात्कार के लिए वे इंदौर पहुंचे, जहां चयन प्रक्रिया पूरी होने के बाद उनका वर्ष 2024 बैच में डिप्टी कलेक्टर पद पर चयन हुआ।

पहले दिन जनसुनवाई में शामिल

कार्यभार संभालने के पहले दिन हिमांशु कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के साथ मौजूद रहे। इस दौरान उन्होंने आम नागरिकों की समस्याएं सुनीं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को करीब से समझा। जनसुनवाई में बिजली, ऊर्जा, शिक्षा सहित विभिन्न विभागों से जुड़े मामलों पर सुनवाई की गई। हिमांशु अपनी सफलता का सबसे बड़ा श्रेय अपने परिवार को देते हैं। उनका कहना है कि कठिन समय में परिवार ने हर कदम पर उनका साथ दिया। पढ़ाई से जुड़ी हर आवश्यकता पूरी की और लगातार मानसिक रूप से प्रोत्साहित किया। यही सहयोग उनके आत्मविश्वास की सबसे बड़ी ताकत बना।

पिता हुए भावुक

बेटे की सफलता पर पिता महेंद्र सोनी भावुक नजर आए। उन्होंने कहा कि हिमांशु ने कठिन परिस्थितियों को हराकर यह मुकाम हासिल किया है। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को प्रेरित करते हुए कहा—

ख्वाहिशों से नहीं गिरते फूल झोली में,
कर्म की साख को हिलाना होगा।
कुछ नहीं होगा अंधेरों को कोसने से,
अपने हिस्से का दिया खुद ही जलाना होगा।

युवाओं को दी सीख

हिमांशु ने युवाओं से आह्वान किया कि असफलता से निराश होने के बजाय उससे सीख लेकर आगे बढ़ें। उन्होंने कहा कि मेहनत, अनुशासन और आत्मविश्वास के साथ किया गया प्रयास कभी व्यर्थ नहीं जाता। उनकी सफलता आज उन सभी युवाओं के लिए प्रेरणा है, जो कठिन परिस्थितियों के बावजूद अपने सपनों को साकार करने का संकल्प रखते हैं।

पासबुक अपडेट कराते ही खुला साइबर ठगी का राज, खाते से 1.87 लाख गायब

जबलपुर। बैंक में पासबुक अपडेट कराने पहुंचे एक सीमेंट व्यापारी के होश उस समय उड़ गए, जब खाते का विवरण देखने पर पता चला कि उनके खाते से करीब 1.87 लाख रुपये निकाल लिए गए हैं। हैरानी की बात यह रही कि सात दिनों तक उन्हें इस धोखाधड़ी की भनक तक नहीं लगी। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और साइबर टीम की मदद से रकम निकालने वाले की तलाश की जा रही है। लार्डगंज थाना पुलिस के अनुसार शताब्दीपुरम फेस-2 निवासी सुनील दुबे अतुल विहार, राइट टाउन स्थित श्रीजी एसोसिएट्स के नाम से सीमेंट का व्यवसाय करते हैं। उनका खाता सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, मालवीय चौक शाखा में संचालित है। सुनील दुबे ने पुलिस को बताया कि 17 जुलाई को वह सुबह करीब 11:30 बजे बैंक में पासबुक अपडेट कराने पहुंचे थे। एंट्री कराने के बाद जब उन्होंने लेन-देन का विवरण देखा तो पता चला कि 10 जुलाई से 16 जुलाई के बीच उनके खाते से अलग-अलग ट्रांजेक्शन के माध्यम से कुल 1 लाख 87 हजार 472 रुपये निकाल लिए गए हैं। उन्होंने ऐसी कोई निकासी नहीं की थी। पुलिस ने अज्ञात आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया है।

अधिकारों पर वर्षों की चुप्पी, फिर अदालत से राहत की उम्मीद नहीं

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने एक बार फिर साफ कर दिया कि न्याय केवल अधिकार का नहीं, बल्कि समय पर अधिकार के प्रयोग का भी पक्षधर है। यदि कोई कर्मचारी वर्षों तक अपने अधिकार के लिए मौन रहता है और बाद में दूसरे कर्मचारियों को मिली राहत देखकर अदालत पहुंचता है, तो उसे समान लाभ नहीं मिल सकता। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने ऐसे दावेदार को 'फेंस सिटर' मानते हुए उसकी याचिका खारिज कर दी। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने संभव मनु अयाची की याचिका पर सुनवाई करते हुए कहा कि याचिकाकर्ता वर्ष 2016 से वरिष्ठता का लाभ चाहता है, लेकिन उसने लगभग एक दशक तक अपने अधिकार के लिए कोई प्रभावी कानूनी कदम नहीं उठाया। केवल वर्ष 2023 में दिया गया अभ्यावेदन भी दावे का नया कारण नहीं बन सकता। पीठ ने सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों का हवाला देते हुए कहा कि समान परिस्थितियों वाले कर्मचारियों को समान लाभ देने का सिद्धांत लागू होता है, लेकिन यह उन लोगों पर लागू नहीं होगा जो लंबे समय तक निष्क्रिय बने रहें और दूसरों की सफलता के बाद राहत मांगने पहुंचें। देरी ऐसे मामलों में राहत देने में सबसे बड़ी बाधा हैं।

सिवनी की सेवा सहकारी समिति के पूर्व प्रबंधक को दोबारा अभ्यावेदन देने की राहत

बिना विभागीय जांच सेवा समाप्त नहीं की जा सकती : हाईकोर्ट

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने सिवनी जिले की सेवा सहकारी समिति समनापुर के पूर्व प्रबंधक रमेश कुमार शरणागत की याचिका का निराकरण करते हुए उन्हें 15 दिन के भीतर नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करने की अनुमति दी है। जस्टिस विशाल धगट की सिंगल बेंच ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि अभ्यावेदन प्राप्त होने के 90 दिनों के भीतर नियमानुसार निर्णय लें। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता सुघोष भामोरे, निशांत मिश्रा ने दलील दी कि महज आपराधिक मामले में दोषसिद्धि के आधार पर बिना विभागीय जांच किए सेवा समाप्त कर दी गई, जबकि सहकारी समिति के नियमों में ऐसा कोई प्रविधान नहीं है। याचिकाकर्ता ने हाई कोर्ट के पूर्व निर्णय संजय चौहान बनाम मध्य प्रदेश शासन का हवाला देते हुए विभागीय जांच को अनिवार्य बताया। कोर्ट ने मामले के गुण-दोष पर अंतिम टिप्पणी किए बिना कहा कि यदि याचिकाकर्ता पूर्व निर्णय की प्रति के साथ नया अभ्यावेदन प्रस्तुत करता है तो सक्षम प्राधिकारी उस पर विधि के अनुसार विचार कर निर्णय लें। इसके साथ ही रिट याचिका का निराकरण कर दिया गया।

गुरमखेड़ी स्टेशन पर 7 दिन नहीं रुकेंगी 8 ट्रेन

जबलपुर। पश्चिम मध्य रेलवे के जबलपुर मंडल के जबलपुर-इटारसी रेलखंड के गुरमखेड़ी रेलवे स्टेशन पर आधुनिकीकरण और रेल अवसंरचना को मजबूत करने के लिए होने वाले कार्य का असर गुजरने वाली ट्रेनों पर भी पड़ेगा। ट्रैफिक और पावर ब्लॉक के चलते 24 से 30 जुलाई तक सात दिनों के लिए गुरमखेड़ी स्टेशन पर आठ ट्रेनों का ठहराव अस्थायी रूप से निरस्त कर दिया गया है।

इन ट्रेनों का ठहराव रहेगा निरस्त

11272 भोपाल–इटारसी एक्सप्रेस : 23 से 25 जुलाई, 11274 प्रयागराज छिवकी–इटारसी एक्सप्रेस : 23 से 25 जुलाई, 61618 कटनी–इटारसी मेमू स्पेशल : 24 से 26 जुलाई, 19014 कटनी–भुसावल एक्सप्रेस : 24 से 26 जुलाई, 11271 इटारसी–भोपाल एक्सप्रेस : 27 से 29 जुलाई, 11273 इटारसी–प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस : 27 से 29 जुलाई, 61617 इटारसी–कटनी मेमू स्पेशल : 27 से 29 जुलाई, 19013 भुसावल–कटनी एक्सप्रेस : 27 से 29 जुलाई।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक- डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

कांग्रेस नेता अलोक मिश्रा व कोतवाली थाना प्रभारी भिड़े ,टीआई मानस द्विवेदी की कॉलर पकड़ने का वीडियो वायरल

राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में कांग्रेस के प्रदर्शन में पुलिस से धक्का-मुक्की

हरिभूमि, जबलपुर। कांग्रेस सांसद राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में सोमवार को मालवीय चौक में कांग्रेस कार्यकर्ताओं का उग्र प्रदर्शन देखने को मिला। प्रदर्शन के दौरान पुलिस और कांग्रेस नेताओं के बीच तीखी झड़प हो गई। हालात इतने तनावपूर्ण हो गए कि नरसिंहपुर जिले के कांग्रेस प्रभारी एवं पूर्व प्रदेश मंत्री आलोक मिश्रा द्वारा कोतवाली थाना प्रभारी मानस द्विवेदी की कॉलर पकड़ने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। घटना के बाद राजनीतिक और प्रशासनिक हलकों में चर्चाओं का दौर शुरू हो गया।

उठाने की बात से भड़क गए कांग्रेसी

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कांग्रेस कार्यकर्ता राहुल गांधी की गिरफ्तारी के विरोध में प्रदर्शन करते हुए आगे बढ़ रहे थे। इसी दौरान पुलिस ने बैरिकेडिंग कर उन्हें रोकने का प्रयास किया। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच पहले तीखी बहस हुई, जो कुछ ही देर में धक्का-मुक्की में बदल गई। इसी दौरान कथित तौर पर आलोक मिश्रा ने टीआई मानस द्विवेदी की कॉलर पकड़ ली। मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों और अन्य नेताओं ने तत्काल हस्तक्षेप कर दोनों पक्षों को अलग किया, जिसके बाद स्थिति धीरे-धीरे सामान्य हो सकी।

वीडियो पर चल रही प्रतिक्रिया

घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद लोगों की ओर से पुलिसकर्मी के साथ कथित अभद्र व्यवहार को लेकर विभिन्न प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। वहीं कांग्रेस समर्थकों का कहना है कि प्रदर्शन के दौरान अनावश्यक बल प्रयोग और रोक-टोक के कारण विवाद की स्थिति बनी।

क्या दर्ज होगी एफआईआर

घटना के बाद यह सवाल भी उठने लगे हैं कि यदि किसी शासकीय कर्मचारी के साथ ड्यूटी के दौरान कथित रूप से अभद्रता हुई है, तो इस मामले में वैधानिक कार्रवाई क्या होगी। हालांकि समाचार लिखे जाने तक पुलिस की ओर से किसी प्रकार की एफआईआर या अन्य कानूनी कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई थी।

पन्ना जिला अस्पताल में जलभराव पर दायर जनहित याचिका खारिज

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने पन्ना जिला अस्पताल में बारिश के दौरान हुए जलभराव को चुनौती देने वाली जनहित याचिका निरस्त कर दी। एसीजे विवेक रूसिया व जस्टिस प्रदीप मित्तल की डिवीजन बेंच ने कहा कि अत्यधिक वर्षा के कारण कभी-कभी जलभराव की स्थिति बन जाती है। यह स्थानीय प्रशासन के स्तर पर समाधान योग्य विषय है, इसलिए इसे जनहित याचिका के रूप में सुनवाई योग्य नहीं माना जा सकता। जनहित याचिका पन्ना निवासी महंत पंडित राजेश दीक्षित ने दायर की थी। उनका कहना था कि सात जुलाई, 2026 को जिला अस्पताल परिसर में भारी जलभराव होने से मरीजों और उनके स्वजनों को गंभीर परेशानियों का सामना करना पड़ा। इस घटना को स्थानीय समाचार पत्रों में प्रमुखता से प्रकाशित किया गया था। याचिका दायर करने से पहले कलेक्टर को कानूनी नोटिस भी भेजा गया था। मामले में प्रमुख सचिव, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग, कलेक्टर पन्ना, मुख्य चिकित्सा व स्वास्थ्य अधिकारी, सिविल सर्जन जिला अस्पताल तथा नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी को पक्षकार बनाया गया था। प्रारंभिक सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने स्पष्ट किया कि इस प्रकार की समस्या का निराकरण स्थानीय प्रशासन की जिम्मेदारी है और इसी टिप्पणी के साथ याचिका का पटाक्षेप कर दिया।

जिला बार एसोसिएशन चुनाव

एमपी स्टेट बार काउंसिल ने गठित की तदर्थ कमेटी

नए सिरे से कराया जाएगा स्थगित हुआ मतदान

जिला बार एसोसिएशन चुनाव में बैलेट पेपर पर पहले से सील लगे होने के आरोपों के बाद उपजे विवाद पर एमपी स्टेट बार काउंसिल ने बड़ा फैसला लिया है। परिषद ने सोमवार को हुई अधूरी मतदान प्रक्रिया को निरस्त करते हुए नए सिरे से निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव कराने के लिए सात सदस्यीय तदर्थ समिति गठित कर दी है।

जबलपुर। समिति अब मतदाता सूची से लेकर नामांकन, मतदान और मतगणना तक संपूर्ण प्रक्रिया संचालित करेगी। यह आदेश महाधिवक्ता व एमपी स्टेट बार काउंसिल के पदेन अध्यक्ष प्रशांत सिंह की स्वीकृति के बाद जारी किया गया।

उल्लेखनीय है कि सोमवार को मतदान के दौरान कुछ बैलेट पेपर पर पहले से सील लगी होने की शिकायत सामने आने पर बार परिसर में हंगामा मच गया था। विवाद बढ़ने पर मतदान बीच में ही रोकना पड़ा। मामला प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश कृष्णमूर्ति मिश्रा के संज्ञान में पहुंचा, जिसके बाद पुलिस की मौजूदगी में मतपेटियां सीज कर सुरक्षित रखवाई गईं। घटनाक्रम के बीच निर्वाचन अधिकारी जी.एस. ठाकुर ने स्वयं को निर्वाचन कार्य से दायित्वमुक्त करने की घोषणा भी कर दी थी। घटनाक्रम की गंभीरता को देखते हुए स्टेट बार काउंसिल ने पूर्व निर्वाचन प्रक्रिया समाप्त कर तदर्थ समिति को संपूर्ण चुनाव कराने का अधिकार सौंप दिया है। आदेश में स्पष्ट किया गया है कि समिति स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं पारदर्शी ढंग से पूरी चुनाव प्रक्रिया संपन्न कराएगी।

अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय सहित अन्य सदस्य नियुक्त

तदर्थ समिति के अध्यक्ष वरिष्ठ अधिवक्ता दिनेश उपाध्याय बनाए गए हैं, जिन्हें पूर्व में हाई कोर्ट बार चुनाव दो बार निर्विवाद सम्पन्न कराने का अनुभव है। कमेटी के सदस्यों में वरिष्ठ अधिवक्ता प्रहलाद चौधरी, राजकुमार दुबे, संपूर्ण तिवारी, अभय सिंह ठाकुर, प्रवीण चतुर्वेदी व अरविंद कुमार चौधरी शामिल हैं। समिति को जिला बार एसोसिएशन का चुनाव शांतिपूर्ण व निष्पक्ष ढंग से संपन्न कराने की जिम्मेदारी सौंपी गई है।

सीएनजी पंपों पर उपभोक्ता शिकायतों की जांच शुरू छह पंपों के लिए गठित दल

जबलपुर। सीएनजी के नाम पर उपभोक्ताओं के साथ कथित अनियमितता की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए जिला प्रशासन ने जिले के छह सीएनजी पंपों की जांच के लिए अलग-अलग जांच दल गठित किए हैं। कलेक्टर कार्यालय की शिकायत शाखा द्वारा जारी आदेश के अनुसार संबंधित पंपों की तथ्यात्मक जांच कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। जांच के लिए गठित दलों में संबंधित क्षेत्र के तहसीलदार, जिला आपूर्ति विभाग के अधिकारी एवं संबंधित ऑयल कंपनी के सेल्स अधिकारी शामिल किए गए हैं। जिन पंपों की जांच की जा रही है, उनमें रांझी स्थित आईओसीएल सीबीजी पंप, विजयनगर स्थित एचपीसीएल पंप, महाराजपुर स्थित बीपीसीएल पंप, अंधमुख बायपास स्थित एचपीसीएल पंप, तिलवारा स्थित एचपीसीएल पंप एवं तेवर स्थित बीपीसीएल पंप शामिल हैं। इसी क्रम में जांच अधिकारियों द्वारा बीपीसीएल तेवर एवं एचपी घाना पंप में सीबीजी से संबंधित बिंदुओं की जांच की गई। अपर कलेक्टर द्वारा जारी आदेश में जांच दलों को शिकायत में उल्लेखित सभी बिंदुओं की विस्तृत जांच कर स्पष्ट अभिमत सहित तीन दिवस के भीतर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं।

न्यायालय के कर्मचारियों से अधिक वेतन वसूली पर हाईकोर्ट की रोक

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने मंडला जिला एवं सत्र न्यायालय में कार्यरत कर्मचारियों को राहत प्रदान की है। जस्टिस आनंद पाठक व जस्टिस विनय सराफ की डिवीजन बेंच ने उनसे अधिक वेतन की वसूली के आदेश पर अंतरिम रोक लगा दी। याचिकाकर्ताओं निलोफर कुरैशी सहित अन्य की ओर से अधिवक्ता रावेंद्र तिवारी ने पक्ष रखा। दलील दी कि याचिकाकर्ता जिला न्यायालय, मंडला के कार्यरत कर्मचारी हैं और कथित गलत वेतन निर्धारण के आधार पर उनसे अधिक वेतन की वसूली का आदेश जारी किया गया था। सर्वोच्च न्यायालय के रफीक मसीह निर्णय का हवाला देते हुए दलील दी गई कि तृतीय श्रेणी के कर्मचारियों से इस प्रकार की वसूली नहीं की जा सकती। प्रारंभिक सुनवाई के बाद हाई कोर्ट ने अगली सुनवाई तक वसूली आदेश के प्रभाव एवं संचालन पर अंतरिम रोक लगा दी है। मामले की अगली सुनवाई सितंबर 2026 में होगी।

फायर सेफ्टी एक्ट लाने पर मुख्यमंत्री और नगरीय प्रशासन मंत्री का जताया आभार

फायरमैन की वर्दी पहन विधानसभा पहुंचे विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय

हरिभूमि, भोपाल/जबलपुर।

मध्यप्रदेश विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को जबलपुर उत्तर-मध्य के भाजपा विधायक डॉ. अभिलाष पाण्डेय फायरमैन की वर्दी पहनकर विधानसभा पहुंचे। उन्होंने प्रदेश में फायर सेफ्टी एक्ट लाने की पहल पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यह कानून नागरिकों की सुरक्षा की दिशा में ऐतिहासिक कदम साबित होगा।

डॉ. पाण्डेय ने कहा कि उन्होंने 25 फरवरी 2026 को विधानसभा में ध्यानाकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से मध्यप्रदेश में फायर सेफ्टी एक्ट लागू करने की आवश्यकता प्रमुखता से उठाई थी। अब सरकार इस दिशा में आगे बढ़ रही है, जिससे प्रदेशभर में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत किया जा सकेगा।

उन्होंने कहा कि जबलपुर उत्तर विधानसभा सहित पूरा महाकौशल क्षेत्र प्रमुख व्यापारिक केंद्र है, जहां प्रतिदिन हजारों लोग आते-जाते हैं। क्षेत्र में पूर्व में हुई अग्नि दुर्घटनाओं ने यह महसूस कराया कि व्यापारिक प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक भवनों में प्रभावी फायर सेफ्टी व्यवस्था सुनिश्चित करना समय की आवश्यकता है। ऐसे में फायर सेफ्टी एक्ट लोगों के जीवन और संपत्ति की सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण साबित होगा। विधानसभा परिसर में मीडिया से चर्चा के दौरान विधायक ने लोगों से भी फायर सेफ्टी के नियमों का पालन करने और सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह कानून केवल कानूनी प्रावधान नहीं, बल्कि लोगों की जान बचाने का संकल्प है।

क्या बोले डॉ. अभिलाष पाण्डेय

फायर सेफ्टी एक्ट व्यापारियों, कर्मचारियों और आम नागरिकों को सुरक्षित वातावरण देने की दिशा में बड़ा कदम है। सरकार ने विधानसभा में उठाई गई मांग को गंभीरता से लिया है, इसके लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय का आभार व्यक्त करता हूं।

जनसुनवाई सिर्फ औपचारिकता बनकर रह गई?

बैठकों में व्यस्त अफसर दफ्तरों के चक्कर काटती जनता

जबलपुर। सरकारी दफ्तरों में इन दिनों एक नई कार्यसंस्कृति तेजी से दिखाई दे रही है। कभी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, कभी समीक्षा बैठक, कभी विभागीय समन्वय बैठक तो कभी योजनाओं की प्रगति की समीक्षा। नतीजा यह है कि अधिकारी घंटों बैठकों में व्यस्त रहते हैं, जबकि अपने काम से दफ्तर पहुंचने वाली आम जनता इंतजार और निराशा के अलावा कुछ हासिल नहीं कर पा रही।

प्रदेश सरकार समय-समय पर प्रशासनिक कसावट और योजनाओं की निगरानी के लिए लगातार बैठकें कर रही है, लेकिन जमीनी स्तर पर इसका दूसरा पहलू भी सामने आ रहा है। कई विभागों में अधिकारी अधिकांश समय बैठकों में रहने के कारण आम नागरिकों के आवेदन, शिकायतें और व्यक्तिगत सुनवाई प्रभावित हो रही है। दूर-दराज से आने वाले लोग घंटों इंतजार करने के बाद बिना काम कराए वापस लौटने को मजबूर हैं।

सबसे ज्यादा सवाल जनसुनवाई व्यवस्था पर उठ रहे हैं। हर मंगलवार आयोजित होने वाली जनसुनवाई का उद्देश्य लोगों की शिकायतों का त्वरित समाधान करना था, लेकिन हकीकत में अधिकांश मामलों में केवल आवेदन लेकर उन्हें संबंधित विभागों को भेज दिया जाता है। शिकायतों का समयबद्ध निराकरण नहीं होने से बड़ी संख्या में लोग बार-बार उसी समस्या को लेकर दफ्तरों के चक्कर काट रहे हैं।

प्रशासनिक सूत्रों का कहना है कि अधिकारियों पर लगातार बैठकों और रिपोर्टिंग का दबाव इतना बढ़ गया है कि फील्ड निरीक्षण और आम नागरिकों से सीधे संवाद का समय लगातार कम होता जा रहा है। यही वजह है कि कई मामलों में शिकायतों का समाधान कागजों तक सीमित रह जाता है।

प्रशासनिक जानकारों का मानना है कि समीक्षा बैठकें और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग शासन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, लेकिन यदि इनकी अधिकता के कारण जनता के काम प्रभावित होने लगें तो पूरी व्यवस्था का उद्देश्य ही कमजोर पड़ जाता है। शासन की सफलता बैठकों की संख्या से नहीं, बल्कि आम नागरिक की समस्या के समाधान से तय होती है।

अब जरूरत इस बात की है कि बैठकों और जनसेवा के बीच संतुलन बनाया जाए। अधिकारियों के लिए ऐसा समय निर्धारित हो, जब वे बिना किसी बैठक के आम लोगों से सीधे मिल सकें और शिकायतों का मौके पर निराकरण कर सकें। वरना जनसुनवाई केवल औपचारिक कार्यक्रम बनकर रह जाएगी और जनता के मन में प्रशासन के प्रति भरोसा लगातार कम होता जाएगा।

हाई कोर्ट ने एमपी पुलिस की जांच पर नाराजगी जताई

साइबर अपराधों का मामला

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने साइबर ठगी के एक मामले की सुनवाई के दौरान मध्य प्रदेश पुलिस की जांच पर कड़ी नाराजगी जताई। जस्टिस हिमांशु जोशी की सिंगल बेंच ने कहा कि ऐसी देरी से ठगी गई रकम की बरामदगी की संभावना लगातार कम होती जाती है। वहीं असम पुलिस द्वारा महज 11 दिन में मुख्य आरोपित को गिरफ्तार कर मध्यप्रदेश पुलिस को सौंपने की कार्रवाई की सराहना की। हाई कोर्ट ने सुनवाई के दौरान साइबर अपराधों की जांच में राज्यों, बैंकों और केंद्रीय एजेंसियों के बीच समन्वय की कमी पर भी गंभीर चिंता व्यक्त की। कोर्ट ने कहा कि साइबर अपराध अब किसी एक राज्य तक सीमित नहीं हैं, इसलिए इनके लिए तकनीक आधारित, समयबद्ध और समन्वित राष्ट्रीय व्यवस्था विकसित करना समय की आवश्यकता है। कोर्ट ने एडवोकेट आयुष तिवारी को एमिकस क्यूरी नियुक्त कर इस संबंध में सुझाव भी मांगे हैं। मंगलवार को इस मामले की सुनवाई के दौरान पश्चिम बंगाल और झारखंड के डीजीपी के व्यक्तिगत रूप से उपस्थित नहीं होने पर भी कोर्ट ने नाराजगी जताई। हालांकि उन्हें अंतिम अवसर देते हुए अगली सुनवाई में वीडियो कान्फ्रेंसिंग से उपस्थित होने की अनुमति दी गई।

चेतावनी और सुरक्षा इंतजाम नदारद, हादसों से भी नहीं लिया सबक

बारिश में खूबसूरत, लेकिन जानलेवा भी... निदान फॉल

जबलपुर। बारिश का मौसम आते ही जिले के प्राकृतिक पर्यटन स्थलों पर लोगों की भीड़ बढ़ने लगी है। हरियाली, झरने और पहाड़ों के बीच सुकून तलाशने पहुंच रहे पर्यटक अक्सर इस बात को नजरअंदाज कर देते हैं कि प्रकृति जितनी खूबसूरत होती है, उतनी ही खतरनाक भी हो सकती है। कटंगी के पास स्थित निदान फॉल इसका सबसे बड़ा उदाहरण बनता जा रहा है, जहां पर्याप्त सुरक्षा इंतजाम नहीं होने से कभी भी बड़ा हादसा हो सकता है।

बारिश के बाद उफान पर आने वाला निदान फॉल इन दिनों युवाओं और पिकनिक मनाने वालों की पसंदीदा जगह बना हुआ है। सप्ताहांत पर बड़ी संख्या में लोग यहां पहुंच रहे हैं। कई युवक चेतावनियों की परवाह किए बिना फिसलन भरे पथरीले रास्तों से होते हुए झरने के बिल्कुल पास और गहरे कुंड तक पहुंच रहे हैं। कुछ लोग चट्टानों से छलांग लगाकर नहाने का जोखिम भी उठा रहे हैं।

स्थानीय लोगों का कहना है कि झरने के नीचे गहरा कुंड है। ऊपर से फिसलने या संतुलन बिगड़ने पर व्यक्ति सीधे गहरे पानी में जा सकता है। बारिश के दौरान अचानक पानी का बहाव बढ़ना यहां सबसे बड़ा खतरा है, लेकिन इसके बावजूद मौके पर न तो पर्याप्त बैरिकेडिंग है और न ही स्थायी सुरक्षा व्यवस्था।

हर बारिश में दोहराया जाता है खतरा

निदान फॉल का इतिहास बताता है कि यहां पहले भी कई हादसे हो चुके हैं। हाल ही में दो युवक चट्टानों पर बैठे थे, तभी अचानक पानी का स्तर बढ़ गया और दोनों बीच चट्टानों पर फंस गए। सूचना मिलने पर पुलिस और वन विभाग की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाकर उन्हें सुरक्षित बाहर निकाला। इससे पहले भी यहां कई दुर्घटनाएं हो चुकी हैं, जिनमें लोगों की जान तक जा चुकी है।

सिर्फ चेतावनी काफी नहीं

कटंगी पुलिस का कहना है कि समय-समय पर लोगों को झरने से दूर रहने की समझाइश दी जाती है, लेकिन सवाल यह है कि केवल चेतावनी देकर जिम्मेदारी पूरी हो जाती है या फिर ऐसे संवेदनशील पर्यटन स्थलों पर स्थायी सुरक्षा व्यवस्था भी जरूरी है?

विधेयक को मंजूरी नहीं देने राज्यपाल से की मांग

एमपीएमएसयू का विभाजन मनमाना और भेदभावपूर्ण

जबलपुर। सरकार द्वारा म.प्र.आयुर्विज्ञान विवि (एमपीएमएसयू) संशोधन विधेयक 2026 तथा म.प्र. धन्वंतरी स्वास्थ विवि विधेयक 2026 के तहत वर्तमान एक मेडिकल यूनिवर्सिटी को दो मेडिकल यूनिवर्सिटी- जबलपुर तथा उज्जैन में बनाने का निर्णय लिया गया है। सरकार का यह नितिगत निर्णय मनमानी तथा भेदभाव पूर्ण है। इससे भारतीय संविधान के प्रावधानों तथा सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों का उल्लंघन हुआ है। लिहाजा विधानसभा द्वारा भेजे जाने वाले इस निर्णय को महामहिम राज्यपाल मंजूरी प्रदान नहीं करें, यह इमेल आज डॉ. पी. जी. नाजपांडे तथा रजत भार्गव ने राजभवन भोपाल के प्रमुख सचिव डॉ. नवनीत कोठारी को भेजा है।

नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) के विभाजन के प्रस्ताव का कड़ा विरोध करते हुए इसे मनमाना, भेदभावपूर्ण और संविधान की भावना के विपरीत बताया है। मंच ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि विधानसभा द्वारा पारित मध्यप्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक-2026 तथा मध्यप्रदेश धन्वंतरि स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय विधेयक-2026 को मंजूरी न दी जाए।

मंच का कहना है कि प्रस्तावित व्यवस्था में दोनों विश्वविद्यालयों के बीच समानता नहीं रखी गई है। जारी आंकड़ों के अनुसार उज्जैन विश्वविद्यालय के अंतर्गत 6 संभागों के 31 जिले आएंगे, जबकि जबलपुर विश्वविद्यालय के हिस्से में केवल 4 संभागों के 24 जिले रहेंगे। इसी प्रकार 85 संबद्ध कॉलेजों में से 60 कॉलेज उज्जैन और मात्र 25 कॉलेज जबलपुर को दिए गए हैं। वहीं लगभग 16 हजार विद्यार्थियों में से 14 हजार उज्जैन तथा केवल 2 हजार विद्यार्थी जबलपुर विश्वविद्यालय के अधीन रहेंगे। मंच ने आरोप लगाया कि कार्यक्षेत्र, कॉलेजों और विद्यार्थियों की संख्या में भारी असमानता के कारण जबलपुर मेडिकल विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय पहचान प्रभावित होगी और उसकी शैक्षणिक गुणवत्ता एवं प्रतिष्ठा पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने राज्यपाल से आग्रह किया है कि इस विधेयक पर पुनर्विचार करते हुए इसे स्वीकृति न दें, ताकि प्रदेश में चिकित्सा शिक्षा व्यवस्था संतुलित और न्यायसंगत बनी रहे।

जबलपुर ने योगा, उज्जैन ने चेस में जीती ओवरऑल चैंपियनशिप

जबलपुर। क्राइस्ट चर्च आईएससी स्कूल में आयोजित दो दिवसीय प्रांतीय योगा एवं चेस प्रतियोगिता का समापन पुरस्कार वितरण समारोह के साथ हुआ। प्रतियोगिता में इंदौर, उज्जैन, भोपाल, ग्वालियर एवं जबलपुर जोन के लगभग 130 खिलाड़ियों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। समापन समारोह में विद्यालय के प्राचार्य साजी थामस ने विजेता खिलाड़ियों को स्वर्ण, रजत एवं कांस्य पदक प्रदान कर सम्मानित किया। योगा स्पर्धा की 24 श्रेणियों में हुए मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करते हुए जबलपुर जोन ने ओवरऑल चैंपियनशिप अपने नाम की। वहीं चेस प्रतियोगिता की 18 श्रेणियों में श्रेष्ठ प्रदर्शन कर उज्जैन जोन ने ओवरऑल चैंपियनशिप ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। इस अवसर पर योगा एसोसिएशन के सचिव दिनेश सिंह ठाकुर एवं चेस एसोसिएशन के उत्कर्ष अग्रवाल विशेष रूप से उपस्थित रहे। प्रतियोगिता को सफल एवं निष्पक्ष बनाने में सचिन कुमार तिवारी, शिवम गुप्ता, देवेंद्र मिश्रा, युक्ता शर्मा, डॉ. रचना जैन सहित अन्य निर्णायकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। कार्यक्रम का संचालन रागिनी शुक्ला एवं सैमुअल योगी ने किया। प्राचार्य साजी थामस ने सभी खिलाड़ियों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए विजेताओं को शुभकामनाएं दीं।

राखियों की समय पर डिलीवरी के लिए बनेंगे अलग

रक्षाबंधन पर डाक विभाग की विशेष तैयारी

जबलपुर। भाई-बहन के अटूट स्नेह के पर्व रक्षाबंधन को लेकर डाक विभाग ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इस बार बहनों की राखियां समय पर भाइयों तक पहुंचें, इसके लिए जबलपुर प्रधान डाकघर में विशेष राखी काउंटर बनाए जाएंगे। इन काउंटरों पर केवल राखी और उससे संबंधित डाक सामग्री की बुकिंग की जाएगी, जिससे त्योहार के दौरान बढ़ने वाली भीड़ के बीच भी डाक सेवाएं सुचारु रूप से संचालित हो सकें। डाक विभाग के अधिकारियों के अनुसार रक्षाबंधन के दौरान हर वर्ष बड़ी संख्या में राखियां भेजी जाती हैं। इसे देखते हुए इस बार पहले से बेहतर व्यवस्था की गई है। प्रधान डाकघरों में अतिरिक्त कर्मचारियों की तैनाती, सहायता केंद्र और विशेष निगरानी की व्यवस्था रहेगी, ताकि किसी भी प्रकार की देरी या असुविधा न हो।

लंबी कतारों से मिलेगी राहत

विशेष राखी काउंटर बनाए जाने से सामान्य डाक सेवाएं प्रभावित नहीं होंगी और राखी भेजने आने वाले लोगों को अलग से सुविधा मिलेगी। विभाग का उद्देश्य त्योहार के दौरान भीड़ को व्यवस्थित रखना और बुकिंग प्रक्रिया को तेज करना है। अतिरिक्त स्टाफ की तैनाती से लोगों का इंतजार भी कम होगा।

विदेश भेजी जाने वाली राखियों पर भी विशेष ध्यान

डाक विभाग इस बार विदेशों में रहने वाले भाइयों तक भी राखियां समय पर पहुंचाने के लिए विशेष अभियान चला रहा है। अंतरराष्ट्रीय डाक से राखी भेजने वालों को समय पर बुकिंग कराने, सही पैकिंग और आवश्यक औपचारिकताओं की जानकारी भी दी जाएगी, ताकि विदेश भेजी जाने वाली राखियां निर्धारित समय पर अपने गंतव्य तक पहुंच सकें।

समय पर करें बुकिंग

डाक विभाग ने लोगों से अपील की है कि रक्षाबंधन नजदीक आने का इंतजार करने के बजाय राखियों की बुकिंग समय रहते करा दें। इससे डाक पर अचानक बढ़ने वाले दबाव को कम किया जा सकेगा और राखियां समय पर सुरक्षित अपने गंतव्य तक पहुंच सकेंगी।

70वीं अंतरशालेय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता संपन्न, खिलाड़ियों ने दिखाया दमखम

जबलपुर। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित 70वीं अंतरशालेय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता (2026-27) का आयोजन 20 से 22 जुलाई तक मंगेली स्थित श्रमोदय आवासीय विद्यालय में संपन्न हुआ। प्रतियोगिता में अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने उत्साह के साथ भाग लेकर उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन किया। अंडर-14 बालिका वर्ग में पंखुड़ी चौधरी (एमएलबी), फरीन जाकिर (एमएलबी), शानवी राजपूत (औटे नारबट), आराध्या गुप्ता (शासकीय हाई स्कूल करोंदे), दर्शा चौधरी (सेंट जोसेफ), नायशा बजाज एवं आरोही दुबे ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक हासिल किए। वहीं सोनिया रायकवार, शिक्षा बर्मन, सिद्धी ठाकुर, भक्ति जोबनपुत्रा, प्रियांशी राय, मानवी यादव एवं मनस्वी जैन ने रजत एवं कांस्य पदक जीते। अंडर-17 बालिका वर्ग में मुस्कान बर्मन, मिति सिंह राजपूत, अर्चना पासवान, आफरीन खातून, अलीशा सोनकर, प्रेरणा ठाकुर, ज्योत्सना पांडे, कृतिका खियानी, अंकिता साकेत, नव्या मिश्रा, तनु मेहरा, साक्षी ठाकुर, भूमिका यादव एवं युधिक्षा पासवानी ने विभिन्न भार वर्गों में शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक प्राप्त किए।

एक पेड़ माँ के नाम’ अभियान के तहत रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय में किया गया पौधारोपण

जबलपुर। राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) एवं मिशन लाइफ के अंतर्गत नगर निगम द्वारा संचालित स्वच्छ वायु जनजागरूकता अभियान के तहत जोन क्रमांक-11 के वार्ड क्रमांक-79 स्थित रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय परिसर में “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के तहत पौधारोपण किया गया। कार्यक्रम में डॉ. अपर्णा अवस्थी, डॉ. पूर्णिमा व्यवहार, डॉ. संस्काला पटेल, डॉ. एम.एल. केवट, श्रीमती श्रेणी दुबे, श्रीमती आभा तिवारी, श्री रूद्र, जयस एवं तान्या सहित कृषि विज्ञान विभाग के प्राध्यापक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रतिभागियों को स्वच्छ वायु, हरित आवरण बढ़ाने तथा लगाए गए पौधों के संरक्षण के महत्व की जानकारी दी गई। सभी ने अधिक से अधिक वृक्षारोपण करने और पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय सहभागिता का संकल्प लिया।

नर्मदा तट से दूरी के आदेश पर सवाल, भेड़ाघाट मार्ग पर मदिरा दुकान को लेकर विरोध

भेड़ाघाट। विश्व प्रसिद्ध पर्यटन स्थल भेड़ाघाट मार्ग पर नर्मदा तट से निर्धारित दूरी के नियमों को लेकर स्थानीय नागरिकों ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। क्षेत्रवासियों का कहना है कि नर्मदा तट से 5 किलोमीटर की दूरी पर मदिरा दुकान संचालित किए जाने के शासन निर्देशों के बावजूद भेड़ाघाट मार्ग पर देशी-विदेशी मदिरा दुकान संचालित हो रही है। स्थानीय लोगों के अनुसार यह मार्ग सरस्वती घाट सहित प्रमुख धार्मिक एवं पर्यटन स्थलों की ओर जाता है, जहां नर्मदा परिक्रमा करने वाले श्रद्धालु, पर्यटक एवं धार्मिक आयोजनों में शामिल होने वाले लोग बड़ी संख्या में आवागमन करते हैं। नागरिकों का कहना है कि शाम के समय दुकान के आसपास शराब पीने वालों की भीड़ से महिलाओं एवं श्रद्धालुओं को असुविधा का सामना करना पड़ता है। क्षेत्रवासियों ने यह भी आरोप लगाया कि भेड़ाघाट क्षेत्र में अवैध शराब बिक्री की शिकायतें भी सामने आती रहती हैं, जिससे सामाजिक वातावरण प्रभावित हो रहा है। उन्होंने शासन-प्रशासन से धार्मिक आस्था एवं पर्यटन स्थल की गरिमा को देखते हुए मदिरा दुकान को अन्यत्र स्थानांतरित करने की मांग की है। समाजसेवी अंबिका श्रीवास, आमाहिनौता भेड़ाघाट ने कहा कि शासन के निर्देशों के अनुसार नर्मदा तट से निर्धारित दूरी पर ही मदिरा दुकान होना चाहिए, इसलिए भेड़ाघाट क्षेत्र में संचालित दुकान को शीघ्र हटाया जाना चाहिए। वहीं समाजसेवी विजय पाण्डेय, शिल्पी नगर भेड़ाघाट ने कहा कि पर्यटन स्थल क्षेत्र में शराब बिक्री पर नियंत्रण आवश्यक है, ताकि क्षेत्र में शांतिपूर्ण वातावरण बना रहे।

निर्मला इंग्लिश मीडियम स्कूल में एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत वृक्षारोपण

जबलपुर। निर्मला इंग्लिश मीडियम स्कूल, कांचघर में पर्यावरण संरक्षण के उद्देश्य से “एक पेड़ माँ के नाम” अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल करने एवं अधिक से अधिक वृक्ष लगाने का संकल्प लिया। विद्यालय प्रबंधन ने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए प्रत्येक व्यक्ति को पौधारोपण एवं संरक्षण में अपनी भागीदारी निभानी चाहिए।

मशीन वाले बाबा की दरगाह में अकीदत के साथ उर्स शरीफ संपन्न

जबलपुर। घंटाघर स्थित हज़रत सआदत हुसैन नक्शबंदी “मशीन वाले बाबा” की दरगाह में सालाना उर्स शरीफ अकीदत एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। उर्स में शहर सहित आसपास के क्षेत्रों से बड़ी संख्या में अकीदतमंदों ने पहुंचकर दरगाह पर हाजिरी दी, चादर पेश की और नजरो-नियाज अदा की। उर्स के दौरान विभिन्न क्षेत्रों से सजी हुई चादर शरीफ के जुलूस दरगाह पहुंचे। बैंड-बाजों एवं शहनाई पर गूंजती नातिया और मनकबती धुनों से वातावरण रूहानी हो गया। दरगाह शरीफ को आकर्षक विद्युत सज्जा से सजाया गया था। नमाज-ए-अस्त्र के बाद शाही संदल एवं चादर शरीफ मज़ार-ए-अकदस पर पेश कर गुलपोशी की गई। इस अवसर पर मुल्क में अमन, तरक्की और खुशहाली के लिए विशेष दुआएं की गईं तथा अकीदतमंदों में तबर्रुक वितरित किया गया। रात्रि में महफिल-ए-मिलाद शरीफ का आयोजन हुआ, जिसमें नात-ओ-मनकबत पेश की गईं। नमाज-ए-फज्र के बाद कुल शरीफ की नियाज के साथ उर्स का समापन हुआ। दरगाह शरीफ के खादिम हाजी मुहम्मद शफी ने सभी अकीदतमंदों का आभार व्यक्त किया।

जिला शालेय जूडो स्पर्धा में लिटिल चैम्प स्कूल का शानदार प्रदर्शन, 9 खिलाड़ियों ने जीते स्वर्ण पदक

जबलपुर। जिला शिक्षा अधिकारी जबलपुर के मार्गदर्शन एवं नर्मदा नर्सरी तथा वल्लभ उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हनुमानताल के संयोजन में आयोजित जिला स्तरीय शालेय बालक-बालिका जूडो प्रतियोगिता 2026 में लिटिल चैम्प सीनियर सेकेंडरी स्कूल के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 9 स्वर्ण पदक हासिल किए और संभाग स्तरीय प्रतियोगिता के लिए चयनित हुए। विद्यालय की प्राचार्या शायदा अली ने बताया कि प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न शासकीय एवं अशासकीय विद्यालयों के 275 से अधिक खिलाड़ियों ने भाग लिया। कड़े मुकाबलों के बीच लिटिल चैम्प स्कूल के खिलाड़ियों ने विभिन्न भार वर्गों में प्रथम स्थान प्राप्त कर विद्यालय का गौरव बढ़ाया। स्वर्ण पदक विजेताओं में बालक-बालिका 14 वर्ष वर्ग से इर्तिका कशफ (-32 किग्रा), जोबिया फातिमा (-36 किग्रा), मोहम्मद शाद नवाज (-30 किग्रा), अनस मंसूरी (-35 किग्रा), साकिब अंसारी (-40 किग्रा) तथा 17 वर्ष वर्ग से अरहान आलम (-60 किग्रा), अफशीन फातिमा (-44 किग्रा), अक्शा मंसूरी (-57 किग्रा), सोमिया सिद्दीकी (-63 किग्रा) शामिल हैं।

ग्राम करारी में स्वच्छता पर्व मनाया नशामुक्ति एवं पौधारोपण का लिया संकल्प

पाटन। ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति ग्राम करारी के तत्वावधान में स्वच्छता पर्व का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जन अभियान परिषद की नवांकुर संस्था वीर दुर्गादास राठौड़ जनमानस कल्याण संस्था द्वारा ग्रामीणों को नशामुक्ति अभियान एवं स्वच्छता का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर “एक पेड़ मां के नाम” अभियान के तहत पौधारोपण भी किया गया। उपस्थित लोगों ने पर्यावरण संरक्षण एवं लगाए गए पौधों की देखभाल का संकल्प लिया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत के सदस्य, प्रस्फुटन समिति अध्यक्ष रोशनी ठाकुर, सचिव रश्मि ठाकुर, समिति के सदस्य एवं बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ताइक्वांडो में बेटियों ने दिखाया दम, उत्कृष्ट प्रदर्शन से निर्णायकों को किया प्रभावित

जबलपुर। मंगेली स्थित श्रमोदय आवासीय विद्यालय में आयोजित 70वीं अंतरशालेय जिला स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में जिले के खिलाड़ियों ने शानदार खेल कौशल का प्रदर्शन किया। अंडर-14, अंडर-17 एवं अंडर-19 बालक-बालिका वर्ग में खिलाड़ियों ने अपनी तकनीक, फुर्ती और आत्मविश्वास से निर्णायकों को प्रभावित किया।प्रतियोगिता का शुभारंभ जिला खेल अधिकारी मधुमिता हाजरा एवं हेमंत परखे ने मैट पूजन कर किया। इस अवसर पर सारिका सिंह, चंद्रशेखर स्वामी एवं रूही श्रीवास्तव उपस्थित रहे। आयोजन में विद्यालय के प्राचार्य, शारीरिक शिक्षा विभाग के विद्यार्थियों एवं स्थानीय आयोजकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

बालिका वर्ग में खिलाड़ियों ने बड़ी संख्या में स्वर्ण पदक हासिल किए। अंडर-14 वर्ग में पंखुड़ी चौधरी, फरीन जाकिर, शानवी राजपूत, सोनिया रायकवार, दर्शा चौधरी, नायशा बजाज और अरोही दुबे ने स्वर्ण पदक जीते। अंडर-17 वर्ग में मुस्कान बर्मन, मिथी सिंह राजपूत, अर्चना पासवान, आफरीन खातून, अलीशा सोनकर, प्रेरणा मेहरा, ज्योत्सना पांडे, कृतिका खियानी, अंकिता साकेत, नव्या मिश्रा, साक्षी ठाकुर और भूमिका यादव ने स्वर्ण पदक प्राप्त किए। वहीं अंडर-19 बालिका वर्ग में अनमोल काछी, प्रिया परस्ते, वैष्णवी कोरी, रिया यादव, सिमरन कुशवाहा, सेजल कोल, याशिका यादव, साक्षी बर्मन एवं आकांक्षा अहिरवार ने स्वर्ण पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के शानदार प्रदर्शन पर आयोजकों एवं उपस्थित अतिथियों ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

किसान हितेषी योजना धरातल से नदारत: रमेश पटैल

किसानों ने सीएम के नाम सौंपा ज्ञापन

सिहोरा। केन्द्र एवं म.प्र शासन द्वारा किसानों के हित में अनेक विभागों से अनेक योजनाएं संचालित तो कर दी लेकिन शासन के उदासीन रवैये के कारण किसान हितैषी योजना धरातल से नदारद है उक्त आशय का आरोप भारतीय किसान यूनियन के जिलाध्यक्ष एडवोकेट रमेश पटेल ने लगाते हुए किसानों की समस्या के तत्काल निराकरण की मांग की।भारी संख्या में किसानों के साथ पहुंचे जिलाध्यक्ष ने प्रदेश सरकार के मुखिया के नाम का ज्ञापन सिहोरा तहसीलदार को सौपकर किसानों की समस्या से अवगत कराया। विदित हो किसानो को अपने कार्यों में अत्यंत कठिनाईयों का सामना करना पड़ रहा है। किसान यूनियन ने ज्ञापन के माध्यम से मांग की है कि वर्तमान सत्र में अभी तक मूंग खरीदी शासन द्वारा प्रारंभ न करने से किसानो को आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। तत्काल प्रभाव से प्रारंभ की मूंग की खरीदी जावे।इसके अलावा अमेरिका के साथ कृषि उत्पात एवं डेयरी से संबंधित ट्रेड डील को तत्काल निरस्त करने तथा अन्य व्यवसायिक कार्यों के साथ कृषि डील को बाहर रखने, एम.एस.पी गारंटी कानून सभी फसलो पर लागू करने, कृषको को रसायनिक खाद्य डी.ए.पी./ यूरिया की उपलब्धता सुनिश्चित करने, ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित न होने एवं फेल ट्रांस्फार्मरों का समय से न बदले जाने से किसानों को अत्याधिक कठिनाईया हो रही है तथा पूर्व में बढ़े हुए कृषि विद्युत बिल तत्काल पूर्व की तरह स्वीकृत भार के अनुसार सुधारे जावे। सिचाई विभाग द्वारा नहरों के मॅन्टेनेन्स एवं सुधार कार्य न होने से किसानों को सिचाई के समय अत्याधिक कठिनाई हो रही है जिससे धान की फसल पर विपरीत प्रभाव पड़ता है एवं कृषकों को नुकसान होता है।कृषि उपज मंडी सिहोरा में नगद भुगतान पर मुदत काटी जाती है. एवं चोरी की समस्या बनी रहती है जो तत्काल सुधारी जावे।

यूनियन ने किसानों की मांगो का शीघ्र निराकरण करने हुनु आवश्यक कार्यवाही कर दिशा निर्देश जारी किये जावे जिससे किसानों को किसी भी प्रकार की कठिनाइयों से बचाया जा सके तथा आंदोलन करने बाध्य न होना पड़े। इस अवसर पर अनिल पटैल,लक्ष्मी नारायण पटैल विनय, सुरेंद्र, गंगा, संदीप, प्रदीप, राधे, विजय, महेन्द्र, ओम प्रकाश, सुनील पटैल सहित अनेक किसान उपस्थित रहे।

शैक्षणिक संस्थाओं में अध्ययनरत बीड़ी छात्रों के छात्रवृत्ति हेतु आवेदन की तिथि घोषित

सिहोरा। शैक्षणिक सत्र-2026-27 के लिए शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता (छात्रवृत्ति) योजना के अंतर्गत मान्यता प्राप्त शिक्षण संस्थाओं में अध्ययनरत बीड़ी,चूना पत्थर एवं डोलोमाईट व लौह-मैग्नीज-क्रोम अयस्क खदान श्रमिक एवं उनके बच्चों को शिक्षा हेतु वित्तीय सहायता (छात्रवृत्ति) योजनांतर्गत कक्षा 1 से उच्च शिक्षा ग्रहण करने के तथा योजना का लाभ प्राप्त करने हेतु पात्र छात्र-छात्राओं के लिए नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर ऑनलाईन आवेदन करने की प्रक्रिया 1 जून से प्रारम्भ हो चुकी है जिसकी अंतिम तिथि प्री.मेट्रिक हेतु 31अगस्त एवं पोस्ट मेट्रिक हेतु दिनांक-31अक्टूबर 2026 है। छात्रवृत्ति हेतु आवेदन करने के लिए ओ.टी.आर व फेस ओथेंटिकेशन प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य है। आवेदन की पात्रता व संबंधित अन्य जानकारी/शर्तें नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर भी उपलब्ध है।

श्री उदय प्रकाश सिंह- घंटाघर के निकट ओमती निवासी श्री उदय प्रकाश सिंह (58) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री नरेश कुमार सेन- इंद्रा बस्ती एलआईसी के पास मदनमहल निवासी श्री जानकी प्रसाद सेन के पुत्र श्री नरेश कुमार सेन (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री दिलीप कुशवाहा- शैल विहार रामपुर निवासी श्री ठाकुरदीन कुशवाहा के पुत्र श्री दिलीप कुशवाहा (44) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

सुश्री मनोरमा राठौर- खेरमाई स्थित नर्मदा मैदान के निकट निवासी श्री खेमरण राठौर की पुत्री सुश्री मनोरमा राठौर (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री मनमोहन प्रसाद ठाकुर- पचपेढ़ी रोड साउथ सिविल लाइन निवासी श्री मनमोहन प्रसाद ठाकुर (94) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री दशरथ प्रसाद रैकवार- भोला नगर राधाकृष्णन वार्ड निवासी श्री दशरथ प्रसाद रैकवार (88) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती बराली देवी- बापू नगर रांझी निवासी श्री सन्यासी राव की धर्मपत्नी श्रीमती बराली देवी (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लखनिया बाई- सिद्धघाट पुरानी बस्ती गौरीघाट निवासी श्री सेवक राम की धर्मपत्नी श्रीमती लखनिया बाई (81) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में किया गया।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 90/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 8x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 8x8 से.मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:-9303508294, 9407362100

खबर संक्षेप

अदाणी एनर्जी का लाभ पहली तिमाही में दोगुने से अधिक

नई दिल्ली। अदाणी एनर्जी सॉल्यूशंस का एकीकृत शुद्ध लाभ चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में दोगुने से अधिक होकर 1,236.56 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से आय बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2025-26 की समान तिमाही में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ 538.94 करोड़ रुपये रहा था। आलोच्य तिमाही में कंपनी की कुल आय बढ़कर 9,852.20 करोड़ हो गई, एक साल पहले जून तिमाही में यह 7,025.49 करोड़ रुपये थी।

बजाज ऑटो के लाभ में 42 प्रतिशत की वृद्धि

मुंबई। बजाज ऑटो लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकल आधार पर शुद्ध लाभ 42 प्रतिशत बढ़कर 2,982.84 करोड़ रुपये रहा है। पुणे स्थित वाहन विनिर्माता कंपनी का वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में शुद्ध लाभ 2,095.98 करोड़ रुपये था। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय 37 प्रतिशत बढ़कर 17,243.72 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 12,584.45 करोड़ रुपये थी।

रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 96.24 प्रति डॉलर पर

मुंबई। रुपया शुरुआती गिरावट से उबरते हुए मंगलवार को 12 पैसे मजबूत होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.24 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मुद्रा अदला-बदली सुविधा के तहत जून से अब तक भारत में 20.72 अरब डॉलर का विदेशी मुद्रा प्रवाह हुआ है, जिससे देश के भुगतान संतुलन की स्थिति को महत्वपूर्ण संरचनात्मक समर्थन मिला है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.41 प्रति डॉलर पर खुला।

ब्लूस्टोन का पहली तिमाही में लाभ 5.96 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। ब्लूस्टोन ज्वेलरी एंड लाइफस्टाइल लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 5.96 करोड़ रुपये रहा। बेंगलुरु स्थित आभूषण कंपनी को वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में 34.74 करोड़ रुपये का एकीकृत शुद्ध घाटा हुआ था। कंपनी ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि अप्रैल-जून तिमाही में उसकी कुल आय 49 प्रतिशत बढ़कर 751.81 करोड़ रुपये हो गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 504.74 करोड़ रुपये थी।

टीवीएस मोटर के लाभ में 65 फीसदी का इजाफा

नई दिल्ली। टीवीएस मोटर कंपनी लिमिटेड का चालू वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 65 प्रतिशत बढ़कर 1,057.61 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2025-26 की पहली (अप्रैल-जून) तिमाही में उसका एकीकृत शुद्ध लाभ 642.86 करोड़ रुपये रहा था। मोटर वाहन कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि समीक्षाधीन तिमाही में उसकी परिचालन आय बढ़कर 16,295.52 करोड़ रुपये हो गई जो एक वर्ष पहले की समान अवधि में 12,210.05 करोड़ रुपये थी।

अब नो-नेटवर्क जोन में भी फेल नहीं होगा यूपीआई! एनपीसीआई ला रहा नया फीचर

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

आम लोगों के लिए यूपीआई से जुड़ी खास खबर सामने आई है। अब जल्द ही बिना इंटरनेट के यूपीआई पेमेंट आसानी से हो सकेगा। इस मामले की जानकारी रखने वालों का कहना है कि भारत एक ऐसी यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) सुविधा विकसित कर रहा है, जिससे ग्राहक मर्चेंट के पॉइंट-ऑफ-सेल (पीओएस) टर्मिनल पर तब भी पेमेंट कर सकेंगे, जब दोनों डिवाइस में इंटरनेट न हो। रिपोर्ट के मुताबिक, नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) 2026 में प्रमुख टर्मिनल बनाने वाली कंपनियों के पीओएस डिवाइस को सर्टिफाई करना शुरू कर सकता है। प्रस्तावित सिस्टम में नियर-फील्ड कम्युनिकेशन (एनएफसी) टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा और एनएफसी-इनेबल्ड फोन को ऑफलाइन टर्मिनल पर टैप करके 2,000 रुपए तक का पेमेंट किया जा सकेगा।

फीचर हवाई जहाज अंडरग्राउंड ट्रेन में उपयोगी

रिपोर्ट में कहा गया है कि यह फीचर उन जगहों के लिए बनाया गया है जहां कनेक्टिविटी उपलब्ध नहीं है या भरोसेमंद नहीं है, जिसमें हवाई जहाज के केबिन और अंडरग्राउंड ट्रेन नेटवर्क शामिल हैं। ग्राहक पहले इंटरनेट से कनेक्ट होने पर अपने डिवाइस पर मौजूद यूपीआई लाइट वॉलेट में पैसे लोड करेंगे। इसके बाद, वे बिना यूपीआई पिन डाले ऑफलाइन टर्मिनल पर उस बैलेंस का इस्तेमाल कर सकेंगे।

प्रस्तावित सिस्टम में नियर-फील्ड कम्युनिकेशन टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल होगा

फोन को ऑफलाइन टर्मिनल पर टैप करके 2,000 तक का पेमेंट किया जा सकेगा

पीसीआई से सर्टिफिकेशन की जरूरत

इस मामले की जानकारी रखने वाले एक फिनटेक फर्म के व्यक्ति ने मीडिया रिपोर्ट में कहा कि ऑफलाइन सेटिंग में यूपीआई पेमेंट स्वीकार करने के लिए पीओएस कंपनियों को एनपीसीआई से सर्टिफिकेशन की जरूरत होगी।

ऐप का इस्तेमाल करने टैप करना होगा

एक रिपोर्ट में कहा गया कि यूपीआई ऐप्स के लिए एनएफसी-बेस्ड यूज-केस है। आप ऐप का इस्तेमाल करके टैप करेंगे। भले ही टर्मिनल ऑफलाइन हो, आप 2,000 रुपए तक का पेमेंट कर सकते हैं। यह ऑथराइजेशन को कैप्चर करेगा और नेटवर्क बहाल होने पर वेरिफिकेशन होने के बाद में भेज देगा। बैंक और थर्ड-पार्टी यूपीआई एप्लीकेशन प्रोवाइडर भी अपने ऐप्स में यह सुविधा जोड़ने के लिए काम कर रहे हैं।

2,000 की लिमिट आरबीआई के नियमों से कैसे अलग

बताई गई 2,000 रुपए प्रति-पेमेंट की लिमिट, रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के अभी पब्लिश हुए नियमों की लिमिट से अलग है। RBI का ऑफलाइन डिजिटल-पेमेंट फ्रेमवर्क, जिसे जनवरी 2022 में शुरू किया गया था और आखिरी बार दिसंबर 2024 में अपडेट किया गया था, सामान्य ऑफलाइन ट्रांजैक्शन की लिमिट 500 रुपए और किसी इंस्ट्रूमेंट पर कुल बकाया ऑफलाइन लिमिट 2,000 रुपए तय करता है। यह अलग से 1,000 रुपए तक के यूपीआई लाइट पेमेंट की इजाजत देता है, जिसकी कुल बैलेंस लिमिट 5,000 रुपए है।

यूपीआई लाइट एक्स से क्या बदलाव होगा?

प्रस्तावित फीचर एनपीसीआई द्वारा एनएफसी का पहला इस्तेमाल या ऑफलाइन मर्चेंट-पेमेंट का पहला डॉक्यूमेंटेड तरीका नहीं है। हालांकि, यह ऐसे पेमेंट को सर्टिफाइड पारंपरिक पीओएस टर्मिनलों तक बढ़ाएगा। एनपीसीआई ने सितंबर 2023 में यूपीआई लाइट एक्स पेश किया था ताकि मोबाइल कनेक्टिविटी न होने पर भी ट्रांजैक्शन किए जा सकें। यूपीआई लाइट के उलट, जिसमें पैसे भेजने वाले बैंक के कोर बैंकिंग सिस्टम से रियल-टाइम एक्सेस की जरूरत नहीं होती लेकिन आम तौर पर कनेक्टिविटी की जरूरत होती है, लाइट एक्स को पूरी तरह से ऑफलाइन पेमेंट के लिए डिजाइन किया

अदला-बदली सुविधा के तहत 17 अरब डॉलर से अधिक विदेशी मुद्रा जमा

अदला-बदली सुविधा के तहत एफसीएनआर-बी प्रवाह में विदेशी बैंकों का हिस्सा अधिक

एजेंसी ▶▶| मुंबई

बैंक अधिकारियों ने मंगलवार को कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक की रियायती अदला-बदली सुविधा के तहत जमा किए गए 17 अरब डॉलर से अधिक की विदेशी मुद्रा प्रवासी (बैंक) (एफसीएनआर-बी) जमा में विदेशी बैंकों की हिस्सेदारी अधिक है। बैंक अधिकारियों ने बताया कि अब तक आए कोष में सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बड़े और निजी क्षेत्र के बैंकों की बड़ी हिस्सेदारी है।

आरबीआई ने सोमवार को कहा था कि विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ावा देने के लिए शुरू की गई उसकी रियायती अदला-बदली सुविधा ने 17 जुलाई तक 20.72 अरब डॉलर जुटाए हैं। इसमें 17.41 अरब डॉलर एफसीएनआर-बी से, 1.97 अरब डॉलर ओएफसीबी (विदेशी स्रोतों से विदेशी मुद्रा कर्ज) से और 1.34 अरब डॉलर बाह्य वाणिज्यिक उधारी (ईसीबी) से आए।

कोष का बड़ा हिस्सा विदेशी बैंकों से आया

केंद्रीय बैंक के आंकड़ों के अनुसार, कुल कोष में एफसीएनआर(बी) जमा का हिस्सा 17.41 अरब डॉलर है, जबकि ओएफसीबी का योगदान 1.97 अरब डॉलर और बाह्य वाणिज्यिक उधारी का योगदान 1.34 अरब डॉलर था। करूर वैश्य बैंक के उप-महाप्रबंधक और ट्रेजरी प्रमुख वी. रामचंद्र रेड्डी ने कहा, आरबीआई की एफसीएनआर (बी) योजना के तहत जमा किए गए कोष का बड़ा हिस्सा विदेशी बैंकों से आया हो सकता है। उसके बाद सार्वजनिक क्षेत्र के कुछ बड़े बैंक और निजी क्षेत्रों के बैंकों का स्थान आता है।

गिफ्ट सिटी में कामकाज अब बहुत कम

विदेशी बैंकों को विदेशी डॉलर वित्त पोषण आसानी से मिल जाता है, जबकि सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े और निजी क्षेत्र के बैंकों को गिफ्ट सिटी और विदेशी शाखाओं में अपनी मौजूदगी का लाभ मिलता है। इससे वे आरबीआई की अदला-बदली सुविधा का प्रभावी ढंग से उपयोग कर पाते हैं। रेड्डी ने कहा, ''इसके उलट, ज्यादातर छोटे और मझोले बैंक, जिनकी विदेश में मौजूदगी या गिफ्ट सिटी में कामकाज बहुत कम या बिल्कुल नहीं है, वे मुख्य रूप से आम लोगों से मिलने वाले एफसीएनआर-बी जमा पर निर्भर रहते हैं।

आरबीआई ने विदेशी मुद्रा के प्रवाह को बढ़ावा देने लाई योजना

अब तक के आए कोष में सार्वजनिक व निजी क्षेत्र के बैंकों की बड़ी हिस्सेदारी

रियायती अदला-बदली सुविधा ने 17 जुलाई तक 20.72 अरब डॉलर जुटाए

कम समय में अच्छी खासी रकम जमा हुई

निजी बैंक के एक अधिकारी ने कहा कि विदेशी बैंकों को अंतरराष्ट्रीय बाजार में मजबूत उपस्थिति और विदेश से आसानी से कोष मिलने की वजह से लाभ मिलता है। कोटक महिंद्रा बैंक की मुख्य अर्थशास्त्री उपासना भारद्वाज ने कहा, ''भारतीय रिजर्व बैंक की योजना के तहत कम समय में ही अच्छी-खासी रकम जमा हुई है। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि एफसीएनआर (बी) में आया कितना पैसा नया है और कितना पुरानी जमा के नवीनीकरण या पहले की जमा आगे की अवधि लिए जमा के रूप में आई है।''

नई जमा के आंकड़े आरबीआई ने नहीं मांगे

सार्वजनिक क्षेत्र के एक बैंक के एक अन्य अधिकारी ने कहा कि एफसीएनआर (बी) में आया पैसा नई जमा और परिपक्व हो चुकी जमा की जगह आए पैसे का मिला-जुला रूप लगता है। उन्होंने कहा, ''आरबीआई ने बैंकों से आंकड़ा मांगा है, लेकिन उसने खास तौर पर नई जमा के आंकड़े नहीं मांगे हैं। मेरा मानना है कि बताई गई संख्या में नया पैसा और परिपक्व हो चुकी जमा की जगह आया पैसा, दोनों शामिल हैं।''

जमा में काफी अच्छी वृद्धि देखी गई

केंद्रीय बैंक ने कहा कि आठ जून, 2026 को शुरू होने के बाद से अदला-बदली सुविधा में लोगों ने काफी दिलचस्पी दिखाई है और विदेशी मुद्रा का लगातार प्रवाह हुआ है। इसमें एफसीएनआर (बी) जमा में काफी अच्छी वृद्धि देखी गई है। आरबीआई ने भारत के भुगतान संतुलन को मजबूत करने और पूंजी प्रवाह को प्रोत्साहित करने के कई उपायों के तहत पांच जून, 2026 को यह अदला-बदली सुविधा पेश की थी।

यह सुविधा 8 जून 2026 को परिचालन में

यह सुविधा आठ जून, 2026 को परिचालन में आई और यह एफसीएनआर (बी) जमा के लिए 30 सितंबर, 2026 तक और ओएफसीबी तथा ईसीबी के लिए 31 दिसंबर, 2026 तक उपलब्ध है।

रियल एस्टेट क्षेत्र में सौदे हुए तिगुने

जून तिमाही में सौदे 2.3 अरब डॉलर पर: रिपोर्ट

कुल 39 सौदों में निजी इक्विटी का सबसे बड़ा योगदान रहा

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

भारतीय रियल एस्टेट क्षेत्र में अप्रैल-जून तिमाही के दौरान 2.3 अरब डॉलर के 39 सौदे हुए, जो पिछली तिमाही की तुलना में लगभग तीन गुना है। एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। सलाहकार फर्म ग्रांट थॉर्नटन भारत की रियल एस्टेट क्षेत्र से संबंधित तिमाही रिपोर्ट के मुताबिक, जून तिमाही में कुल 39 सौदों में निजी इक्विटी (पीई) का सबसे बड़ा योगदान रहा, जिसने कुल सौदा मूल्य का लगभग आधा हिस्सा दिया। सार्वजनिक बाजार गतिविधियां भी मजबूत रहीं।

रिपोर्ट के मुताबिक, विलय एवं अधिग्रहण (एमएंडए) खंड में अप्रैल-जून के दौरान 36.7 करोड़ डॉलर के 22 सौदे हुए, जो पिछले साल की समान अवधि के 33.5 करोड़ डॉलर से 10 प्रतिशत अधिक हैं। वहीं, पीई एवं उद्यम पूंजी (वीसी) क्षेत्र में 13 सौदे 115.7 करोड़ डॉलर के रहे, जो एक साल पहले की समान अवधि के 45.8 करोड़ डॉलर से काफी अधिक है। इसके अलावा, जून तिमाही में दो आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और दो पात्र संस्थागत नियोजन (क्यूआईपी) के जरिये कुल 78.2 करोड़ डॉलर जुटाए गए, जिसमें आईपीओ से 38.1 करोड़ डॉलर और क्यूआईपी से 40.1 करोड़ डॉलर शामिल हैं।

सबसे बड़ा सौदा माइंडस्पेस-वन अल्टनेट्स के बीच

बैगमाने प्राइम ऑफिस रीट ने 35.5 करोड़ डॉलर के निर्गम के साथ आईपीओ गतिविधियों का नेतृत्व किया, जबकि ब्रुकफील्ड इंडिया रियल एस्टेट ट्रस्ट और बैगमाने प्राइम ऑफिसेज रीट ने क्यूआईपी के जरिये धन जुटाने में प्रमुख भूमिका निभाई। इस तिमाही का सबसे बड़ा सौदा माइंडस्पेस बिजनेस पार्क्स रीट और 360 वन अल्टरनेट्स एसेट मैनेजमेंट लिमिटेड द्वारा रेडियल आईटी पार्क लिमिटेड में संयुक्त रूप से 32.3 करोड़ डॉलर का निवेश रहा।

संस्थागत निवेशकों का भरोसा बढ़ा

ग्रांट थॉर्नटन भारत में साझेदार भाविक वोरा ने कहा, ''ये आंकड़े भारत के वाणिज्यिक रियल एस्टेट क्षेत्र में संस्थागत निवेशकों के बढ़ते भरोसे को दर्शाते हैं। उच्च गुणवत्ता वाली आय-सृजन करने वाली परिसंपत्तियों की ओर पूंजी का प्रवाह तेज हुआ है, जिससे पीई निवेश और पूंजी बाजार गतिविधियों में तेजी आई है।''

स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक के खिलाफ 23 साल पुराना मामला रद्द

शिकायत के संबंध में कोई भी दस्तावेजी साक्ष्य नहीं था

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को स्टैंडर्ड चार्टर्ड बैंक को बड़ी राहत देते हुए 23 साल पुराने आपराधिक मामले और समन आदेश को रद्द कर दिया और कहा कि शिकायत के समर्थन में कोई भी दस्तावेजी साक्ष्य नहीं था। न

यायमूर्ति जे बी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने अपने अंतर्निहित अधिकारों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि मामला 23 वर्षों से लंबित है और तीन दशक पुराने लेन-देन से जुड़ा होने के बावजूद सुनवाई समन जारी होने के चरण से आगे नहीं बढ़ सकी। शीर्ष अदालत ने बंबई उच्च न्यायालय के आदेश को निरस्त करते हुए कहा कि इस मामले को अब समाप्त करना ही उचित है।

पीठ ने कहा कि शिकायत विदेशी मुद्रा विनियमन अधिनियम (फेरा), 1973 के तहत कथित 'स्पष्टीकरण नोटिस' पर आधारित थी, लेकिन शिकायतकर्ता आज तक इसका कोई ठोस रिकॉर्ड या सटीक तिथि पेश नहीं कर सका। पीठ ने कहा कि ऐसे हालात में मामले को जारी रखना बैंक और उसके अधिकारियों को अनिश्चितकाल तक अटकी हुई स्थिति में रखना होगा।

सुको ने बैंक को प्रदान की बड़ी राहत

फेरा कानून में स्पष्टीकरण नोटिस देना अनिवार्य

दोनों प्रावधान अलग-अलग दायरे में काम करते हैं। इसके साथ ही पीठ ने कहा कि फेरा कानून की धारा 61(2) के तहत 'स्पष्टीकरण नोटिस' देना अनिवार्य है। इसके बिना न तो वैध शिकायत दर्ज की जा सकती है और न ही मजिस्ट्रेट संज्ञान ले सकता है।

अदालत ने जांच एजेंसियों के रवैये पर सवाल उठाए

शीर्ष अदालत ने इस मामले में जांच एजेंसियों के रवैये पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि रिकॉर्ड से लंबे समय तक बिना किसी ठोस कार्रवाई के लापरवाही साफ दिखाई देती है।

मारुति के वाहन अगस्त से 30,000 रुपए तक होंगे महंगे

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश की सबसे बड़ी कार विनिर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया ने कच्चे माल और अन्य लागत में लगातार वृद्धि के असर की आंशिक भरपाई के लिए अगस्त से अपने विभिन्न मॉडल की कीमतों में 30,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करने घोषणा की है।

मारुति सुजुकी इंडिया ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि कीमतों में बढ़ोतरी की वास्तविक राशि अलग-अलग मॉडल के अनुसार भिन्न-भिन्न होगी। कंपनी ने कहा, ''उत्पादन लागत में लगातार हो रही वृद्धि को देखते हुए सभी मॉडल की कीमतों में 30,000 रुपये तक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है।'' यह मूल्य वृद्धि अगस्त, 2026 से प्रभावी होगी।

कंपनी ने कहा कि पिछले कुछ महीनों से वह लागत में वृद्धि के प्रभाव को कम करने के लिए लगातार उपाय करती रही है। महंगाई का दबाव ऊंच स्तर पर बने रहने और प्रतिकूल लागत परिस्थितियों के जारी रहने के कारण कंपनी इसके एक हिस्से का बोझ ग्राहकों पर डालने को विवश है।

कच्चे माल और अन्य लागत में लगातार वृद्धि का असर

वृद्धि राशि अलग-अलग मॉडल के अनुसार भिन्न-भिन्न होगी

ग्राहकों पर न्यूनतम असर रखने का प्रयास

हालांकि, ग्राहकों पर इसका असर न्यूनतम रखने का प्रयास जारी रहेगा। मारुति सुजुकी शुरुआती श्रेणी की एस-प्रेसो से लेकर प्रीमियम स्पोर्ट्स यूटिलिटी (एसयूवी) इनविक्टो तक कई मॉडल बेचती है। इनकी शोरूम कीमत 3.5 लाख रुपये से 28.70 लाख रुपये के बीच है।

जून में यात्रियों की संख्या घटकर 1.35 करोड़ रही

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या जून में 12% घटी

मई में 1.53 करोड़ यात्रियों ने हवाई यात्रा की थी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

घरेलू हवाई यात्रियों की संख्या जून में लगभग 12 प्रतिशत घटकर 1.35 करोड़ रही, जबकि मई में एयरलाइन कंपनियों ने 1.53 करोड़ यात्रियों को सेवाएं दी थीं। सरकारी आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। बीते वर्ष इसी महीने में 1.36 करोड़ यात्रियों की संख्या की तुलना में पिछले महीने यह गिरावट मामूली रही। आम तौर पर, जून, जुलाई और अगस्त का समय एयरलाइंस के लिए यात्रियों की संख्या के लिहाज से नरम होता है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) के आंकड़ों के अनुसार, जून में इंडिगो की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 66.3 प्रतिशत हो गयी जो मई में 64.9 प्रतिशत थी। इसी दौरान एयर इंडिया समूह की बाजार हिस्सेदारी घटकर 23.9 प्रतिशत रह गयी जो इससे पिछले महीने 25.6 प्रतिशत थी। अकासा एयर की बाजार हिस्सेदारी बढ़कर 6.4 प्रतिशत हो गयी जो मई में 5.8 प्रतिशत थी। स्पाइसजेट की बाजार हिस्सेदारी घटकर पिछले महीने 1.9 प्रतिशत रही जो मई में 2.5 प्रतिशत थी।

उड़ानें रद्द होने की दर 0.63 प्रतिशत रही

समय पर उड़ान संचालन (ओटीपी) की गणना 10 प्रमुख हवाई अड्डों... बेंगलुरु, दिल्ली, हैदराबाद, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, अहमदाबाद, कोचीन, गुवाहाटी और लखनऊ... के लिए की जाती है। छिले महीने,अनुसूचित घरेलू एयरलाइंस के लिए कुल उड़ान रद्द होने की दर 0.63 प्रतिशत रही।

उड़ाने रद्द होने पर एयरलाइंस ने किए 62 लाख रुपए खर्च

जून में उड़ानें रद्द होने से प्रभावित 43,968 यात्रियों के मुआवजे और सुविधाओं के लिए घरेलू एयरलाइंस ने 61.98 लाख रुपये खर्च किए।

निर्गम इश्यू प्राइस से बढ़कर बीएसई पर 610 रुपए में सूचीबद्ध

स्टेट बैंक फंड्स के आईपीओ ने 13 कर्मचारियों को बनाया करोड़पति

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

देश के सबसे बड़े फंड मैनेजर एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की मंगलवार को लिस्टिंग हो गई। कंपनी का शेयर करीब 7 प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुआ। यह आईपीओ पूरी तरह से ऑफर फॉर सेल था। इसका मतलब है कि कंपनी को इस इश्यू से कोई पैसा नहीं मिलेगा लेकिन इस साल के सबसे बड़े आईपीओ ने कंपनी के कम से कम 13 कर्मचारियों को करोड़पति बना दिया।

इन कर्मचारियों को सालों पहले ईसॉप्स के रूप में शेयर मिले थे। इसका इश्यू प्राइस 574 रुपए था और यह बीएसई पर 610 रुपए पर लिस्ट हुआ जबकि एनएसई पर इसकी लिस्टिंग 613.30 रुपए पर हुई। कंपनी के 9,795.31 करोड़ रुपए के आईपीओ को करीब 42 गुना बोलियां मिली थीं।

13 कर्मचारियों के पास 1 करोड़ से ज्यादा की इक्विटी

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के प्रॉस्पेक्टस के अनुसार 574 रुपए प्रति शेयर के इश्यू प्राइस पर 13 कर्मचारियों के पास 1 करोड़ रुपए से ज्यादा की इक्विटी हिस्सेदारी थी। इनमें डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर देविंदर पाल सिंह को सबसे ज्यादा फायदा मिला है। उनके पास मौजूद कंपनी के शेयरों की वैल्यू लगभग 121 करोड़ रुपए है। इसके बाद फंड हाउस के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर श्रीनिवासन रामा अय्यर का नंबर है जिनके पास लगभग 105 करोड़ रुपए की हिस्सेदारी है।

सिंह के पास मौजूद कंपनी के शेयरों की वैल्यू लगभग 121 करोड़ रुपए

डिप्टी मैनेजिंग डायरेक्टर देविंदर पाल सिंह को सबसे ज्यादा फायदा मिला

SBI फंड्स के आईपीओ से किसे हुआ फायदा?

सिंह के 21.14 लाख वेस्टेड शेयरों की वैल्यू आईपीओ प्राइस पर लगभग 121 करोड़ रुपए है। उनके पास अनवेस्टेड ऑप्शन भी हैं, जिनकी वैल्यू भविष्य में इस्तेमाल किए जाने पर लगभग 30 करोड़ रुपए हो सकती है। अय्यर के 18.25 लाख वेस्टेड शेयरों की वैल्यू लगभग 105 करोड़ रुपए है, जबकि उनके बाकी अनवेस्टेड ऑप्शन की अनुमानित वैल्यू आईपीओ प्राइस पर लगभग 51 करोड़ रुपए है।

जैन के शेयरों की वैल्यू 59 करोड़

कंपनी के स्ट्रैटेजी, डिजिटल और टेक्नोलॉजी चीफ और इन्वेस्टर रिलेशंस के हेड श्रीनिवास जैन के वेस्टेड शेयरों की वैल्यू लगभग 59 करोड़ रुपए है। इसी तरह फिक्स्ड इनकम के चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर राजीव राधाकृष्णन के शेयरों की वैल्यू लगभग 36 करोड़ रुपए, चीफ रिस्क ऑफिसर अपर्णा निर्गुडे के शेयरों की वैल्यू 31 करोड़ रुपए और चीफ कंप्लायंस ऑफिसर, कंपनी सेक्रेटरी और लीगल हेड विनया दातार के वेस्टेड शेयरों की वैल्यू लगभग 21 रुपए करोड़ है।

कंपनी को क्या मिला?

<B><B>करोड़पति बनने वाले कर्मचारियों की लिस्ट में फाइनेंस, ह्यूमन रिसोर्स, टेक्नोलॉजी और फंड मैनेजमेंट के सीनियर एग्जीक्यूटिव भी शामिल हैं। इनमें चीफ फाइनेंशियल ऑफिसर इंदरजीत गुलियानी, चीफ ह्यूमन रिसोर्स ऑफिसर रजत ग्रोवर, चीफ इन्फॉर्मेशन सिक्योरिटी ऑफिसर संजय पुगांवकर और फंड मैनेजर मोहन लाल और महेश छाबड़िया शामिल हैं। ऑफर प्राइस पर इनके पास 1 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत के वेस्टेड स्टॉक हैं।

एचडीएफसी बैंक में बिकवाली का दबाव

पश्चिम एशिया संकट से सेंसेक्स 238 अंक टूटा

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में मंगलवार को लगातार दूसरे दिन गिरावट जारी रही और दोनों मानक सूचकांक नुकसान में रहे। एचडीएफसी बैंक में बिकवाली के दबाव के साथ अमेरिका-ईरान तनाव बढ़ने से बीएसई सेंसेक्स 238 अंक टूटा, जबकि एनएसई निफ्टी में 51 अंक की गिरावट आई।

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 238.41 अंक यानी 0.31 प्रतिशत टूटकर 77,470.11 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान, एक समय यह 371.19 अंक की गिरावट के साथ 77,337.33 अंक पर आ गया था। पचास शेयरों पर आधारित एनएसई निफ्टी 50.80 अंक के नुकसान के साथ 24,187.70 अंक पर बंद हुआ।

निवेशक जोखिम लेने से बच

ऑनलाइन ट्रेडिंग कंपनी एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी पोनमुडी आर. ने कहा, ''पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच निवेशकों के जोखिम लेने से बचने के कारण भारतीय शेयर बाजार गिरावट के साथ बंद हुए। घरेलू स्तर पर, एचडीएफसी बैंक के नतीजों के बाद आई गिरावट से बैंक और वित्तीय क्षेत्र में हुए नुकसान ने दूसरे कुछ प्रमुख शेयरों में हुई बढ़त के असर को समाप्त कर दिया, जिससे मानक सूचकांक पर दबाव पड़ा।''

चिंतन

अधिक संवेदनशील बने सरकार और विपक्ष

देश में पेपर लीक की घटनाओं को लेकर छात्र कई दिनों से जंतर-मंतर पर आंदोलनरत हैं। वहीं, किसानों ने भी अमेरिका से प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौता (इंडिया-यूएस ट्रेड डील) को लेकर दिल्ली के किसान घाट पर महापंचायत का ऐलान किया है। इन आंदोलनों पर सरकार और विपक्ष को और अधिक संवेदनशील होना होगा। हालांकि सरकार द्वारा पेपर लीक के दोषियों पर सख्त कार्रवाई के संकेत मिल रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी इसे 'घोर पाप' और 'राष्ट्रीय चिंता' का विषय बताया है। एनडीए संसदीय दल की बैठक में उन्होंने कहा कि युवाओं के भविष्य के साथ कोई खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। हालांकि केवल कार्रवाई की घोषणा भर पर्याप्त नहीं है। छात्रों का विश्वास तभी लौटेगा, जब भर्ती और प्रवेश परीक्षाओं की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी, सुरक्षित और समयबद्ध होगी। बार-बार पेपर लीक होने से लाखों युवाओं की मेहनत, समय और मानसिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। वर्षों तक तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को परीक्षा रद्द होने, दोबारा परीक्षा कराने और भर्ती प्रक्रियाओं में देरी जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इसलिए सरकार को तकनीकी सुरक्षा बढ़ाने, परीक्षा एजेंसियों की जवाबदेही तय करने और दोषियों को शीघ्र एवं कठोर दंड दिलाने की दिशा में निरंतर प्रयास करने होंगे। इससे युवाओं में व्यवस्था के प्रति भरोसा मजबूत होगा। वहीं, लोकतंत्र में विपक्ष की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। उसकी जिम्मेदारी केवल सरकार की आलोचना करना नहीं, बल्कि जनता की वास्तविक समस्याओं को रचनात्मक ढंग से उठाना भी है। छात्रों और किसानों जैसे संवेदनशील वर्गों के मुद्दों पर विपक्ष को तथ्यों के आधार पर सरकार से जवाब मांगना चाहिए और समाधान के लिए सकारात्मक सुझाव भी देने चाहिए। किसानों की चिंताओं को भी गंभीरता से समझने की आवश्यकता है। अमेरिका के साथ प्रस्तावित कृषि व्यापार समझौते को लेकर किसानों के मन में यह आशंका है कि इससे उनकी आय, न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी), कृषि बाजार और घरेलू उत्पादन प्रभावित हो सकते हैं। यदि किसानों के मन में किसी प्रकार की शंका है, तो सरकार का दायित्व है कि वह उनसे सीधे संवाद करे, समझौते के प्रावधानों की स्पष्ट जानकारी दे और यह भरोसा दिलाए कि किसी भी निर्णय में किसानों के हितों की अनदेखी नहीं होगी। दूसरी ओर, किसानों को भी अपनी मांगों को लोकतांत्रिक और शांतिपूर्ण तरीके से रखने के साथ-साथ वार्ता को प्राथमिकता देनी चाहिए। आंदोलन लोकतंत्र का अधिकार है, लेकिन स्थायी समाधान बातचीत, आपसी विश्वास और सहमति से ही निकलते हैं। सरकार और किसान संगठनों के बीच नियमित संवाद की व्यवस्था बने, ताकि किसी भी विवाद को समय रहते सुलझाया जा सके और टकराव की स्थिति पैदा न हो। युवा देश की सबसे बड़ी शक्ति और उम्मीद हैं, वहीं किसान देश के अन्नदाता। यदि इन दोनों वर्गों में असंतोष बढ़ता है, तो उसका असर केवल राजनीति तक सीमित नहीं रहता, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक स्थिरता और विकास पर भी पड़ता है। इसलिए सरकार और विपक्ष दोनों को अपने राजनीतिक हितों से ऊपर उठकर इन वर्गों की भावनाओं, अपेक्षाओं और समस्याओं को प्राथमिकता देनी चाहिए। जब सरकार, विपक्ष, छात्र और किसान सभी संवाद तथा सहयोग का मार्ग अपनाएंगे, तभी लोकतंत्र मजबूत होगा और देश का विकास अधिक संतुलित एवं समावेशी बन सकेगा।

बलूचिस्तान में स्वघोषित आजादी

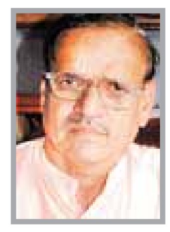

मुद्दा
प्रमोद भार्गव

बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिलने की उम्मीद करने लगे हैं। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है।

रिपब्लिक ऑफ बलूचिस्तान के नाम से सोशल मीडिया पर एक स्वघोषित बयान और पत्र वायरल हुए हैं, जिसमें बलूच नेता मीर यार बलूच और कुछ पाकिस्तान से आजादी की लड़ाई लड़ रहे संगठनों ने बलूचिस्तान को स्वतंत्र राष्ट्र घोषित कर दिया है। अपना नया झंडा और राष्ट्रगान जारी करते हुए सरकार बना लेने का दावा भी किया है। बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के लड़ाकों ने 27 पुलिसकर्मियों का अपहरण कर हत्या कर दी है। इससे बलूच आंदोलन उत्साहित हुआ है और वे जल्द कानूनी रूप में आजादी मिल जाने की उम्मीद करने लगे हैं।

हालांकि इस हत्याकांड के बाद पाक सेना ने बलूचिस्तान में फ्रंटियर कोर, पुलिस व आतंकवाद निरोधक बल के साथ ऑपरेशन शाबान शुरू कर दिया है। पाक के सामने अब बड़ी दिक्कत यह आ रही है कि बीएलए को इजरायली खुफिया एजेंसियों से धन, तकनीक और आधुनिक संचार उपकरण मिल रहे हैं। पाक सेना ने लड़को के पास से स्टारलिंग उपकरण जब्त किए हैं। पाक सेना का यह भी आरोप है कि अफगानिस्तान बीएलए को विद्रोही बलूचों ने करीब 85 प्रतिशत बलूचिस्तान की भूमि पर काबिज होने का दावा किया है। बलूच कार्यकर्ताओं ने संयुक्त राष्ट्र और अंतरराष्ट्रीय समुदाय से स्वतंत्र राष्ट्र के रूप में मान्यता देने की अपील भी कर दी है। यह पाकिस्तान का वह प्रमुख क्षेत्र है, जहां से चीन-पाक आर्थिक गलियारा गुजर रहा है। इसकी सुरक्षा और भविष्य को लेकर भी चर्चाएं शुरू हो गई हैं। यही वह क्षेत्र है, जहां अत्यंत दुर्लभ खनिज एवं प्राकृतिक गैसें उपलब्ध हैं। यही पाकिस्तान की अर्थव्यस्था की रीढ़ है। बलूचिस्तान प्रांत में लंबे समय से स्वतंत्रता की जो लड़ाई चल रही है, वह अब सफलता के शिखर पर है। बलूचिस्तान को नए देश के रूप में मान्यता मिल जाती है तो 1971 के बाद पाकिस्तान की भूमि पर दूसरा बड़ा विभाजन दिखाई देगा। 1971 में भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने बांग्लादेश की मुक्ति वाहिनी सेना को सैनिक मदद देकर पाक के दो टुकड़े कर दिए थे। अब बलूच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से हस्तक्षेप की मांग करते हुए दिल्ली में बलूचिस्तान का दूतावास खोलने की मांग कर रहे हैं। प्रसिद्ध लेखक और सामाजिक कार्यकर्ता मीर यार बलूच वहां के लोगों के अधिकारों की वकालत के लिए जाने जाते हैं। बलूचों ने संयुक्त राष्ट्र से बलूचिस्तान में शांति रक्षक बल भेजने और पाक सेना को बलूच सीमा क्षेत्र से बाहर कर देने का आग्रह भी किया है। बलूचों की स्वतंत्रता की संभावना का अहसास पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री शाहिद खाकान अब्बासी ने भी जताया है। उनका कहना है कि बलूचिस्तान पर अब सेना और सरकार का नियंत्रण ढीला पड़ रहा है। यहां के हालात इतने खराब हैं कि सरकारी मंत्री तक बाहरी सुरक्षा के बिना बाहर नहीं निकल सकते हैं। सेना के जवान अपने ही देश में बंकरों में छिपे हैं। बलूचिस्तान में विद्रोह की आग चरम पर है। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी आजादी की मांग करने वाला सबसे पुराना सशस्त्र अलगाववादी संगठन है। यह संगठन पहली बार 1970 में अस्तित्व में आया था। इसने जुल्फिकार अली भुट्टो के कार्यकाल में बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र विद्रोह का शंखनाद कर किया था। कालांतर में सैनिक तानाशाह जिया उल हक द्वारा सत्ता हथियाने के

बाद बलूच नेताओं के साथ बातचीत हुई, जिसके परिणामस्वरूप संघर्ष विराम की स्थिति बन गई थी। नतीजतन बलूचिस्तान में सशस्त्र विद्रोह खत्म हो गया था और बीएलए का भी कोई वजूद नहीं रह गया था। किंतु कारगिल युद्ध के बाद सैन्य तानाशाह जनरल परवेज मुशर्रफ ने नवाज शरीफ का तख्तापलट कर सत्ता हथिया ली। इसके बाद मुशर्रफ के संकेत पर साल 2000 में बलूचिस्तान उच्च न्यायालय के न्यायाधीश नवाबमिरी की हत्या कर दी गई और मुशर्रफ ने कुटिल चतुराई बरतते हुए पाक सेना से इस मामले में आरोपी के रूप में बलूच नेता खेरबक्ष मिरी को गिरफ्तार करा दिया। इसके बाद फिनिक्स पक्षी की तरह बीएलए फिर उठ खड़ा हुआ। जगह-जगह हमले शुरू हो गए।

साल 2020 में एकाएक बीएलए की ताकत बढ़ गई और बलूचिस्तान के सरकारी प्रतिष्ठानों तथा सुरक्षाबलों पर हमलों की संख्या बढ़ती चली गई। बीएलए बलूचिस्तान में चीन के प्रभाव को किसी भी हाल में स्वीकार नहीं करता है। उसका मानना है कि चीन बलूचिस्तान की प्राकृतिक संपदा को हड़पने का काम कर रहा है। इसी नजरिए से ग्वादर बंदरगाह को विकसित करने के साथ एक बड़ा चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा भी बना रहा है। दरअसल, भारत-पाकिस्तान के बंटवारे के समय बलूचिस्तान को बलूचों की इच्छा के बिना बंदूक के जोर पर पाकिस्तान ने कब्जा कर लिया था। जबकि वे स्वयं को एक स्वतंत्र देश के रूप में देखना चाहते थे। अतएव पाक की स्वतंत्रता के समय से ही बलूचों का संघर्ष पाक सरकार और सेना से निरंतर बना हुआ है। बीएलए जब साल 2000 में वजूद में आया था, तब इसके लड़ाकों की संख्या 6000 से भी ज्यादा थी। सरदार अकबर खान बुगती एक समय बलूचिस्तान के सर्वमान्य नेता रहे हैं। इसीलिए वे बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री भी रहे थे। 26 अगस्त 2006 को पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने उनकी हत्या कर दी थी। तभी से यह संगठन पाक सेना से लोहा ले रहा है। वर्तमान में बलूच अलगाववादी और तालिबान के बीच निरंतर निकटता बढ़ रही है। वैसे भी अफगानिस्तान में तालिबानी शासन के काबिज होने के बाद से पाकिस्तान में आतंकी घटनाएं बढ़ गई हैं। पाक सरकार ने भी स्वीकार किया है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ही बलूच लड़ाकों को प्रशिक्षित कर रहा है। बलूचिस्तान प्रांत में अब महिलाओं ने भी बीएलए के साथ कंधे से कंधा मिलाकर बलूच नागरिकों के दमन चक्र के विरुद्ध मोर्चा खोल लिया है। इस सच्चाई को पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने भी स्वीकारा है। पाक की कुल भूमि का 43.6 फीसदी हिस्सा केवल बलूचिस्तान का है, लेकिन इसका विकास नहीं हुआ है। करीब 1 करोड़ 30 लाख की आबादी वाले इस हिस्से में सर्वाधिक बलूच हैं, पाक की कुल आबादी में इनकी छह प्रतिशत की भागीदारी है। इसका कुल क्षेत्रफल 3,47,190 वर्ग किमी है। यहां हिंदू, सिख और ईसाई भी रहते हैं। 1999 में परवेज मुशर्रफ सत्ता में आए तो उन्होंने बलूच भूमि पर सैनिक अड्डे खोल दिए। इसे बलूचों ने अपने क्षेत्र पर कब्जे की कोशिश माना और फिर से संघर्ष तेज हो गया। इसके बाद यहां कई अलगाववादी आंदोलन वजूद में आ गए। इनमें सबसे प्रमुख बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी है। वाशिंगटन में कार्यरत संस्था गिलगित-बलूचिस्तान नेशनल कांग्रेस के सेंग सिरिंग ने मोदी द्वारा उठाए, इस सवाल का समर्थन किया है कि 'पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर और बलूचिस्तान में लोगों पर होने वाले जुल्म एवं अत्याचार के बाबत पाक को दुनिया के समक्ष जवाब देना होगा ? पाक तो जवाब देने वाला नहीं है, लेकिन भारत की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह बलूचिस्तान की स्वतंत्रता में भागीदार बने ?

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया haribhoomi@gmail.com पर दे सकते हैं।

राष्ट्रीय ध्वज दिवस
मोहित सिंगला

जब तिरंगे को मिली स्वतंत्र भारत की राष्ट्रीय पहचान

भारत का राष्ट्रीय ध्वज केवल तीन रंगों का कपड़ा नहीं, बल्कि स्वतंत्रता, स्वाभिमान, बलिदान और राष्ट्रीय एकता का जीवंत प्रतीक है। आज जिस तिरंगे के नीचे पूरा देश गर्व से एकजुट होता है, उसे स्वतंत्र भारत के राष्ट्रीय ध्वज के रूप में आधिकारिक मान्यता 22 जुलाई 1947 को मिली थी। इसी दिन संविधान सभा ने ऐतिहासिक निर्णय लेते हुए भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के स्वराज ध्वज को कुछ महत्वपूर्ण परिवर्तनों के साथ स्वतंत्र भारत का राष्ट्रीय ध्वज स्वीकार किया। सबसे महत्वपूर्ण परिवर्तन था ध्वज के मध्य स्थित चरखे के स्थान पर अशोक चक्र को अपनाना, जिसने राष्ट्रध्वज को व्यापक, सार्वभौमिक और लोकतांत्रिक पहचान प्रदान की। यह निर्णय स्वतंत्रता प्राप्ति से मात्र तीन सप्ताह पहले लिया गया था, लेकिन इसका

महत्व आज भी उतना ही प्रासंगिक है। यह केवल ध्वज का चयन नहीं था, बल्कि उस नए भारत की विचारधारा का चयन था, जो लोकतंत्र, समानता, न्याय और निरंतर प्रगति के मार्ग पर आगे बढ़ने के लिए प्रतिबद्ध था। भारतीय राष्ट्रीय ध्वज की यात्रा लंबे संघर्ष और अनेक राष्ट्रभक्तों के प्रयासों से होकर गुज़री है। वर्ष 1906 में कलकत्ता में पहली बार राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। इसके बाद 1907 में सुश्री भीकाजी कामा ने जर्मनी के स्टुटगार्ट में अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारतीय ध्वज को प्रदर्शित कर विश्व का ध्यान भारत की स्वतंत्रता की आकांक्षा की ओर आकर्षित किया। वर्ष 1921 में आंध्र प्रदेश के स्वतंत्रता सेनानी पिंगली वेंकैया ने महात्मा गांधी के समक्ष राष्ट्रीय ध्वज का प्रारूप प्रस्तुत किया। गांधीजी के सुझाव पर उसमें चरखे को स्थान दिया गया, जो स्वदेशी, आत्मनिर्भरता और श्रम की गरिमा का प्रतीक था। बाद में 1931 में कांग्रेस ने केसरिया, सफेद और हरे रंग वाले तिरंगे को अपने आधिकारिक ध्वज के रूप में स्वीकार किया। यही ध्वज स्वतंत्रता आंदोलन का सबसे सशक्त प्रतीक बना और लाखों स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे हाथों में लेकर अंग्रेजी शासन के विरुद्ध संघर्ष किया। जब भारत की स्वतंत्रता निश्चित हो गई, तब यह आवश्यक समझा गया कि राष्ट्रीय ध्वज किसी राजनीतिक संगठन का नहीं, बल्कि पूरे राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करे। इसी उद्देश्य से 22 जुलाई 1947 को संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज संबंधी प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया। पंडित जवाहरलाल नेहरू ने इस प्रस्ताव को सभा के समक्ष रखते हुए कहा कि यह ध्वज स्वतंत्र भारत की आत्मा, उसकी एकता और लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक होगा। संविधान सभा ने सर्वसम्मति से इस प्रस्ताव को स्वीकार कर लिया। राष्ट्रीय ध्वज को अंतिम रूप देते समय चरखे के स्थान पर सारनाथ स्थित सम्राट अशोक के सिंह स्तंभ से प्रेरित अशोक चक्र को अपनाया गया। गहरे नीले रंग के इस चक्र की 24 तीलियां धर्म, न्याय, नैतिकता, सतत कर्म और निरंतर प्रगति का संदेश देती हैं। यह चक्र इस बात का प्रतीक है कि राष्ट्र को कभी ठहरना नहीं चाहिए, बल्कि निरंतर विकास और गतिशीलता की ओर अग्रसर रहना चाहिए। तिरंगे के प्रत्येक रंग का अपना विशिष्ट संदेश है। केसरिया रंग साहस, त्याग और बलिदान का प्रतीक है।

सफेद रंग सत्य, शांति और पारदर्शिता का संदेश देता है, जबकि हरा रंग समृद्धि, कृषि, पर्यावरण और विकास का प्रतीक माना जाता है। इन तीनों रंगों के मध्य स्थित अशोक चक्र राष्ट्र के जीवन में संतुलन, न्याय और निरंतर गति का संदेश देता है। 15 अगस्त 1947 को जब भारत स्वतंत्र हुआ, तब यही तिरंगा पहली बार स्वतंत्र राष्ट्र के ध्वज के रूप में फहराया गया। तभी से लेकर आज तक यह ध्वज देश की संप्रभुता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव का सर्वोच्च प्रतीक बना हुआ है। सीमाओं पर डटे सैनिकों का साहस, खिलाड़ियों की उपलब्धियां, वैज्ञानिकों की सफलताएं और प्रत्येक भारतीय की देशभक्ति इसी तिरंगे से प्रेरणा प्राप्त करती है। 22 जुलाई 1947 भारतीय इतिहास का वह स्वर्णिम दिवस है, जिसने भारत को केवल एक राष्ट्रीय ध्वज ही नहीं, बल्कि उसकी लोकतांत्रिक चेतना, सांस्कृतिक विरासत और भविष्य की दिशा का प्रतीक भी प्रदान किया। तिरंगा आज भी प्रत्येक भारतीय को यह संदेश देता है कि स्वतंत्रता केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र के प्रति कर्तव्य, समर्पण और निरंतर प्रगति का संकल्प भी है। जब-जब तिरंगा आकाश में लहराता है, वह हमें उन लाखों अमर बलिदानों की याद दिलाता है, जिनकी बदौलत भारत आज विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र के रूप में गर्व से खड़ा है।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

गलत सोच का चश्मा जल्दी उतार देना चाहिए

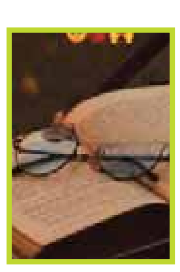

संकलित
दर्शन

जब सोच निषेधात्मक या गलत होती है, तब वह सुख को भी दुख में परिवर्तित कर देती है। गलत सोच का चश्मा जितनी जल्दी हो, उतार देना चाहिए। बुरे विचार जितना दूसरों का नुकसान करते हैं, उतना ही स्वयं का भी करते हैं। कारण अपनी ही सुरक्षा को लेकर डरा दिमाग ढंग से नहीं सोच पाता। हम स्वार्थी हो जाते हैं, केवल अपने बारे में ही सोचते हैं। कहा गया है कि आपके विचार वहां तक ले जाते हैं, जहां आप जाना चाहते हैं। पर कमजोर विचारों में दूर तक ले जाने की ताकत नहीं होती। हम जो हैं वह सब विचारों का फल है। जो हम सोचते हैं, वही बन जाते हैं। मनुष्य अपने कार्यों से दूसरों को नुकसान पहुंचाता है और अपने विचारों से स्वयं को। गलत सोच एवं अनैतिक कार्यों में लिप्त लोगों को धनवान और प्रतिष्ठित होते देख आदमी में नकारात्मक चिंतन जागता है। अपनी ईमानदारी उसे मूर्खतापूर्ण लगती है। वह पुनर्चिंतन करता है-क्या मिला मुझे आदर्शों पर चलकर? यह नकारात्मक चिंतन उसे भी गलत सोच के दलदल में उतार देता है। समाज में भ्रष्ट और बेईमान लोगों की उत्पत्ति इसी तरह के गलत विचारों के संक्रमण से हुई। इस तरह का गलत सोच हमारी दुनिया को छोटा कर देता है। भीतर और बाहरी दोनों ही दुनिया सिमट जाती हैं। तब हमारी छोटी-सी सफलता अहंकार बढ़ाने लगती है। थोड़ा-सा दुख अवसाद का कारण बन जाता है। कुल मिलाकर सोच ही गड़बड़ हो जाता है। अपने ही बोले हुए को सुनते रहना ज्यादा सीखने नहीं देता। हमारा चिंतन गुणों की ओर केंद्रित रहना चाहिए।

अच्छे कार्य करने से गुरु शिष्य को कभी न रोके

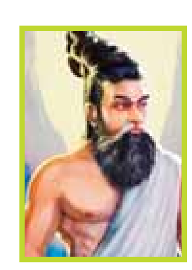

संकलित
प्रेरणा

दैत्यों के गुरु शुक्राचार्य बताए गए हैं। भगवान शिव ने शुक्राचार्य को मृत संजीवन विद्या दी थी। इस विद्या से शुक्राचार्य मरे हुए दैत्यों को फिर से जीवित कर देते थे। जब दैत्यराज बलि का राज था। तब एक दिन भगवान विष्णु ने वामन अवतार लिया और बलि के पास पहुंचे। बलि अपनी दानवीरता की वजह से बहुत प्रसिद्ध थे। वे किसी भी मांगने वाले को खाली हाथ नहीं जाने देते थे। राजा बलि उस समय यज्ञ कर रहे थे। बलि ने वामन देव को देखा तो वह उनके पास पहुंचा। वामन देव ने राजा बलि से तीन पग भूमि दान में मांगी। शुक्राचार्य वामन देव को पहचान गए थे कि ये विष्णु जी हैं। इसलिए उन्होंने बलि को दान देने से रोकना चाहा। राजा बलि ने अपने गुरु की बात नहीं मानी और वामन देव को दान देने के लिए तैयार हो गए। तब शुक्राचार्य राजा बलि के कमंडल में सूक्ष्म रूप में बैठ गए, जिससे की पानी बाहर न आए और राजा बलि भूमि दान करने का संकल्प न ले सकें। वामन भगवान जानते थे कि शुक्राचार्य बलि के कमंडल में बैठे हैं। उन्होंने बलि के कमंडल में एक तिनका डाल दिया, जिससे शुक्राचार्य की एक आंख फूट गई। इसके बाद शुक्राचार्य कमंडल से बाहर आ गए और बलि ने वामन देव को भूमि दान दे दी। अगर कोई गुरु अपने शिष्य को नेक काम करने से रोकता है तो उसे इसका बुरा फल भोगना पड़ता है।

सटाका

आज की पाती

भूख मिटाने की कोई गोली इजाद नहीं

आधुनिक विज्ञान के इस युग में मानव ने अपने जीवन को सुखमय बनाने के लिए विलासिता की हर छोटी-बड़ी वस्तु का आविष्कार कर लिया है और जीवन को लगातार अधिक सुविधाजनक बनाता जा रहा है। लेकिन शरीर को तंदुरुस्त रखने के लिए पेट की भूख मिटाने वाली कोई चमत्कारी गोली आज तक नहीं खोजी जा सकी है। यही कारण है कि भोजन की आवश्यकता की पूर्ति के लिए मनुष्य को निरंतर कर्म करना पड़ता है। आधुनिक विज्ञान के इस युग में जब हर क्षेत्र में अभूतपूर्व प्रगति हुई है, तब कृषि क्षेत्र भी इससे अछूता नहीं रहा। आधुनिक कृषि पद्धतियों को अपनाने से दुनिया के अनेक देशों में फसलों की बंपर पैदावार हो रही है। इसके बावजूद सवाल यह है कि भुखमरी के खिलाफ जंग कब जीतेगी दुनिया?

- सुदेश कुमारी, हिसार

करंट अफेयर

शुल्क नीति बहुत सफल रही और उपाय आएंगे सामने: ग्रीर

अमेरिकी व्यापार प्रतिनिधि जैमीसन ग्रीर ने कहा कि देश की शुल्क (टैरिफ) नीति 'बेहद सफल' रही है और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का प्रशासन उन शुल्क उपायों की जगह नए उपाय लाने की योजना बना रहा है जिन्हें अमेरिकी उच्चतम न्यायालय ने रद्द कर दिया था। ग्रीर ने 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' को दिए साक्षात्कार में कहा कि ट्रंप प्रशासन ने पिछले एक साल में अमेरिका की 70 साल पुरानी व्यापार नीति को बदल दिया है और इन नए उपायों से व्यापार घाटा कम हुआ है और कारोबारों को दोबारा अमेरिका लाने में मदद मिली है। यह पूछे जाने पर कि क्या शुल्क प्रणाली से अच्छे नतीजे मिल रहे हैं, इस पर ग्रीर ने कहा, 'हां, बिल्कुल। मेरा मानना है कि हम बेहद सफल रहे हैं।' ग्रीर ने कहा कि प्रशासन ने इस संबंध में तेजी से कदम उठाए। प्रशासन ने अमेरिका के बढ़ते व्यापार घाटे को एक ऐसी आर्थिक आपात स्थिति माना जिसके लिए कड़े फैसले लेने की जरूरत थी। उन्होंने कहा, 'आखिरकार, हम व्यापार नीति बदलने में कामयाब हो रहे हैं। हम व्यापार घाटा कम करने में सफल हो रहे हैं। हम कारोबार को दोबारा अमेरिका वापस लाने में कामयाब हो रहे हैं। हम वेतन के मोर्चे पर भी बढ़त बना रहे हैं। हम इन सभी मोर्चों पर जीत रहे हैं।

ऑफ बीट

नींद में खलल से पक्षियों की आवाज में आता है बदलाव

पक्षियों को भी नींद में खलल पड़ने पर तकलीफ होती है, और यह उनके गायन में भी दिखाई देता है। पक्षियों की आवाज असाधारण रूप से विविध होती है। यह साधारण आवाज, जैसे मुर्गा के कुकड़ू-कु, से लेकर अन्य ध्वनियों की जटिल नकल, कभी-कभी तो मानव आवाज की नकल तक होती है। यह आवाज पक्षियों के लिए अपने और अपने परिवेश के बारे में जानकारी साझा करने के वास्ते महत्वपूर्ण है। यह आमतौर पर छोटी और सरल होती है। इसका इस्तेमाल अक्सर सामाजिक संवाद के लिए किया जाता है, जैसे खतरे या भोजन का संकेत देना, रिश्तेदारों की पहचान के लिए या सामाजिक जुड़ाव बनाए रखने के लिए। गीत ज़्यादा जटिल और मधुर होते हैं और इनका इस्तेमाल साथी को आकर्षित करने, किसी क्षेत्र की रक्षा करने या नये क्षेत्र पर कब्जा करने के लिए किया जाता है। ऐसी ध्वनियां उत्पन्न करने के लिए, पक्षियों को मस्तिष्क, फेफड़े और गले की मांसपेशियों सहित कई शारीरिक प्रणालियों का समन्वय करना पड़ता है। चूंकि स्वर-निर्माण जटिल होते हैं और सटीक समय की आवश्यकता होती है, इसलिए उनमें त्रुटियां होने की संभावना अधिक होती है। कई प्रजातियों में, जो पक्षी अधिक बार और अधिक जटिलता से गाते हैं, वे बेहतर साथी आकर्षित कर सकते हैं।

ट्रेंड

मेरी संवेदनाएं

सिक्किम के नामची ज़िले में बन रही सुरंग के पास भूस्खलन से हुई कीमती जानों के नुकसान से मुझे गहरा दुख हुआ है। मेरी संवेदनाएं उन सभी लोगों के साथ हैं जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है।

- **राजनाथ सिंह**, रक्षा मंत्री

भर्ती परीक्षा

झारखंड के युवाओं के भविष्य के साथ कब तक खिलवाड़ होता रहेगा? हेमंत सरकार के कार्यकाल में शायद ही कोई ऐसी भर्ती परीक्षा हुई हो जो बिना किसी विवाद के पूरी हुई हो। हर बार युवाओं की मेहनत, उम्मीदों और भविष्य के साथ अन्याय होता है।

- **बाबूलाल मरांडी**, पूर्व सीएम, झारखंड

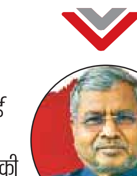

संवेदनहीनता

केंद्र सरकार एक महीने तक असंवेदनशील बनी रही और कोई बातचीत नहीं की। जब युवाओं ने सरकार तक अपनी बात पहुँचाने के लिए संसद तक मार्च करने का फैसला किया, तो पुलिस ने उन पर लाठीचार्ज किया और आंसू गैस के गोले भी छोड़े।

- **अशोक गहलोत**, पूर्व सीएम, राजस्थान

सार्थक बातचीत

मुझे उम्मीद है कि हमारी सरकार सोनम वांगचुक और छात्र संगठनों के साथ सार्थक बातचीत शुरू करेगी ताकि उनकी सेहत और न बिगड़े! सोनम, कृपया अपना अनशन खत्म करें। आपकी सेहत भी उतनी ही ज़रूरी है जितनी कि यह लड़ाई।

- **प्रीति जी ज़िंटा**, फिल्म अभिनेत्री

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

ब्रिटेन में नए पीएम बर्नहैम ने नए कैबिनेट के चेहरों का खुलासा किया

ब्रिटेन की नई सरकार में भारत का डंकाः बिहार के कनिष्क नारायण बने एआई मंत्री, लीजा नंदी को मिली संस्कृति मंत्रालय की कमान

एजेंसी ▶▶ लंदन

भारत के तकनीकी विशेषज्ञों का डंका अमेरिका से लेकर यूरोप तक बोलता रहा है। अब इसमें एक और सितारा जुड़ गया है। नाम है- कनिष्क नारायण। दरअसल, ब्रिटेन में नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम ने अपने नए कैबिनेट के चेहरों का सोमवार को खुलासा किया। इनमें भारत से जुड़े दो चेहरों को शामिल किया गया है। एक नाम कनिष्क नारायण और दूसरा नाम लीजा नंदी का। जहां कनिष्क को ब्रिटेन में नवगठित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) मामलों का मंत्रालय सौंपा गया है, वहीं लीजा को संस्कृति मंत्रालय की जिम्मेदारी दी गई है। इन दोनों चेहरों का ही भारत से जुड़ाव रहा है। जहां लीजा पश्चिम बंगाल से नाता रखती हैं तो वहीं कनिष्क बिहार से। दोनों ही नेता दूसरी पीढ़ी के भारतवंशी हैं। यानी इनके पिता का जन्म भारत में ही हुआ था। बता दें इससे पहले ब्रिटेन में भारतीय मूल के ऋषि सुनक प्रधानमंत्री और प्रीति पटेल एवं सुएला ब्रेवरमैन गृह मंत्री रह चुके हैं।

कनिष्क का परिवार बिहार का है और लंबे समय से ब्रिटेन में है

लीजा का परिवार पश्चिम बंगाल से है वे लंदन से पढ़ी हैं

ब्रिटेन का संसद भवन

कनिष्क नारायण

कनिष्क नारायण ब्रिटेन में एक प्रमुख भारतीय मूल के नेता हैं। उन्हें वेल्स के पहले जातीय अल्पसंख्यक सांसद होने का ऐतिहासिक गौरव प्राप्त है। उन्होंने कैथेस हाई स्कूल से पढ़ाई करने के बाद, ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी से दर्शनशास्त्र, राजनीति और अर्थशास्त्र (पीपीई) में बीए और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी से बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन में मास्टर डिग्री (एमबीए) हासिल की है। राजनीति में कदम रखने से पहले, उन्होंने अमेरिका की सिलिकॉन वैली और ब्रिटेन में ग्लोबल टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में काम किया है। वह निवेश बैंक लजॉर्ड में काम कर चुके हैं, जहां उन्होंने ब्रिटिश कंपनियों और वित्त मंत्रालय के सलाहकार के तौर पर काम किया।

बिहार में जन्म दिल्ली में पढ़ाई

कनिष्क नारायण का जन्म बिहार के मुजफ्फरपुर में हुआ था। उन्होंने अपने बचपन के शुरुआती साल भारत में ही बिताए। कनिष्क के पिता संतोष कुमार और मां चेतना सिन्हा एसकेजे लॉ कॉलेज से पढ़ाई पूरी करने के बाद दिल्ली चले गए। ऐसे में तीसरी कक्षा तक मुज्जफरपुर में पढ़े कनिष्क की आगे की पढ़ाई दिल्ली के एपीजे स्कूल से हुई। बाद में 12 वर्ष की उम्र में उनके माता-पिता भारत से ब्रिटेन के वेल्स स्थित कार्डिफ में बस गया।

लीजा नंदी

लीजा नंदी ब्रिटेन की एक प्रमुख भारतीय मूल की नेता हैं, जो ब्रिटेन के नए प्रधानमंत्री एंडी बर्नहैम के मंत्रिमंडल में संस्कृति मंत्री नियुक्त की गई हैं। उन्होंने न्यूकैसल यूनिवर्सिटी से राजनीति विज्ञान में पढ़ाई की और बाद में लंदन की बिर्कबेक यूनिवर्सिटी से पब्लिक पॉलिसी में मास्टर डिग्री हासिल की। राजनीति में आने से पहले उन्होंने बेघर लोगों के लिए काम करने वाली संस्था सेंटरप्वाइंट और द चिल्ड्रन सोसाइटी में वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में काम किया।

भारत से जुड़ाव

लीजा नंदी के पिता दीपक नंदी भारत में पश्चिम बंगाल के कोलकाता से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता एक बंगाली मार्क्सवादी प्रोफेसर और शिक्षाविद रहे। वहीं, उनकी मां लुईस बायर्स, ब्रिटिश मूल की हैं। अपने पिता के जरिए ही लीजा को भारतीय-ब्रिटिश मूल की नेता माना जाता है। उनकी एक पहचान यह भी है कि उनके नाना फ्रैंक बायर्स, एक लिबरल सांसद थे, जो बाद में हाउस ऑफ लॉर्ड्स (ब्रिटिश संसद के उच्च सदन) में भी रहे।

खबर संक्षेप

ईरानी अधिकारी ने पाक मध्यस्थों से मुलाकात की

इस्लामाबाद। अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध-विराम को लेकर हुए अंतरिम समझौते के विफल होने के बाद तेहरान के एक शीर्ष अधिकारी ने मंगलवार को पाकिस्तान में मध्यस्थों के साथ बातचीत शुरू की। दो अधिकारियों ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर बताया कि ईरान के गृह मंत्री इस्कंदर मोमेनी ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मुनीर से मुलाकात की। हालांकि, अधिकारियों ने बैठक के बारे में कोई अन्य जानकारी नहीं दी।

यूएई ने बाढ़ पीड़ितों के प्रति जताई संवेदना

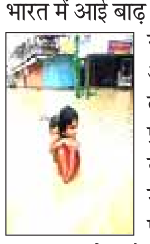

दुबई। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) ने भारी बारिश के कारण भारत में आई बाढ़ और भूस्खलन से हुई जनहानि और नुकसान को लेकर भारत के प्रति एकजुटता व्यक्त करते हुए मृतकों के परिजनों के प्रति मंगलवार को संवेदना प्रकट की। यूएई का यह संदेश ऐसे समय आया है जब देश के कई हिस्से लगातार हो रही बारिश से प्रभावित हैं। यूएई के विदेश मंत्रालय ने बयान में कहा, बाढ़ पीड़ितों के प्रति भारत गणराज्य के साथ अपनी एकजुटता व्यक्त की है।

यूक्रेन तट पर मर्चेंट जहाज पर रूसी मिसाइल का हमला

भारत के 4 नाविकों की मौत पर भारत सख्त, रूसी राजनयिक को किया तलब

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रूस-यूक्रेन संघर्ष के बीच समुद्र में व्यापारिक जहाजों की सुरक्षा को लेकर एक बेहद दुखद और गंभीर घटना सामने आई है। यूक्रेन के तट के पास ओडेसा बंदरगाह से रवाना हो रहे एक नागरिक मर्चेंट जहाज पर हुए रूसी हमले में चार भारतीय नाविकों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक अन्य भारतीय नाविक गंभीर रूप से घायल है। इस घटना पर भारत ने अत्यंत कड़ा रुख अपनाते हुए मंगलवार को नई दिल्ली में रूस के चार्ज डी अफेयर्स (सीडीए) को विदेश मंत्रालय में तलब किया और अपनी सख्त नाराजगी दर्ज कराई। घटना 19 जुलाई की शाम की है, जब गिनी-बिसाऊ के झंडे वाला कमर्शियल जहाज एमवी गोल्डन लियो यूक्रेन के ओडेसा पोर्ट से आगे बढ़ रहा था। यूक्रेनी वायु सेना और विदेश मंत्रालय के अनुसार, इस जहाज पर रूसी क्रूज मिसाइलों से हमला किया गया।

घटना के समय जहाज पर कुल 17 क्रू सदस्य सवार थे, जिनमें पांच भारतीय नागरिक भी शामिल थे। हमले की चपेट में आने से चार भारतीयों की जान चली गई। रूस-यूक्रेन युद्ध की शुरुआत के बाद से समुद्री व्यापारिक मार्ग पर भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला दुखद मामला है। विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिक से स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक निर्दोष और नागरिक कमर्शियल जहाज को निशाना बनाना पूरी तरह से अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय ने आधिकारिक बयान जारी कर इस हमले की तीव्र निंदा की और कहा कि बेगुनाह आम नागरिकों और क्रू सदस्यों की जान खतरे में डालना बेहद निंदनीय है। अंतरराष्ट्रीय जलक्षेत्र या समुद्री व्यापारिक मार्गों पर नेविगेशन और व्यापार की आजादी में बाधा डालना किसी भी स्थिति में न्यायसंगत नहीं ठहराया जा सकता।

कमर्शियल शिप पर हमला, भारत ने रूस को सुनाई खरी-खरी

एमईए ने कहा क्रू सदस्यों की जान खतरे में डालना निंदनीय

भारत ने कहा इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति नहीं होना चाहिए

राजनायिक वाहन से उतरे सीधे दफ्तर में प्रवेश कर गए, चित्र उसी अवसर का

जहाज पर तीन क्रूज मिसाइलों से हुआ था हमला

यूक्रेनी नौसेना के अनुसार, रूस ने गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले जहाज पर तीन क्रूज मिसाइलों से हमला किया। इस जहाज पर भारत और सीरिया के क्रू सदस्य सवार थे। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि रूसी क्रूज मिसाइलों के हमले से जहाज में आग लग गई। इसके बाद विदेश मंत्रालय ने बताया कि इस घटना में चार भारतीय नागरिकों की मौत हो गई और एक व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया। एमवी गोल्डन लियो एक जनरल कार्गो शिप था और घटना के समय इस पर 17 क्रू मेंबर सवार थे। यूक्रेन के सीपोर्ट अथॉरिटी ने सोमवार को बताया कि मरने वालों में गोल्डन लियो के नौ क्रू मेंबर और पोर्ट का एक यूक्रेनी पायलट शामिल था। जानकारी के अनुसार, एमवी गोल्डन लियो मुंबई की कंपनी ओशन ग्रेस शिपिंग लिमिटेड की है। हाल के हफ्तों में रूस के हमले तेज होने के कारण ओडेसा इलाके और यूक्रेन के समुद्री रास्ते से सामान भेजने वाले आखिरी बचे कॉरिडोर पर लगातार हमले हो रहे हैं। मॉस्को ने उन विदेशी झंडे वाले कार्गो जहाजों पर हमला किया है जो रोमानिया और बुल्गारिया के तट से होते हुए तुर्की तक सामान ले जाते हैं। यूक्रेन के विदेश मंत्री आंद्री सिबिहा ने इस हमले की पुष्टि की है। सिबिहा ने कहा, ₹एक आम नागरिक जहाज। एक अंतरराष्ट्रीय क्रू। एक ऐसा रास्ता जो दुनिया की खाद्य सुरक्षा में मदद करता है। पुतिन को एक और निशाना मिल गया।

भारत हमेशा ही कूटनीति का पक्षधर रहा है

विदेश मंत्रालय ने इस दुखद हादसे में जान गंवाने वाले भारतीय नाविकों के परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और अस्पताल में भर्ती घायल भारतीय नाविक के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है। इसके साथ ही, यूक्रेन स्थित भारतीय मिशन इस पूरी स्थिति पर चौबीसों घंटे बारीकी से नजर बनाए हुए है। भारतीय दूतावास प्रभावित परिवारों और स्थानीय अधिकारियों के संपर्क में है ताकि पीड़ित परिवारों को हर संभव कूटनीतिक और मानवीय सहायता जल्द से जल्द पहुंचाई जा सके। भारत ने हमेशा से ही रूस-यूक्रेन विवाद को बातचीत और कूटनीति के माध्यम से सुलझाने की वकालत की है। हालांकि, अपने नागरिकों की सुरक्षा के मुद्दे पर भारत ने स्पष्ट कर दिया है कि व्यापारिक जहाजों और आम नागरिकों को युद्ध का शिकार बनाना कतई बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस घटना ने अंतरराष्ट्रीय समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर एक बार फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

भारत की बढ़ सकती है टेंशन

अमेरिकी धार्मिक स्वतंत्रता आयोग के अध्यक्ष बने पाक मूल के डॉ. आसिफ

डॉ. आसिफ भारत विरोधी बयानों के लिए कुख्यात हैं

डॉ. आसिफ महमूद

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अमेरिका में ट्रंप प्रशासन ने पाकिस्तान मूल के डॉक्टर आसिफ महमूद को यूनाइटेड स्टेट्स कमीशन ऑन इंटरनेशनल रिलीजियस फ्रीडम (यूएससीआईआरएफ) का अध्यक्ष नियुक्त किया है। यह आयोग अमेरिका की संघीय सरकार के अंतर्गत काम करता है, जिसमें दोनों पार्टियों रिपब्लिकन और डेमोक्रेटिक के सदस्य शामिल होते हैं। हालांकि, इसके अध्यक्ष के रूप में डॉ आसिफ महमूद की नियुक्ति को भारत के लिए बड़ा झटका बताया जा रहा है। आसिफ महमूद खुले तौर पर भारत का विरोध करते रहे हैं। सोमवार को एक बयान में, यूएससीआईआरएफ ने महमूद को सर्वसम्मति से पैनल का अध्यक्ष और सीसी हील को 2026-27 कार्यकाल के लिए उपाध्यक्ष चुने जाने की घोषणा की। महमूद एक प्रैक्टिसिंग पल्मोनोलॉजिस्ट (फेफड़ों के विशेषज्ञ), मानवाधिकार कार्यकर्ता और समाजसेवी हैं। आयोग की वेबसाइट पर कहा गया है, दुनिया भर के संकटग्रस्त इलाकों - जिनमें कश्मीर, टिग्रे और संघर्ष वाले अन्य क्षेत्र शामिल हैं - में उनके वैश्विक वकालत के काम और मानवीय प्रयासों ने लोगों की जान बचाने में मदद की है। कैलिफोर्निया मेडिकल बोर्ड के दो बार सदस्य रहे डॉ महमूद मरीजों के अधिकारों की पुरजोर वकालत करते हैं और सभी समुदायों के लिए बेहतर मेडिकल कवरेज सुनिश्चित करने की दिशा में काम करते हैं।

भारत विरोधी आते रहे बयान

डॉ.आसिफ और यूएससीआईआरएफ का भारत विरोधी होने का इतिहास है। दोनों ने ही कई मौकों पर भारत के खिलाफ जमकर गलतबयानी की है। डॉ आसिफ महमूद कश्मीर को लेकर भारत के खिलाफ जहर उगलते रहे हैं। हालांकि, पाकिस्तान में मानवाधिकारों के हालात पर उनकी जुबान बंद रहती है। वहीं, यूएससीआईआरएफ कई बार अपनी वार्षिक रिपोर्ट में भारत को विशेष चिंता वाला देश घोषित कर चुका है। भारत ने हर बार यूएससीआईआरएफ की रिपोर्ट को मनगढ़ंत, भ्रामक और जानबूझकर बदमाशी बताते हुए खारिज किया है। और बार इस भ्रामक तथ्यों की पोल भी खुलती रही है।

ईरान के 9 शहरों पर अमेरिका ने किए हमले

अब अमेरिका ने माना-ईरानी हमलों में 100 सैनिक घायल

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

धमाके बीती रात भी जारी रहे

अमेरिका ने मान लिया है कि ईरान के जवाबी हमलों में उसके करीब 100 सैनिक घायल हुए हैं। पेंटागन के प्रवक्ता सीन पार्नेल ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि ये सैनिक 7 जुलाई के बाद हुए हमलों में घायल हुए। इनमें से 96% सैनिक ठीक होकर ड्यूटी पर लौट चुके हैं। उन्होंने बताया कि ज्यादातर को सिर पर हल्की चोट लगी थी। पार्नेल ने यह बयान स्थानीय मीडिया के सवाल के जवाब में दिया, जिसमें दावा किया गया था कि रक्षा मंत्रालय ईरान के साथ युद्ध में घायल हुए अमेरिकी सैनिकों की जानकारी सार्वजनिक नहीं कर रहा है। पार्नेल ने कहा कि इसमें जानबूझकर देरी हुई। ऐसा सैनिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया। उधर अमेरिका और ईरान के बीच लगातार हमले जारी हैं। ईरान ने सोमवार को उन देशों को निशाना बनाया, जहां अमेरिकी सैन्य ठिकाने मौजूद हैं। इसके जवाब में अमेरिका ने मंगलवार सुबह ईरान के 9 शहरों पर हवाई हमले किए। ईरानी मीडिया के मुताबिक अबदानान, बंदर अब्बास, बंदर लेंगेह, बुशेहर, चाबहार, केश्म द्वीप, सीरिक, शीराज और कोनारक को निशाना बनाया गया। 28 फरवरी से शुरू हुए ईरान युद्ध में अब तक 17 अमेरिकी सैनिक मारे गए हैं, जबकि 430 से ज्यादा घायल हुए हैं। वहीं, ईरानी अधिकारियों का कहना है कि इस महीने शुरू हुए अमेरिकी हमलों में अब तक कम से कम 50 लोगों की मौत और 517 लोग घायल हुए हैं।

सऊदी अरब पहुंचे डोभाल

विदेश मंत्री फैसल से मिलकर ऊर्जा एवं सुरक्षा पर की चर्चा

एजेंसी ▶▶ रियाद

पश्चिम एशिया में गहराते तनाव के बीच भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल ने सऊदी अरब का महत्वपूर्ण दौरा किया। रियाद में उन्होंने सऊदी विदेश मंत्री शहजादे फैसल बिन फरहान से मुलाकात कर रणनीतिक संबंधों, ऊर्जा सुरक्षा और समुद्री मार्गों की सुरक्षा पर गहन चर्चा की। इस वर्ष डोभाल की यह तीसरी सऊदी यात्रा है। यह बैठक ऐसे समय हुई है जब यमन के हूती विद्रोहियों ने बाब-अल-मंदेब जलडमरूमध्य में सऊदी जहाजों के खिलाफ नाकाबंदी की धमकी दी है। इसके अलावा, अमेरिका-ईरान संघर्ष के कारण होर्मुज जलडमरूमध्य से तेल आपूर्ति और वैश्विक व्यापार बाधित होने की आशंका बढ़ गई है। सऊदी अरब ने स्पष्ट किया है कि वह अंतरराष्ट्रीय नियमों के तहत अपने जहाजों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। भारत के लिए यह घटनाक्रम बेहद संवेदनशील है क्योंकि सऊदी अरब भारत का प्रमुख कच्चा तेल आपूर्तिकर्ता है और वहां 26 लाख भारतीय प्रवासी रहते हैं।

राष्ट्रपति मुर्मू का गार्ड ऑफ ऑनर से... स्वागत

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मु ने मंगलवार को अपने कार्यक्रमों की शुरुआत विला वोडनो के दौरे से की। विला वोडनो उत्तर मैसिडोनिया की राष्ट्रपति का आधिकारिक निवास-सह-कार्यालय है। वहां उत्तर मैसिडोनिया की राष्ट्रपति, महामहिम डॉ. गोर्डाना सिलजानोव्स्का-दावकोवा ने राष्ट्रपति का गर्मजोशी से स्वागत किया। उनका औपचारिक स्वागत किया गया और उन्हें गार्ड ऑफ़ ऑनर दिया गया। आमने-सामने की बैठक और प्रतिनिधिमंडल स्तरीय बातचीत के दौरान, दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय सहयोग के सभी विषयों पर चर्चा की, और आपसी हित के क्षेत्रीय एवं वैश्विक मुद्दों पर विचारों का आदान-प्रदान किया।

तीन हफ्ते से नहीं लौटा परिसर

न्यूयॉर्क के होटल में रहने को मजबूर हैं भारतीय राजनयिक

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

संयुक्त राष्ट्र (यूएन) में भारत के स्थायी मिशन में तैनात भारतीय राजनयिक और अधिकारी 3 सप्ताह बीत जाने के बाद भी अपने कार्यालय और आवास परिसर में नहीं लौट पाए हैं। मैनहट्टन की 42वीं स्ट्रीट पर स्थित एक 37 मंजिला निर्माणाधीन इमारत में संरचनात्मक खामियों की सूचना मिलने के बाद 7 जुलाई को एहतियातन भारत के मिशन भवन सहित आसपास की कई इमारतों को खाली कराया गया था। भारतीय मिशन की यह इमारत यूएन मुख्यालय के बेहद पास स्थित है, जिसमें कार्यालयों के अलावा राजनयिकों और उनके परिवारों के आवास भी हैं। निकासी आदेश के बाद अधिकारियों और उनके परिजनों को अस्थायी रूप से न्यूयॉर्क शहर के विभिन्न होटलों में ठहराया गया है। हालांकि घटना के अगले ही दिन प्रतिबंध हटा लिए गए और लोग लौट आए, लेकिन भारतीय मिशन,स्कूल,होटल पर अब भी प्रवेश रोक लागू है।

पिच ब्लैक 2026: डार्विन में ऑस्ट्रेलियाई पीएम से मिले भारतीय जाबांज़

ऑस्ट्रेलियाई आसमान में गरजेंगे राफेल, आईएएफ टीम ने शुरू किया युद्धाभ्यास

ऑस्ट्रेलिया में भारतीय वायु सेना का जलवा, प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मिली भारतीय वायुसेना के जाबांजों की टुकड़ी

एजेंसी ▶▶ डार्विन

ऑस्ट्रेलिया के डार्विन में आयोजित बहुराष्ट्रीय हवाई युद्धाभ्यास 'एक्सरसाइज पिच ब्लैक 2026 के भव्य उद्घाटन समारोह के दौरान भारतीय वायु सेना की टुकड़ी ने ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज से मुलाकात की। इस मुलाकात के बाद ऑस्ट्रेलिया में स्थित भारतीय उच्चायोग ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर भारत और ऑस्ट्रेलिया के मजबूत रक्षा संबंधों की सराहना करते हुए कहा कि समुद्र तल से आसमान तक दोनों देशों के संबंध नई ऊंचाइयों को छू रहे हैं। 20 जुलाई से 07 अगस्त 2026 तक चलने वाला यह युद्धाभ्यास रॉयल ऑस्ट्रेलियाई एयर फोर्स (आरएएएफ) द्वारा हर दो साल में आयोजित किया जाता है, जो दक्षिणी गोलार्ध में सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय एयर कॉम्बैट एक्सरसाइज माना जाता है।

रक्षा संबंध बुलंदः 19 देशों संग एयर कॉम्बैट में उतरी वायु सेना

दक्षिणी गोलार्ध के बड़े एयर शो में भारतीय राफेल का जलवा

भारतीय वायु सेना के जबांज ऑस्ट्रेलिया के पीएम के साथ

100 वायु सैनिकों दल शामिल

इस साल के 19 से अधिक देशों की वायुसेनाएं एक साथ मिलकर हिस्सा ले रही हैं। अभ्यास का नाम उत्तरी ऑस्ट्रेलिया के विशाल और कम आबादी वाले इलाकों में रात के समय उड़ान भरने के विशेष अभ्यास के कारण पड़ा है। जटिल लार्ज फोर्स एम्प्लॉयमेंट और मल्टीनेशनल एयर कॉम्बैट ऑपरेशन्स के लिए विभिन्न देशों के सैन्य कर्मियों को एक मंच पर लाता है। भारतीय वायु सेना की ओर से लगभग 100 वायुसैनिकों का एक दल चार अत्याधुनिक राफेल फाइटर जेट्स शामिल हैं।

पायलट व इंजीनियर भी शामिल

आईएएफ की इस विशेष टुकड़ी में पायलट, इंजीनियर, तकनीशियन, कंट्रोलर और अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। राफेल मल्टीरोल फाइटर एयरक्राफ्ट को कॉम्बैट सपोर्ट देने के लिए भारत ने सी-17 ग्लोबमास्टर-3 और आईएल-78 एयर-टू-एयर रिफ्यूलिंग (हवा में ईंधन भरने वाले) विमानों को भी मैदान में उतारा है। 17 जुलाई को ऑस्ट्रेलिया पहुंची भारतीय वायु सेना की टुकड़ी के लिए यह अभ्यास लंबी दूरी के हवाई अभियानों को परखने, बल एकीकरण (फॉरगेट इंटीग्रेशन) को मजबूत करने और ऑपरेशनल बेस्ट प्रैक्टिसेज को साझा करने का एक बड़ा मंच प्रदान करता है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह युद्धाभ्यास एक वास्तविक और चुनौतीपूर्ण बहुराष्ट्रीय माहौल में अंतर-संचालनीयता (इंटरऑपरेबिलिटी) को बढ़ाने और हिंद-प्रशांत क्षेत्र में पेशेवर साझेदारी को मजबूत करने का शानदार मौका देता है। भारतीय वायु सेना इससे पहले 2018, 2022 और 2024 के संस्करणों में भी सफलता पूर्वक भाग ले चुकी है। इस निरंतर भागीदारी से भारत की वैश्विक रक्षा सहयोग, क्षेत्रीय सुरक्षा और शांति बनाए रखने के प्रति प्रतिबद्धता और अधिक सुदृढ़ होती है।

श्रीराधा कृष्ण मंदिर में विट्ठल वारी की चक्रीय आरती संपन्न

हरिनाम संकीर्तन से होता है सकारात्मक ऊर्जा का संचार

जबलपुर। श्रीराधा कृष्ण मंदिर, लॉर्डगंज में आषाढ़ी कार्तिकी वारी महामंडल द्वारा आयोजित विट्ठल वारी यात्रा की चक्रीय आरती संपन्न हुई। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने श्रीहरि विट्ठल-रखुमाई के नाम का संकीर्तन करते हुए वातावरण को भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने आलंदी महाराष्ट्र से पधारी संत ज्ञानेश्वर महाराज की चरण पादुका को सिर पर धारण कर जय जय राम कृष्ण हरि, हरे कृष्ण हरे राम एवं विट्ठल-विट्ठल नाम का संकीर्तन किया। वारकरी भक्तों की भक्ति और आस्था से जबलपुर के मार्गों पर महाराष्ट्र के पंढरपुर जैसी आध्यात्मिक छटा दिखाई दी। आषाढ़ी कार्तिकी वारी महामंडल द्वारा देवशयनी एकादशी पर आयोजित होने वाली विट्ठल वारी सामाजिक समरसता यात्रा 25 जुलाई को शाम 4 बजे दत्त मंदिर गोलबाजार से प्रारंभ होकर विट्ठल रखुमाई मंदिर, राजा रसगुल्ला गली तक पहुंचेगी। इसके अंतर्गत जबलपुर में 18 दिवसीय चक्रीय आरती का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में शिव शक्ति राम मंदिर, आसमानी माता मंदिर, सरस्वती उद्यान एवं सरस्वती कॉलोनी स्थित दुर्गा हनुमान मंदिर में हरिनाम संकीर्तन, पंच आरती, पसायदान पाठ एवं सामूहिक नर्मदा अष्टक का पाठ किया गया।इस अवसर पर पूर्व महापौर स्वाति सदानंद गोडबोले, पार्षद प्रतिभा विध्येश भापकर, गुरुजी मुरली पालंदे, गुरुजी जयेश टकलकर, तेजश्री, मनीष नाजवाले, छाया किशोर कलमकर, धनाजी पाटिल, पिंटू पवार, पवन चौहान, विक्रम जगदाले, संजय बेहरे, प्रकाश जगदाले, शाहजी पाटिल, डॉ. सुनील देशपांडे, राजेश तोपखाने वाले, भास्कर वर्तक, सुनील नाजवाले, विवेक मेराल, संजय आप्टे, विध्येश भापकर सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इसी क्रम में अगली चक्रीय आरती 22 जुलाई शाम 7 बजे गणेश मंदिर महाराष्ट्र भवन, अधारताल में आयोजित की जाएगी।

बगलामुखी मंदिर से भागवत कलश यात्रा आज

जबलपुर। गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर बगलामुखी सिद्धपीठ शंकराचार्य मठ में 22 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का आयोजन शाम 4 बजे से 7 बज तक किया जाएगा। ब्रह्मचारी चैतन्यानंद प्रतिदिन भागवत कथा का रसपान करायेंगे। कार्यक्रम का शुभारंभ आज कलश शोभायात्रा के साथ होगा। आयोजकों के अनुसार, प्रातः 11 बजे कलश यात्रा एवं श्रीमद्भागवत की शोभायात्रा बगलामुखी मंदिर से प्रारंभ होकर करमचंद चौक, सिविक सेंटर, समदड़िया मॉल सहित विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए पुनः बगलामुखी मंदिर पहुंचेगी।

गीताधाम में श्रीमद्भागवत कथा आज से

जबलपुर। श्री गीता धाम, गौरीघाट में गुरु पूर्णिमा महोत्सव-2026 एवं श्रीमद्भागवत महापुराण कथा का शुभारंभ आज, 22 जुलाई से होगा। कथा का आयोजन 22 जुलाई से 28 जुलाई 2026 तक प्रतिदिन दोपहर 3 बजे से सायं 7 बजे तक किया जाएगा। सप्ताह भर चलने वाली इस भागवत कथा का दिव्य वाचन एवं श्रीमद् जगद्गुरु नृसिंह पीठाधीश्वर डॉ. स्वामी नरसिंहदेवाचार्य महाराज के श्रीमुख से होगा।

मौसी के निवास पर विराजे भगवान जगन्नाथ 10 दिनों तक होगा हरिनाम संकीर्तन

जबलपुर। श्री जगदीश मंदिर गणेश मंदिर लोक न्यास, गढ़ाफाटक द्वारा आयोजित भगवान श्री जगन्नाथ स्वामी की 259वीं ऐतिहासिक रथयात्रा के उपरांत भगवान मौसी के निवास पर विराजमान होकर श्रद्धालुओं को दर्शन दे रहे हैं। परंपरा के अनुसार भगवान यहां 10 दिनों तक विश्राम करेंगे। लोक न्यास के प्रबंध न्यासी अधिवक्ता लाल ज्ञानेंद्र सिंह बघेल ने बताया कि श्रीक्षेत्र पुरी की परंपरा के अनुरूप जबलपुर में भी वर्षों से यह दिव्य परंपरा निभाई जा रही है। मंदिर के पुजारी देवेंद्र त्रिपाठी प्रतिदिन पूजन, मंगल आरती एवं भोग-प्रसाद अर्पित कर रहे हैं। वहीं प्रातः 8 से 9 बजे तक श्री चैतन्य महाप्रभु संकीर्तन मंडल, जाबालीपुरम के तत्वावधान में भव्य हरिनाम संकीर्तन एवं महाआरती का आयोजन हो रहा है। इस दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान के दर्शन कर भोग-प्रसाद अर्पित कर रहे हैं। आयोजन में न्यासी राजकुमार साहू, प्रबंधक मोहित तिवारी, संकीर्तनाचार्य पं. मनमोहन दुबे, संयोजक देवेंद्र नेमा, अतुल कुमार पटेल, मोहित कुमार लोधी, प्रेमपुरी गोस्वामी, पप्पन मिश्रा, सत्यप्रकाश नामदेव, विवेक अग्रवाल, दिलीप पुरी, सुरेंद्र पुरी, राकेश उपाध्याय, सुनील गुप्ता, डीके दुबे, अमित दुबे, रज्जु सोनी, राजेश असाटी, विशाल पंड्या, अमित विश्नोई सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब जबलपुर साउथ ने 400 से अधिक विद्यार्थियों को वितरित की निःशुल्क कॉपियां

जबलपुर। रोटरी क्लब जबलपुर साउथ ने शिक्षा के क्षेत्र में अपनी सेवा गतिविधियों के तहत शासकीय माध्यमिक विद्यालय, कचपुरा गढ़ा गुलुआ चौक में तीसरे चरण के दौरान 400 से अधिक विद्यार्थियों को निःशुल्क कॉपियों का वितरण किया।

क्लब के अध्यक्ष अखिल खंडेलवाल ने विद्यार्थियों, विशेषकर छात्राओं को आश्वस्त किया कि उनके बेहतर भविष्य एवं करियर निर्माण के लिए आवश्यक हर संभव सहयोग क्लब द्वारा उपलब्ध कराया जाएगा। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि समाज कल्याण प्रकोष्ठ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ कांग्रेस नेता सत्येंद्र पचौरी रहे। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष अनुराग जैन, सारंग भिड़े, सचिव आशीष गुप्ता, स्पर्श जैन, प्रमेश केशरवानी, अतुल राजपूत, विद्यालय के प्राचार्य, गुरुजन तथा रोटरी क्लब के सदस्य उपस्थित रहे।

पुण्यतिथि पर सेवा कार्य, मेडिकल कॉलेज में जरूरतमंदों को खिचड़ी वितरित

जबलपुर। श्री रोमिल भारतीय के पूज्य पिताश्री स्वर्गीय राजकुमार भारतीय की पुण्यतिथि पर रविवार को नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेडिकल कॉलेज परिसर में श्रद्धांजलि एवं सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए जरूरतमंद मरीजों के परिजनों एवं अन्य लोगों को खिचड़ी वितरित की गई।यह सेवा कार्य 'अपनापन आहार दान सेवा समिति' के तत्वावधान में संपन्न हुआ। समिति द्वारा वर्षों से मेडिकल कॉलेज परिसर में निस्वार्थ भाव से जरूरतमंदों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। उपस्थित अतिथियों ने स्व. राजकुमार भारतीय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए सेवा कार्य को प्रेरणादायी बताया। कार्यक्रम में दीपक जैन सहित समिति के सेवाभावियों के योगदान की सराहना करते हुए उनके निरंतर जनसेवा के संकल्प की प्रशंसा की गई।

जबलपुर–कोलकाता सीधी उड़ान पर बंग समाज ने सांसद आशीष दुबे का किया सम्मान

जबलपुर। जबलपुर–कोलकाता के बीच प्रस्तावित सीधी हवाई सेवा शुरू होने के निर्णय पर शहर के बंगाली समाज ने लोकसभा सांसद आशीष दुबे का सम्मान कर उनके प्रयासों के प्रति आभार व्यक्त किया। सिटी बंगाली क्लब, श्री रामकृष्ण आश्रम एवं बंग समाज, जबलपुर के प्रतिनिधियों ने कहा कि जुलाई के अंत अथवा अगस्त के प्रथम सप्ताह से शुरू होने वाली यह सेवा छात्रों, व्यापारियों, उद्योग जगत, पर्यटकों तथा पूरे महाकौशल क्षेत्र के लिए लाभकारी सिद्ध होगी।

प्रतिनिधियों ने बताया कि लंबे समय से चली आ रही इस मांग को सांसद आशीष दुबे ने गंभीरता से उठाकर निरंतर प्रयास किए, जिसके परिणामस्वरूप यह सुविधा प्रारंभ होने जा रही है। इससे जबलपुर की हवाई कनेक्टिविटी मजबूत होगी तथा व्यापार, पर्यटन, शिक्षा और सांस्कृतिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। सम्मान के लिए आभार व्यक्त करते हुए सांसद आशीष दुबे ने कहा कि यह उपलब्धि पूरे महाकौशल क्षेत्र की सामूहिक आकांक्षाओं की सफलता है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि जबलपुर को देश के अन्य प्रमुख महानगरों से बेहतर हवाई संपर्क उपलब्ध कराने के लिए उनके प्रयास निरंतर जारी रहेंगे।

नगर निगम की जनसुनवाई में 48 शिकायतों का त्वरित निराकरण, नागरिकों को मिली राहत

जबलपुर। नगर निगम मुख्यालय एवं सभी संभागीय कार्यालयों में आयोजित साप्ताहिक जनसुनवाई में निगमायुक्त राम प्रकाश अहिरवार ने नागरिकों की समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। मुख्यालय में विभिन्न विभागों से संबंधित 48 शिकायतें प्राप्त हुईं, जिनमें राजस्व एवं स्वास्थ्य विभाग के कई मामलों का मौके पर ही निराकरण कर आवेदकों को राहत प्रदान की गई। जनसुनवाई में अतिक्रमण, भवन, स्वास्थ्य, जल, संपदा, बाजार, राजस्व, पीडब्ल्यूडी, स्थापना, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना तथा अन्य विभागों से जुड़े आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई की गई। वहीं नगर निगम के सभी संभागीय कार्यालयों में प्राप्त 35 आवेदनों का भी मौके पर ही शत-प्रतिशत निराकरण किया गया। इस अवसर पर अपर आयुक्त सौरभ मिश्रा, विद्यानंद बाजपेई, जनसुनवाई प्रभारी सहायक आयुक्त वेद प्रकाश चौधरी, गुलाब इमवाती, सुनील दुबे, विष्णु, देवेंद्र पटेल, असद, सतीश मिश्रा सहित सभी विभागीय प्रमुख उपस्थित रहे।

जूनियर राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के लिए मध्य प्रदेश टीम घोषित

जबलपुर। हॉकी इंडिया के तत्वावधान में 28 जुलाई से 8 अगस्त 2026 तक कोयंबटूर (तमिलनाडु) में आयोजित होने वाली 16वीं हॉकी इंडिया जूनियर पुरुष नेशनल चैंपियनशिप के लिए मध्य प्रदेश की टीम घोषित कर दी गई है। हॉकी मध्य प्रदेश के महासचिव लोक बहादुर ने बताया कि टीम का कोचिंग कैंप 23 जुलाई से भोपाल में आयोजित होगा और टीम 29 जुलाई को कोयंबटूर के लिए रवाना होगी। मध्य प्रदेश टीम अपना पहला मुकाबला 2 अगस्त को हरियाणा के विरुद्ध खेलेगी। टीम के पूल में हरियाणा एवं तमिलनाडु शामिल हैं। क्वार्टर फाइनल मुकाबले 5 अगस्त, सेमीफाइनल 6 अगस्त तथा खिताबी मुकाबले 8 अगस्त को खेले जाएंगे। मध्य प्रदेश टीम में जतिन वर्मा (ग्वालियर), सोहेल अली (ग्वालियर), आनंद कुमार (गुना), नवीन एक्का (उज्जैन), लव (उज्जैन), विश्वेष सिंह (इंदौर), हर्ष फलसवाल (गुना), तौहीद अहमद (भोपाल), आशिर आदिल खान (सिवनी), राजवीर सिंह (भोपाल), सुभान आबिद (भोपाल), रितेंद्र प्रताप सिंह (ग्वालियर), तुषार परमार (मंदसौर), ऋषि रजक (जबलपुर), संजू सिंह (रायसेन), विष्णु मतेल (बालाघाट), हर्ष यादव (इंदौर), भावेश धोटे (बैतूल) शामिल हैं। टीम के मैनेजर अभिषेक श्रीवास एवं कोच मंगल वेद नियुक्त किए गए हैं।

आईआईटी कानपुर से मास्टर्स डिग्री प्राप्त करने पर कविश मिश्रा सम्मानित

जबलपुर। जबलपुर स्मार्ट सिटी के सहायक यंत्री कविश मिश्रा को भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) कानपुर से मास्टर्स डिग्री प्राप्त होने पर निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने कार्यालय में सम्मानित कर बधाई दी। दीक्षांत समारोह में डिग्री प्राप्त करने के बाद कविश मिश्रा ने निगमायुक्त से सौजन्य भेंट कर उनका मार्गदर्शन एवं आशीर्वाद लिया।इस अवसर पर निगमायुक्त श्री अहिरवार ने कहा कि तकनीकी रूप से दक्ष और उच्च शिक्षित अधिकारियों की विशेषज्ञता का लाभ नगर निगम एवं स्मार्ट सिटी की विकास परियोजनाओं को मिलता है। उन्होंने कविश मिश्रा को भविष्य में भी समर्पण और ऊर्जा के साथ नगर विकास कार्यों में योगदान देने के लिए प्रेरित किया। कविश मिश्रा ने अपनी उपलब्धि का श्रेय वरिष्ठ अधिकारियों, सहयोगियों एवं शुभचिंतकों के प्रोत्साहन को देते हुए कहा कि आईआईटी कानपुर से मास्टर्स डिग्री प्राप्त करना उनके लिए गौरव का विषय है। निगम एवं स्मार्ट सिटी के अधिकारियों और कर्मचारियों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं।

महिला सुरक्षा के लिए चेरीताल में सुरक्षा चौपाल उच्च इच्छा शक्ति पर दिया गया जोर

जबलपुर। महापौर जगत बहादुर सिंह "अन्नू" के नेतृत्व में नगर निगम एवं यूएन वूमेन के संयुक्त तत्वावधान में सेफ सिटीज अभियान के अंतर्गत चेरीताल स्थित कान्यकुब्ज ब्राह्मण सभा भवन, सरस्वती कॉलोनी में महिला सुरक्षा चौपाल आयोजित की गई। कार्यक्रम में पार्षद प्रतिभा भापकर एवं चौकी प्रभारी सरिता पटेल धाकड़ ने कहा कि महिलाओं को अत्याचार, अपराध और गुंडागर्दी के खिलाफ स्वयं आगे बढ़कर आवाज उठानी चाहिए। अपराध रोकने के लिए उच्च मनोबल और मजबूत इच्छा शक्ति आवश्यक है। बैठक में महिलाओं ने क्षेत्र की समस्याओं, जिनमें स्कूलों के पास शराब दुकान, अपर्याप्त रोशनी एवं असामाजिक तत्वों की गतिविधियों जैसे मुद्दे प्रमुख रहे, को उठाया। चौकी प्रभारी सरिता पटेल धाकड़ ने पुलिस सहायता 112, महिला हेल्पलाइन 1091 एवं साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 की जानकारी दी। स्थानीय स्तर पर त्वरित सहायता के लिए "महिला सुरक्षा मित्र" दल का भी गठन किया गया। कार्यक्रम का संचालन यूएन वूमेन की ओर से रुद्राक्ष पाठक ने किया। इस अवसर पर स्नेह साहू, अनीता गुप्ता, संगीता व्यौहार, कल्पना तिवारी, अनीता साहू, वैशाली तेजवानी, अंजू जायसवाल, रश्मि चौधरी, श्वेता गुप्ता, कविता सोनी, सिलोचना सोनी, मीनू साहू, पूजा चौधरी, शशि चौधरी, सरिता अहिरवार, प्रीति विश्वकर्मा, नरेंद्र साहू, राजेंद्र व्यौहार, आशीष चौधरी, सुनील रजक, विध्येश भापकर सहित बड़ी संख्या में महिलाएं एवं क्षेत्रवासी उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर ग्रेटर की पहली फेलोशिप मीटिंग संपन्न

सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प

जबलपुर। रोटरी क्लब ऑफ जबलपुर ग्रेटर की रोटरी वर्ष 2026-27 की पहली फेलोशिप मीटिंग होटल सत्य अशोका में आयोजित हुई। क्लब अध्यक्ष रोटेरियन अजय पाठक ने कहा कि फेलोशिप सदस्यों के बीच विश्वास, समन्वय और आत्मीयता बढ़ाने का सशक्त माध्यम है, जिससे समाज सेवा के कार्यों को नई गति मिलती है।

कार्यक्रम का संचालन पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन अभय विष्णोई ने किया। उन्होंने महिलाओं का सम्मान करते हुए सेवा गतिविधियों में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका की सराहना की। क्लब सचिव रोटेरियन असगी अली ने आगामी सेवा परियोजनाओं की रूपरेखा प्रस्तुत की तथा जुलाई माह में जन्मदिन एवं वैवाहिक वर्षगांठ मनाने वाले सदस्यों का सम्मान किया। क्लब कोषाध्यक्ष रोटेरियन पुनीत हांडा ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर अजय ग्रोवर, विनय कोपरहिया, विजय गुप्ता, शशिकांत गाला, डॉ. संजय छत्तानी, डॉ. अजय भंडारी, सतीश अग्रवाल, सुबोध जैन, शरद सांघी, संजय रूसिया, योगेंद्र सोनी, नासिर अली, चेतन जायसवाल सहित अनेक रोटेरियंस एवं उनके परिवारजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन गाला डिनर के साथ हुआ, जिसमें रोटरी वर्ष 2026-27 में जनकल्याणकारी सेवा कार्यों को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया।

8 सूत्रीय मांगों को लेकर तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन ने सौंपा ज्ञापन

जबलपुर। तृतीय वर्ग कर्मचारी संगठन ने कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं एवं 8 सूत्रीय मांगों को लेकर जिला शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन प्रांत अध्यक्ष अतुल मिश्रा एवं जिला अध्यक्ष नितिन अग्रवाल के नेतृत्व में दिया गया।ज्ञापन में 12 वर्षीय क्रमोन्नति आदेश जारी करने, उच्च माध्यमिक शिक्षकों के समयमान वेतन आदेश, प्रशिक्षण संस्थानों में अध्ययनरत छात्राध्यापकों की 16 जून से ई-अटेंडेंस लागू करने, शिक्षा विभाग के सभी संवर्गों की पदोन्नति प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण करने तथा जिले में अनुकंपा नियुक्तियों सहित अन्य मांगें प्रमुख रूप से उठाई गईं। प्रांत अध्यक्ष अतुल मिश्रा ने कहा कि कर्मचारियों की लंबित मांगों का शीघ्र निराकरण किया जाना चाहिए। इस अवसर पर नितिन अग्रवाल, रत्नेश मिश्रा, एस.के. प्रधान, के.के. डेहरिया, अभिषेक मिश्रा, राजभान हल्दकर, राजकुमार सिंह, माधव पांडे सहित संगठन के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

पूर्व मंत्री एवं राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह का आगमन आज

जबलपुर। एनएसयूआई के राष्ट्रीय प्रवक्ता विराज यादव ने जानकारी देते हुए बताया कि मध्यप्रदेश के पूर्व मंत्री एवं राघौगढ़ विधायक जयवर्धन सिंह का बुधवार को जबलपुर आगमन हो रहा है उन्होंने बताया कि जयवर्धन सिंह भोपाल से सड़क मार्ग द्वारा प्रातः 10:30 बजे जबलपुर पहुंचेंगे। आगमन के पश्चात वे स्थानीय कांग्रेस नेताओं, पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से सौजन्य भेंट एवं संगठनात्मक चर्चा करेंगे। इसके उपरांत दोपहर 12:00 बजे वे पंडित रविशंकर शुक्ल स्टेडियम, राइट टाउन, जबलपुर में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (AICC) द्वारा आयोजित "छात्रों की गूंज" कार्यक्रम में शामिल होंगे तथा विद्यार्थियों एवं युवा साथियों को संबोधित करेंगे।

CHANGE OF NAME

I Kamla Devi Seksaria, W/o Shri Subhash Seksaria, resident of 586, Wright Town, Matra Pitra Chhaya, Madan Mahal, Subhadra Kumari Chouhan Ward, Jabalpur, do hereby solemnly affirm and state as follows : That I am a permanent resident of the aforementioned address. That my date of birth is verified as 21/10/1956. That in my old passport while filling in the form details, I inadvertently entered the spelling of my name as 'KAMALA DEVI SEKSARIA' instead of the correct spelling 'Kamla Devi Seksaria'. That in all of my official and non-official documents, the correct spelling of my name is recorded as 'Kamla Devi Seksaria' and this spelling should be recorded in all future records as well. I have applied for passport renewal, and consequently, I require a newspaper advertisement regarding the correction of my name.
Deponent

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/109
दिनांक :- 21/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री सिध्दार्थ कुमार दिवाकर पिता श्री सुशील चंद्र दिवाकर ने मकान नं. 2891/1,2891/2 का भाग वार्ड पं. भवानी प्रसाद तिवारी भूतल 140 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय, सम्भागीय अधिकारी सम्भाग
क्रमांक 13 मुख्यालय, नगर निगम, जबलपुर
पत्र क्रं /संभा.अधि./13/मुख्यालय 2026-27/एम/105
दिनांक :- 21/07/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती किरण चीजवानी पति श्री सुनील चीजवानी ने मकान नं. 303 /BFF-106 वार्ड स्वामी दयानंद सरस्वती प्रथमतल 1285 व.फु. विक्रयपत्र के आधार पर नगर निगम द्वारा प्रदत्त मकान नं. पर नामांतरण हेतु आवेदन दिया है। जिस किसी को भी उक्त नामांतरण पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक-13 मुख्यालय में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

राजस्व निरीक्षक
संभाग क्रं.13 मुख्यालय
नगर निगम, जबलपुर